कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण - 12

रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा - 12

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती - 13

पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में - 14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.42

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी 02:28 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 22 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 333, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पीएम मोदी के नेतृत्व में पुनर्स्थापित हुई भारतीय संस्कृति की वैचारिक शक्तिः शाह

'कल्याण' के शताब्दी अंक का विमोचन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर देवभूमि उत्तराखंड पहुंचे
- ऋषिकेश में सीएम धामी के साथ किया गीता प्रेस की पत्रिका कल्याण के शताब्दी अंक का विमोचन

अमृत विचारः केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की नीतियों के मूल आधार में भारतीय संस्कृति की वैचारिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने का महान कार्य हो रहा है। शाह ने बुधवार को ऋषिकेश में गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'कल्याण' के शताब्दी अंक का सीएम पुष्कर सिंह धामी और गणमान्य लोगों के साथ विमोचन किया।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि, सनातन धर्म से आकांक्षा रखने वाला, दुनिया की समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय संस्कृति की ओर देख रहा है और इस भूमि से प्रेम करने वाला भारत और दुनिया का कोई भी व्यक्ति गीता प्रेस से अनजान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी हनुमान प्रसाद पोद्दार ने गीता प्रेस के माध्यम से लगभग 103 वर्षो से सनातन धर्म की लौ को ताकत देने का काम किया है। उन्होंने करोड़ों लोगों को भक्ति के माध्यम से आध्यात्म की ओर प्रेरित किया और इस रास्ते पर चलते हुए मोक्ष तक का रास्ता प्रशस्त किया और सब कुछ छोड़कर अपना पूरा जीवन गीता प्रेस को समर्पित किया। गीता प्रेस मुनाफे के लिए नहीं बल्कि पीढ़ियों का निर्माण करने के लिए चलती है। स्वावलंबी तरीके से सद्साहित्य को करोड़ों लोगों तक पहुंचाने का काम गीता प्रेस ने किया है। कल्याण जैसी पत्रिका का 100 वर्ष पूरा करना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के कार्यकाल में हमारे युवाओं में एक बहुत बड़ा गुणात्मक परिवर्तन आया है। 550 साल बाद रामलला का एक गगनचुंबी मंदिर अयोध्या में बन चुका है। औरंगजेब द्वारा तोड़ा गया काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पूरी दुनिया को संदेश देता है कि तोड़ने वालों से श्रद्धा की ताकत बहुत बड़ी होती है। हाल ही में सोमनाथ मंदिर को तोड़े हुए 1000 साल हुए हैं और भारत सरकार पूरा वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाने जा रही है।

हिंदी में बोलते हैं तो चौड़ा हो जाता है सीना

गृह मंत्री शाह ने कहा कि कश्मीर से धारा 370 हट गई, महाकालेश्वर का कॉरिडोर बना, केदारनाथ का पुनरुद्धार किया गया, बद्रीनाथ धाम का स्ट्रक्चर पूरा हो चुका है। देशभर में 35 से अधिक तीर्थों की पुनर्जागृति और महिमामंडन पर विचार हो रहा है। मातृभाषा में शिक्षा का अब कोई विरोध नहीं हो रहा है। प्रधानमंत्री विश्व में हर जगह हिंदी में बोलते हैं तो पूरे देश का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारत से चुराकर पूरी दुनिया में गई 642 से अधिक मूर्तियों को वापिस लाकर उनके पहले के स्थान पर पुनर्स्थापित करने का भी काम हुआ है। करोड़ों संतों ने विकट समय में धर्म, सत्व और संस्कृति के संरक्षण और गीता प्रेस और कल्याण जैसी पत्रिकाओं ने सनातन की लौ को बचाकर रखा है।

ब्रीफ न्यूज

5.85 करोड़ मूल्य का कोबरा का विष जब्त सात गिरफ्तार

सूरत। गुजरात पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का कोबरे का जहर जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने कहा कि कोबरे का जहर रेव पार्टियों में उपयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थ और जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए किया जाता है। सूरत पुलिस के एसओजी के उपायुक्त ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने घनश्याम सोनी नामक व्यक्ति से कमीशन पर बेचने के लिए 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का 6.5 मिलीलीटर कोबरा विष लिया था। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में कोबरा विष बरामद हुआ है।

रोहित शर्मा को मानद डॉक्टरेट की उपाधि की जाएगी प्रदान

पुणे। भारत के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा को क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए शनिवार को यहां अजींक्या डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डीलिट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने घोषणा की कि उसके ऐतिहासिक 10वें दीक्षांत समारोह में रोहित प्रमुख आकर्षण होंगे। विश्वविद्यालय ने कहा, प्रशंसक उन्हें क्रिकेट के हिटमैन के रूप में जानते हैं, लेकिन दीक्षांत समारोह रोहित शर्मा के लिए एक अलग तरह का मील का पत्थर है।

शबरिमला मामले में पद्मकुमार, दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने शबरिमला में सोना चोरी होने के मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार और दो अन्य की जमानत याचिकाएं बुधवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति ए. बदरुद्दीन ने पद्मकुमार, टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू और कर्नाटक के बल्लारी के जौहरी रोद्दम पांडुरंगैया नागा गोवर्धन को राहत देने से इनकार कर दिया।

पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है अरावली का मुद्दा, अवैध खनन बर्दाश्त नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने खनन संबंधी मुद्दों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने की बात दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। साथ ही कहा कि यह मुद्दा देश के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। पीठ ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। कोर्ट ने अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय को सूचित किया गया कि छिटपुट स्थानों पर अवैध खनन हो रहा है, और पीठ ने राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में लिया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत खनन नहीं होगा। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच, उच्चतम न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा तथा उससे जुड़े मुद्दे शीर्षक से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था।

अरावली की नई परिभाषा को लेकर जारी बवाल के बीच, न्यायालय ने पिछले साल 29 दिसंबर को अपने 20 नवंबर के उन निर्देशों को स्थगित कर दिया था, जिनमें इन पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

इन निर्देशों में अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई थी। न्यायालय ने कहा था कि कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है, जिनमें यह आशंका भी शामिल है कि 100 मीटर ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता है। न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार कर लिया था और विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके क्षेत्रों के भीतर नए खनन पट्टे देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वायु प्रदूषण मामले में केंद्र व दिल्ली सरकार से कार्ययोजना मांगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार समेत अन्य हितधारकों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए केंद्रीय प्रदूषण निगरानी संस्था द्वारा अनुशंसित दीर्घकालिक उपायों पर अपनी-अपनी कार्य योजना चार सप्ताह के भीतर पेश करें।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा प्रस्तुत वस्तु स्थिति रिपोर्ट का संज्ञान लिया। पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने 15 दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश की है और उन संबंधित एजेंसियों की भी पहचान की है, जो इन दीर्घकालिक उपायों को लागू करने में सक्षम हैं। पीठ ने कहा, सीएक्यूएम द्वारा सुझाए गए उपायों के अलावा भी कुछ अतिरिक्त दीर्घकालिक उपायों को अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीएक्यूएम द्वारा अनुशंसित इन दीर्घकालिक उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना आवश्यक है। इसलिए हम हितधारकों से इन उपायों को लागू करने के लिए अपनी-अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का आग्रह करते हैं। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय इन उपायों के संबंध में किसी भी आपत्ति पर विचार करने के पक्ष में नहीं है।

आज रामपुर रोड पर बंद रहेगा हल्द्वानी और रुद्रपुर के बीच ट्रैफिक

संवाददाता, हल्द्वानी/रुद्रपुर

अमृत विचारः टांडा रेलवे फाटक की मरम्मत के चलते आज रामपुर रोड पर रुद्रपुर और हल्द्वानी के बीच वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। ऐसे में हल्द्वानी से रुद्रपुर और रुद्रपुर से हल्द्वानी आने-जाने वाले लोगों को रामपुर रोड के बजाय बरेली रोड का प्रयोग करना होगा। हालांकि इसका रेल यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हल्द्वानी पुलिस के मुताबिक, 22 जनवरी को सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक छतरपुर-हल्दी रोड रेलवे स्टेशनों के मध्य रुद्रपुर-हल्द्वानी मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक के मरम्मत का कार्य होगा। इसके चलते वाहनों की आवाजाही प्रभावित रहेगी। रामपुर रोड पर सुबह 7:30 बजे से रात्रित 8:30 बजे तक डायवर्जन प्लान लागू रहेगा।

यह रहेगा डायवर्जन

- हल्द्वानी से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले सभी प्रकार के दोपहिया, चौपहिया, रोडवेज और निजी बसें सिंधी चौराहा से डायवर्ट होकर बरेली रोड होते हुए लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।
- एसटीएच की ओर से रामपुर रोड होते हुए रुद्रपुर की ओर जाने वाले वाहन टीपीनगर से शीतल होटल, गन्ना सेंटर से डायवर्ट होकर लालकुआं से किच्छा नगला बाईपास होते हुए जाएंगे।
- रुद्रपुर से हल्द्वानी के लिए सभी प्रकार के वाहन वाया पंतनगर-लालकुआं होते हुए आएंगे। एआरएम रोडवेज रुद्रपुर श्रीराम कौशल के अनुसार, रोडवेज बसें रुद्रपुर से पंतनगर से लालकुआं होते हुए हल्द्वानी आएंगी-जाएंगी।

- **वजह :** रामपुर रोड पर स्थित टांडा रेलवे फाटक की मरम्मत होगी
- **समयावधि :** प्रात: 7:30 बजे से रात 8:30 बजे तक लागू रहेगा रूट डायवर्जन
- **वैकल्पिक मार्ग :** दोनों जिलों के बीच बरेली रोड पर डायवर्ट होगा ट्रैफिक

वायु सेना का हल्का विमान क्रैश

- दोनों पायलट सुरक्षित माघ मेला से ठीक तीन किमी दूर हुआ हादसा

नई दिल्ली/प्रयागराज। वायु सेना का एक हल्का, विमान इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण बुधवार को प्रयागराज में हादसे का शिकार हो गया। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। यह हादसा माघ मेले से 3 किमी दूरी पर हुआ। भारतीय वायु सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए उसने जांच का आदेश दिया है। इस तरह के अत्यंत हल्के विमान का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण, पक्षी सर्वेक्षण और भू सर्वेक्षण कार्यों में किया जाता है। हादसा उस वक्त हुआ, जब विमान एक नियमित उड़ान पर था। हादसे के दौरान विमान की रिकवरी (पैराशूट) प्रणाली सक्रिय की गई और दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

वायु सेना ने कहा, एक माइक्रोलाइट विमान में, 21 जनवरी को दोपहर सवा बारह बजे प्रयागराज के निकट बमरौली वायु सेना स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी गड़बड़ी आ गई और उसे एक निर्जन इलाके में सुरक्षित रूप से उतारा गया तथा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

महंत नृत्य गोपाल दास की हालत गंभीर, आईसीयू में भर्ती

लखनऊ। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बुधवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें पेट संबंधी गंभीर समस्या हो गई। गंभीर हालत में उन्हें लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

शाम चार बजे महंत नृत्य गोपाल दास को आंशिक बेहोशी की हालत में मेदांता की इमरजेंसी में लाया गया। डॉक्टरों ने महंत को देखा, जरूरी जांचें कराईं। निदेशक डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि खून की जांच में इलेक्ट्रोलाइट गड़बड़ पाया गया। डॉक्टरों की टीम गठित कर दी गई है। जो महंत की सेहत की निगरानी कर रहे हैं। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है।

उत्तराखंड में बिगड़ेगा मौसम, ऑरेंज अलर्ट

- 23 से भारी बर्फबारी व बारिश का अनुमान, शासन स्तर से तैयारियां शुरू

देहरादून। प्रदेश में कल से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। मौसम विभाग ने 23 जनवरी को बारिश, भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जिलों के लिए ऑरेंज जबकि देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, पौड़ी, अल्मोड़ा एवं नैनीताल जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग की चेतावनी और सीएम के निर्देश पर सचिव आपदा प्रबंधन व पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बुधवार को सभी संबंधित जिलों के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें संभावित बारिश, बर्फबारी, पाला, शीतलहर एवं उससे उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के मद्देनजर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आज रात से असर

नैनीताल : मौसम विभाग के राज्य निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का असर गुरुवार रात से दिखाई दे सकता है। इस दौरान 25 सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात जबकि 2800 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली चोटियों पर भारी हिमपात की संभावना है। कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। 27 जनवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है।

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होगा इजराइल, नेतन्याहू हुए सहमत

यरुशलम, एजेंसी

- गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा 'बोर्ड ऑफ पीस'

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है। इस घोषणा से पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा पर निगरानी के लिए बोर्ड की कार्यकारी समिति की संरचना की आलोचना की थी।

ट्रंप के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' की परिकल्पना मूलरूप से विश्व के कुछ चुनिंदा नेताओं के एक छोटे समूह के रूप में की गई है, जो गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा। ट्रंप प्रशासन की महत्वाकांक्षाएं अब एक व्यापक अवधारणा में तब्दील हो गई हैं, जिसमें ट्रंप ने दर्जनों देशों को निमंत्रण भेजा है और संकेत दिया है कि यह जल्द ही वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। नेतन्याहू की यह घोषणा उनके पहले के रुख के विपरीत है।

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण को नहीं करेंगे बल प्रयोग : ट्रंप

दावोस। राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कहा कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका तेजी से तरक्की कर रहा है, लेकिन यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है। ट्रंप ने नाटो में सहयोगी डेनमार्क से ग्रीनलैंड का नियंत्रण हासिल करने की इच्छा जताई है। उनकी यह महत्वाकांक्षा अमेरिका के कई करीबी सहयोगियों से संबंधों को खराब करने का खतरा पैदा कर रही है। वैश्विक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति अन्य देशों के साथ उनकी शिकायतों पर अधिक केंद्रित रही।

बदलाव केंद्र सरकार के निर्देश पर बदला गया नाम, नोटिफिकेशन जारी, उप्र में 'लोक भवन' पहले से था, इसलिए नाम रखा 'जन भवन'

यूपी में 'राजभवन' का नाम बदला, अब 'जनभवन'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में राज्यपाल के आधिकारिक आवास और कार्यालय के नाम में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। लखनऊ स्थित राजभवन को अब आधिकारिक रूप से 'जन भवन' के नाम से जाना जाएगा।

इस संबंध में राज्य सरकार ने औपचारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दिया है। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यहां पहले से ही मुख्यमंत्री का प्रशासनिक कार्यालय 'लोक भवन' के नाम से है। एक ही शहर में दो महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थानों के लिए समान नाम होने से प्रशासनिक भ्रम की आशंका थी। इसी कारण 'लोक भवन' के स्थान पर 'जन भवन' नाम को अंतिम रूप दिया गया। यह निर्णय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में लिया गया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्यपालों एवं उप राज्यपालों के आधिकारिक आवासों के नाम अधिक जनोन्मुखी और लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी 'राजभवन' का नाम बदलने का फैसला किया। अब तक 'राजभवन' के नाम से पहचाने जाने वाले राज्यपाल के आधिकारिक आवास को आगे से सभी शासकीय, प्रशासनिक और वैधानिक कार्यों में 'जन भवन' के नाम से ही संबोधित किया जाएगा। शासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और आने वाले समय में सरकारी पत्राचार, निमंत्रण पत्र, दस्तावेज, साइन बोर्ड और अन्य आधिकारिक संकेतकों में भी 'जन भवन' नाम का ही प्रयोग किया जाएगा। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी।

औपनिवेशिक सोच से दूरी का प्रयास

केंद्र सरकार के इस कदम को औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से दूरी बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने राज्यपालों के एक सम्मेलन में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा था कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासनकाल की मानसिकता को दर्शाता है, जबकि स्वतंत्र भारत में शासन व्यवस्था जनता-केंद्रित होनी चाहिए। इसी सोच के तहत देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने यहां राजभवन के नाम बदले हैं। यूपी ने हालांकि 'लोक भवन' के बजाय 'जन भवन' नाम अपनाकर एक अलग पहचान बनाई है।

इन राज्यों में पहले ही बदला गया नाम

यूपी से पहले ही पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा के राज भवनों के नाम बदले गए हैं। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने औपनिवेशिक काल की पहचान मिटाने के लिए अपने राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया है। लद्दाख के उप राज्यपाल के निवास-कार्यालय को अब लोक निवास कहा जाएगा। इसे पहले राज निवास कहा जाता था।

स्टेट ब्रीफ

डिजिटल सेवाओं से जुड़ेंगे गांव

देहरादून : सूबे में सहकारिता व्यवस्था के डिजिटलीकरण के तहत अब तक 405 पैक्स समितियों को ई-पैक्स में परिवर्तित किया गया है। शेष पैक्स समितियों में डिजिटलाइजेशन का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। पैक्सों के डिजिटलीकरण से अब सारा लेन-देन ऑनलाइन होगा, जिससे पेपरलेस कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही पैक्सों में पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। ई-पैक्स मल्टीपर्पज सेंटर के रूप में भी काम करेंगे , जिससे आम लोगों को स्थानीय स्तर पर डिजिटल सेवाओं का लाभ मिलेगा। यह जानकारी बुधवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने दी।

ऋषिकेश बाईपास को मिली रफ्तार

टिहरी : ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती यातायात समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ऋषिकेश बाईपास परियोजना को लेकर अहम प्रगति हुई है। यह प्रस्तावित बाईपास टिहरी जिले के नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र से होकर गुजरेगा, जिससे न केवल यातायात व्यवस्था को राहत मिलेगी बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी। इसको लेकर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने परियोजना से जुड़े सम्बंधित अधिकारियो के साथ बुधवार को समीक्षा बैठक में एनएच-07 पर प्रस्तावित तीनपानी-योगनगरी-खारास्रोत बाईपास मार्ग को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

नेतृत्व एवं दृढ़ता से विभाजनकारी शक्तियों पर निर्णायक प्रहार: धामी

सीएम धामी ने किया गीता भवन में 'कल्याण' पत्रिका के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ऋषिकेश में स्थित गीता भवन में गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित 'कल्याण' पत्रिका के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की दृढ़ प्रतिबद्धता के फलस्वरूप आज भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद और विभाजनकारी शक्तियों पर निर्णायक प्रहार हुआ है। देश की आंतरिक सुरक्षा अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ हुई है और राष्ट्र एकता, अखंडता व शांति के मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। कहा कि, गीता प्रेस, गोरखपुर न केवल एक प्रकाशन संस्था है बल्कि भारतीय हिंदू धार्मिक साहित्य के प्रसार का एक सामाजिक, सांस्कृतिक स्तम्भ है। इस दौरान सांसद अनिल बलूनी, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, डॉ. धन सिंह रावत, विधायक उमेश शर्मा काऊ आदि मौजूद रहे।

शताब्दी समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी।

समाज में कमी सज्जनों के संगठित होने की: शाह

देहरादून : केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि, समाज में कभी सज्जनों की कमी नहीं होती, कमी होती है उनके संगठित होने की। 'कल्याण' पत्रिका ने पिछले 100 वर्षों में सनातन धर्म के अनुयायियों की विचार-शक्ति और सांस्कृतिक चेतना को संगठित करने का कार्य किया है। 'कल्याण' ने हर संकट में भारतीय संस्कृति के दीप को जलाए रखा है, चाहे वह अंग्रेज़ों का समय हो या भारत की नई शुरुआत का दौर। यह केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि भारतीयों के लिए आध्यात्मिक जगत का पथप्रदर्शक है।

मंच से साझा किया व्यक्तिगत अनुभव : शाह ने मंच से अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैं बहुत छोटा था, जब मेरी दादी चल बसीं। मगर अपनी बहनों से मैंने सुना है कि मेरी दादी गीता प्रेस से मुद्रित गीता पढ़ती थीं। मेरी मां भी गीता प्रेस से मुद्रित गीता पढ़ती थीं और आज मेरी पोती अपने स्कूल बैग में हनुमान चालीसा रखकर जा रही है, वह भी गीता प्रेस की है।

नरेंद्र मोदी राज में तीव्र गति से यूटर्न

देहरादून : केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि, देश की स्वाधीनता के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समय में पाश्चात्य विचारों से प्रभावित होकर नीतियां बनाई जा रही थीं लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इन पर 'यूटर्न' लगाने का काम तीव्र गति से चल रहा है। उन्होंने 'कल्याण' द्वारा अब तक निकाले गए विशेषांकों का उल्लेख किया। कहा कि, हिंदू संस्कृति पर अंक 1950 में उस समय आया, जब जवाहर लाल नेहरू के समय में पाश्चात्य असर से हमारे देश की नीतियां गढ़ी जा रही थीं। जब देश की शिक्षा नीति, विदेश नीति, रक्षा नीति, व्यापार नीति पश्चिम के विचारों से प्रभावित होकर बन रही थीं, उस वक्त कल्याण ने चुपचाप कुछ कहे बगैर लोगों के सामने यह अंक प्रकाशित किया। कहा कि इस अंक को निकालने के पीछे निश्चित रूप से विचार यही रहा होगा कि जब देश आजाद होकर अपनी नीतियां बना रहा है तो उनका मूल हमारी संस्कृति होनी चाहिए न कि पाश्चात्य विचार होना चाहिए।

जमरानी जून, सौंग बांध परियोजना नवम्बर 2029 तक हो जाएगी पूरी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना की कुल लागत 3678.23 करोड़ रुपये है। इस परियोजना को जून 2029 तक पूरा कर लिया जाएगा। जबकि सौंग बांध परियोजना 130.60 मीटर ऊंचा, 150 एमएलडी की गुरुत्व आधारित पेयजल परियोजना है, जिसकी लागत 2524.42 करोड़ रुपये है और इसका निर्माण कार्य भी नवम्बर 2029 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। यह जानकारी सचिव सिंचाई युगल किशोर पंत ने बुधवार को मुख्य सचिव (सीएस) आनंद बर्द्धन को दी।

सिंचाई विभाग द्वारा निर्माणाधीन जमरानी एवं सौंग बांध परियोजनाओं की सीएस बर्द्धन बुधवार को सचिवालय में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने उत्तराखंड राज्य के लिए इन दोनों महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर विस्तार से चर्चा की और दिशा-निर्देश दिए। कहा कि दोनों प्रोजेक्ट्स को समय पर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में सभी निविदा एवं आवश्यक अन्य प्रक्रियाएं समय पर पूर्ण कर लिए जाएं। सम्पूर्ण परियोजना का फ्लो चार्ट तैयार कर प्रत्येक चरण को निर्धारित समय पर पूर्ण कराया जाए।

मुख्य सचिव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाए जाने हेतु आवश्यक सामग्री की उपलब्धता को बढ़ाए जाने पर जोर दिया। कहा कि कार्यों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए आवश्यक फर्स्ट पार्टी, सेकंड पार्टी एवं थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल एवं मूल्यांकन भी नियमित तौर पर कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। परियोजनाओं से प्रभावितों के पुनर्वास कार्य पर समयबद्धता एवं तत्परता के साथ पूर्ण किया जाए। निर्देश दिए कि, प्रभावितों को मुआवजा, पुनर्वास और आवंटन का कार्य आपसी तालमेल और विश्वास में लेकर किया जाए इसके लिए लगातार संवाद जारी रखा जाए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष सिंचाई सुभाष चंद्र भी मौजूद रहे।

जमरानी बांध परियोजना की समीक्षा करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन।

जमरानी: समय के साथ बढ़ रहा बजट

उत्तराखंड के साथ उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सिंचाई, बिजली और पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने वाली जमरानी बांध परियोजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना कार्यक्रम के तहत पूरी होगी। पहले मार्च 2028 तक पूरी होने वाली परियोजना पर 2584 करोड़ रुपये खर्च का आकलन था। परियोजना में नैनीताल जिले में रामगंगा नदी की सहायक नदी गौला के तट पर बसे जमरानी गांव में बांध का निर्माण होना है। परियोजना के जरिये 57065 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के दायरे में लाया जाएगा। इसमें 9458 हेक्टेयर जमीन उत्तराखंड और 47607 हेक्टेयर जमीन उत्तर प्रदेश की है। इनमें नैनीताल और ऊधमसिंह नगर तथा यूपी के रामपुर और बरेली जिलों को सर्वाधिक लाभ होगा।

हाकम सिंह को मिली हाईकोर्ट से जमानत

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कथित तौर पर नकल माफिया हाकम सिंह को बुधवार को हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। न्यायालय ने आरोपी को जमानत दे दी है। इससे पहले उसके सहयोगी पंकज गौड़ को विगत 14 जनवरी को जमानत मिल गई थी।

आरोपी के जमानत प्रार्थना पत्र पर बुधवार को अवकाशकालीन पीठ के न्यायमूर्ति आलोक महरा की अदालत में सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता अवतार सिंह रावत ने आरोपी की पैरवी करते हुए कहा कि हाकम सिंह के खिलाफ साक्ष्य मौजूद नहीं हैं और न ही कोई बरामदगी हुई है। उसे संशय के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। यह भी कहा गया कि इसी मामले में एक अन्य आरोपी पंकज गौड़ की जमानत पहले ही हो चुकी है। दूसरी ओर, सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि हाकम सिंह का रिकॉर्ड खराब है। वह पूर्व में भी गिरफ्तार हो चुका है। कोर्ट ने कहा कि सरकार अभी तक आरोपी के खिलाफ ठोस साक्ष्य पेश करने में असमर्थ रही है। कोर्ट ने आरोपी की जमानत मंजूर कर दी।

विगत वर्ष सितंबर में पटवारी भर्ती परीक्षा से एक दिन पूर्व हाकम सिंह और उसके सहयोगी पंकज गौड़ को गिरफ्तार किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला

विधि संवाददाता, नैनीताल

- दो न्यायिक अधिकारियों को दिल्ली न्यायिक सेवा में शामिल होने की अनुमति दी

अमृत विचार: सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए दो न्यायिक अधिकारियों को उत्तराखंड न्यायिक सेवा छोड़कर दिल्ली न्यायिक सेवा में शामिल होने की अनुमति दे दी है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट किया कि किसी अधिकारी को केवल इसलिए आगे बढ़ने से नहीं रोका जा सकता कि उनके जाने से राज्य में पद खाली हो जाएंगे। मामले के अनुसार, अनुभूति गोयल और एक अन्य याचिकाकर्ता वर्तमान में उत्तराखंड में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के पद पर तैनात थे। उन्होंने उत्तराखंड में नियुक्ति से पहले ही दिल्ली न्यायिक सेवा परीक्षा-2023 के लिए आवेदन किया था। जब उन्होंने दिल्ली की मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में सफलता प्राप्त कर ली, तो उन्होंने उत्तराखंड उच्च न्यायालय से साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने 19 फरवरी 2025 को उनकी अर्जी खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सुनवाई के दौरान उत्तराखंड हाईकोर्ट की ओर से दलील दी गई कि अधिकारियों के जाने से राज्य में जजों के पद रिक्त होंगे और लंबित

मुकदमों पर इसका बुरा असर पड़ेगा लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को बेहतर करियर चुनने से रोकना संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत दिए गए पेशे के अधिकार और अन्य मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और यदि याचिकाकर्ताओं को अनुमति नहीं दी जाती है, तो यह उनके भीतर नकारात्मकता और कुंठा पैदा कर सकता है।

पीठ ने कहा कि इन जजों के दिल्ली प्रदेश जाने से होने वाली रिक्तियों को नई भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से जल्द से जल्द भरा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि दिल्ली न्यायिक सेवा में शामिल होने में हुई देरी के बावजूद, याचिकाकर्ताओं की वरिष्ठता उनकी मूल मेरिट लिस्ट के अनुसार ही तय की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं की सेवा समाप्ति की प्रक्रिया पूरी करे ताकि वे 13 फरवरी 2026 तक दिल्ली न्यायिक सेवा में शामिल हो सकें। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि याचिकाकर्ताओं का हित राज्य की न्यायिक सेवा में रिक्तियों की चिंता से कहीं अधिक सर्वोपरि है।

हाईकोर्ट के डीईओ को काउंसलिंग के निर्देश

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक महरा की पीठ ने काउंसिलिंग में देरी से पहुंचने पर याचिकाकर्ता को मानवीय आधार पर राहत देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ बेसिक) चम्पावत को उनकी काउंसिलिंग कराने के निर्देश दिए हैं।

याचिकाकर्ता भावना उप्रेती की ओर से कहा गया कि प्रदेश में सहायक अध्यापक के पदों की भर्ती के लिए जिला स्तर पर काउंसलिंग चल रही है। विगत 12 जनवरी को डीईओ चम्पावत कार्यालय में उसकी काउंसिलिंग तय थी लेकिन वह एक घंटा देरी से पहुंचीं। इसके चलते कार्यालय ने उसकी काउंसिलिंग में शामिल करने से इनकार कर दिया। कहा गया कि 74 प्रतिशत तक अंक पाने वालों को काउंसलिंग में शामिल किया गया जबकि उनके 74.4 प्रतिशत अंक थे। यदि उन्हें काउंसिलिंग में शामिल किया जाता तो उनका चयन हो सकता था। पीठ ने याचिकाकर्ता के मामले में सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए डीईओ चम्पावत को याचिकाकर्ता की काउंसिलिंग कराने और याचिकाकर्ता को आगामी 24 जनवरी को डीईओ कार्यालय में 11 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

माघ माह में फाल्गुन जैसा मौसम

संवाददाता, हल्द्वानी

- मैदानी क्षेत्रों में चिलचिलाती धूप से बढ़ा तापमान, विशेषज्ञों ने जताई चिंता, जल्द ही प्रदेश का मौसम बदलने का है अनुमान

अमृत विचार: बुधवार का दिन कुमाऊं के मैदानी इलाकों के लिए ऐसा रहा, जैसा होली के बाद होता है। माघ माह में फाल्गुन माह जैसा नरम-गरम मौसम महसूस किया गया। मौसम का यह विपरीत मिजाज भविष्य के लिए चिंताजनक माना जा रहा है।

नैनीताल जिले की बात करें तो हल्द्वानी, रामनगर, कालाढूंगी, बैलपड़ाव आदि मैदानी क्षेत्रों में बुधवार सुबह से ही चिलचिलाती धूप खिली। तेज धूप के कारण तापमान में वृद्धि रिकॉर्ड की गयी। इन मैदानी इलाकों में बीते तीन दिनों से लगातार तापमान चढ़ता हुआ दर्ज किया गया जिससे लोगों को जनवरी में ही गर्मी मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। इस तरह के मौसम से विशेषज्ञों का मानना है कि, फरवरी के अंत और मार्च की शुरुआत में गर्मी सामान्य से अधिक हो सकती है। विशेषज्ञों ने बढ़ते तापमान को लेकर चिंता भी जाहिर की है। उनका कहना है कि यदि अभी से गर्मी का असर इस तरह बना रहा, तो आने वाले समय में तापमान में और तेज बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जिससे जनजीवन के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रभाव पड़ेगा।

विशेषज्ञों ने हालांकि यह भी संभावना जताई है कि आगामी दिनों

में मौसम करवट ले सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात भी हो सकता है। इसका असर मैदानी क्षेत्रों में भी देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह बारिश समय पर होती है, तो यह किसानों और खेती के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। खासकर रबी की फसलों को इससे पर्याप्त नमी मिलेगी, जिससे पैदावार में सुधार होने की उम्मीद है।

कोर्ट ने लगाया 3.70 लाख का जुर्माना

पिथौरागढ़: जिलास्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में खाद्य सुरक्षा को लेकर जनपद में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। सहायक आयुक्त, जिला खाद्य सुरक्षा आरके शर्मा ने बताया कि 5 सितंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा चलाए अभियान में 37 खाद्य नमूने लिए गए, जिनमें जांच रिपोर्ट के आधार पर रसगुल्ला मिठाई एवं खोया बर्फी के दो नमूने मानकों के विपरीत पाए गए। मानकों के उल्लंघन पर खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध न्यायालय में वाद दायर किए गए। न्यायालय द्वारा दो मामलों का निस्तारण करते हुए 3.70 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

एआई सहायता के साथ अब 23 भाषाओं में उपलब्ध यूसीसी सेवाएं

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की सेवाएं, अंग्रेजी के अलावा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध हैं। साथ ही, आवेदक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सहायता से भी यूसीसी की प्रक्रिया को समझने के साथ ही अपना पंजीकरण करवा सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि, यूसीसी के तहत विभिन्न सेवाओं के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को बेहद सरल रखा जाए, साथ ही वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली रखा जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति स्वयं ही अपना पंजीकरण करवा सके। इसी क्रम में आईटीडीए ने यूसीसी की वेबसाइट को आठवीं अनुसूची में शामिल 22 अनुसूचित भाषाओं-असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, उर्दू, सिंधी, बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली और मणिपुरी के साथ अंग्रेजी में तैयार किया है।

इस तरह आवेदक अपनी भाषा के अनुसार न सिर्फ यूसीसी के नियम, प्रक्रिया और पंजीकरण के लिए जरूरी दस्तावेजों की जानकारी ले सकता है, बल्कि अपनी भाषा में ही आवेदन भी कर सकता है। इस काम में एआई की भी मदद ली जा सकती है।

"हमारी सरकार पहले ही दिन से सरलीकरण से समाधान तक के मूलमंत्र लेकर चल रही है। यूसीसी के क्रियान्वयन में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जनसामान्य को पंजीकरण में किसी तरह की मुश्किल न आए। यूसीसी तकनीकी उत्कृटता का एक सफल उदाहरण बनकर उभरी है। यही कारण है कि बीते एक साल में यूसीसी प्रक्रिया को लेकर एक भी शिकायत नहीं आई है। -**पुष्कर सिंह धामी**, मुख्यमंत्री

सिपाही की हत्या के दोषी की सजा घटाई

नैनीताल: हाईकोर्ट ने मुखानी चौकी पर तैनात कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह की हत्या के दोषी राजेंद्र आर्य की उम्रकैद की सजा घटाकर 'जेल में पहले ही बिताई जा चुकी अवधि' तक कर दिया है। कोर्ट ने इसे गैर इरादतन हत्या मानते हुए कहा कि आरोपी को केवल उतने समय के लिए दंडित किया जाना चाहिए जो वह पहले ही जेल में बिता चुका है। आर्य, 11 वर्षों से जेल में है। न्यायमूर्ति रविंद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक माहरा की अवकाशकालीन पीठ ने आर्य की तत्काल रिहाई के आदेश दिए। मामले के अनुसार, 28 मई 2014 को चोरी के मामले में हिरासत में लिए आर्य ने सिपाही सुरेंद्र पर जानलेवा हमला कर दिया था।

खगोलीय घटना

वैज्ञानिकों ने सौर तूफान की तीव्रता एस 4 श्रेणी की आंकी

सूर्य की सतह से उठा दुर्लभ भूचुंबकीय सौर तूफान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: इस बार सूर्य पर भड़कती ज्वालाएं थमने को तैयार नहीं हैं। रविवार को सूर्य की सतह से उठा भूचुंबकीय सौर तूफान अभी सक्रिय बना हुआ है। इस दुर्लभ सौर तूफान की तीव्रता एस 4 श्रेणी की आंकी गई है, जिसका प्रभाव दक्षिणी गोलार्ध तक देखा गया है।

सौर वैज्ञानिकों के अनुसार 19 जनवरी को सूर्य से सुपर फास्ट भूचुम्बकीय सौर तूफान पृथ्वी की ओर बढ़ा था, इसकी वजह सूर्य की सतह पर भारी विस्फोट हुआ था, जिससे एक्स 1.9 क्लास की ज्वाला उठी थी। इस विस्फोट से निकला सौर तूफान 19 जनवरी को भारतीय समय के अनुसार रात 2:30 बजे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र

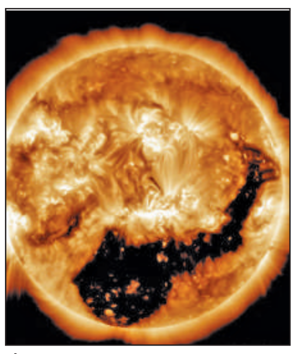

से टकराया था।

यह बेहद तीव्र गति से आया सौर तूफान था, जिसकी तीव्रता जी 4 थी। सौर वैज्ञानिकों का अनुमान था कि तूफान 20 जनवरी तक खत्म हो जाएगा, लेकिन इसकी सक्रियता अभी तक जारी है। मगर इसकी तीव्रता कम होकर एस 3 श्रेणी स्तर की रह गई है। अब इसका प्रभाव लगभग समाप्ति की ओर है। सौर वैज्ञानिकों के अनुसार यह 23 वर्षों में सबसे तीव्र स्तर वाला सौर तूफान रिकॉर्ड किया गया है, जिस कारण इसे दुर्लभ माना जा रहा है। इस सौर तूफान का असर दक्षिणी ध्रुव तक देखा गया है।

इस तरह के गंभीर सौर तूफानों से एस्ट्रोनॉट और ध्रुवीय क्षेत्रों में जाने वाले विमानों के यात्रियों के लिए रेडिएशन का खतरा बढ़ जाता है। पृथ्वी के ऑर्बिट में विचरण कर रहे सैटेलाइट को नुकसान पहुंचा सकता है। पृथ्वी के इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल उपकरणों के लिए घातक होता है। पोलर रीजन में रेडियो ब्लैक आउट का खतरा बढ़ जाता है। बहरहाल इस सौर तूफान से अभी तक कोई अप्रिय समाचार नहीं है।

पांच श्रेणी में आंकी जाती है तीव्रता

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पूर्व निदेशक और सौर वैज्ञानिक डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि पिछले दिनों आया भूचुंबकीय सौर तूफान की तीव्रता एस 4 श्रेणी की थी। यह दुर्लभ सौर तूफान था, जो 23 वर्ष बाद देखने को मिला। यह तूफान बेहद घातक होते हैं, जो कई तरह के नुकसान पहुंचा सकते हैं। सौर तूफान पांच स्तर के होते हैं जिनमें एस-1 बहुत हल्की श्रेणी का होता है, एस-2 मध्यम श्रेणी, एस-3 गंभीर और एस-4 बेहद तीव्र यानी खतरनाक और एस-5 अत्यधिक तीव्र यानी बेहद खतरनाक माना जाता है। बहरहाल सूर्य की सतह पर अभी भी सन स्पॉट बने हुए हैं। इससे माना जा रहा है कि, आगामी दिनों में भी सौर तूफानों का उठना जारी रहेगा।

सीधी पहुंच का सशक्त माध्यम बना अभियान

देहरादून: 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम आम जनता तक शासन की सीधी पहुंच का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। 21 जनवरी तक राज्य में 427 कैम्पों में 3.44 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रत्यक्ष सहभागिता की। प्राप्त 35,079 शिकायती पत्रों में 23,844 का सफल निस्तारण हुआ। 46,901 आवेदन प्रमाण पत्रों एवं अन्य शासकीय सेवाओं हेतु मिले। साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से 1,86,795 नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभान्वित किया गया, जो सरकार की समावेशी विकास नीति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुसार, यह उपलब्धि उस नीति का प्रमाण है, जिसमें समस्याओं को केवल सुनना ही नहीं, बल्कि समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जीएसटी अपील अधिकरण की दून बेंच पूर्ण रूप से हुई कार्यरत

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: जीएसटी अपील अधिकरण (जीएसटीएटी) की देहरादून बेंच बुधवार से पूर्ण रूप से कार्यरत हो गई है।

बेंच के सदस्य आनंद शाह, सदस्य (तकनीकी-केंद्रीय), राजेश जैन, सदस्य (न्यायिक), तथा नरेश कत्याल, सदस्य (न्यायिक) ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय, देहरादून तथा राज्य जीएसटी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त अधिकरण के सदस्यों द्वारा प्रिंसिपल बेंच के साथ वेबिनार का भी आयोजन हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, यह कदम जीएसटी व्यवस्था में विवाद समाधान की प्रक्रिया को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अधिकरण, सीसीएसटी और एसजीएसटी दोनों की राजस्व सुरक्षा करता है तथा जीएसटी में निष्पक्ष, संतुलित विवाद समाधान प्रदान करता है।

सहकारी संघवाद पर आधारित इसकी संरचना में न्यायिक एवं केंद्र-राज्य तकनीकी सदस्य शामिल हैं, जो दोनों पक्षों के हितों की समान रक्षा सुनिश्चित करते हैं।

अधिकरण विरोधी व्याख्याओं को रोककर कर प्रशासन में एकरूपता एवं पारदर्शिता लाता है तथा कर, ब्याज, जुर्माने के उचित बंटवारे को सुनिश्चित करता है। देहरादून बेंच के शुरू होने से उत्तराखंड एवं आसपास के करदाताओं को तेज, निष्पक्ष अपील समाधान मिलेगा।

प्रिसिंपल बेंच के साथ वेबिनार में मौजूद विभागीय वरिष्ठ अधिकारी।

तंत्र की हैं सैकड़ों 'बीमारी', इलाज सिर्फ एक पटवारी

डेली रूटीन वर्क के साथ ही केंद्र व राज्य सरकार के अभियानों की दैनिक प्रगति रिपोर्ट से पटवारी हो रहे हैं तनावग्रस्त

अंकुर शर्मा, हल्द्वानी

अमृत विचार : डिजिटल क्रॉप सर्वे-पटवारी, विरासतन वाद निस्तारण-पटवारी, अंश निर्धारण-पटवारी, जन-जन की सरकार-पटवारी, वीआईपी की जिम्मेदारी-पटवारी.... पढ़कर चौंकिए मत। इस सरकारी तंत्र की कोई भी हो ''बीमारी'' (समस्या) उसका इलाज सिर्फ एक ही है पटवारी। ऐसे में पटवारियों पर काम को बोझ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है जिस वजह से अब पटवारी भी तनावग्रस्त हो रहे हैं।

जनपद नैनीताल में नौ तहसीलें हैं, इनमें पटवारियों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष सभी पदों पर पटवारियों की नियुक्ति हैं। वैसे तो राजस्व विभाग की सबसे निचले स्तर पर यह पद होता है, लेकिन इसके कंधों पर काम का भारी भरकम वजन होता है। इन पटवारियों पर दैनिक रूटीन वर्क जैसे दाखिल-खारिज, आय, जाति, मूल निवास, भूमि पैमाइश वगैरह के प्रमाण पत्रों के बनाने का जिम्मा है। अब इसके साथ ही केंद्र व राज्य सरकार के अभियानों को सफल बनाने की जिम्मेदारी भी पटवारियों को सौंप दी गई है। डिजिटल क्रॉप सर्वे, अंश निर्धारण, एसआईआर में बीएलओ/सुपरवाइजर की नियुक्ति भी कर दी गई है। इन सबके साथ ही जन-जन के द्वार के कैंप, माननीयों की आवभगत का दायित्व भी इन्हीं को निभाना है।

कभी सुबह तड़के तो कभी देर रात तक सड़क पर फीता लगाकर चौड़ीकरण की जद में आ रहे भवनों का चिन्हीकरण भी करना है।

हालत यह है कि केंद्र व राज्य के प्रत्येक कार्यक्रम/अभियान की दैनिक प्रगति रिपोर्ट भी देनी पड़ती है जिस वजह से पटवारियों को मानकों के विपरीत 8 घंटे से अधिक काम करना पड़ रहा है। कुछ पटवारियों ने तो नाम नहीं छापने की शर्त पर रविवार, सार्वजनिक अवकाशों पर भी तहसील में पहुंचकर इन अभियानों की रिपोर्ट, भूमि विवादों में पैमाइश वगैरह करनी पड़ती है। जिसका सीधा असर उनके निजी व पारिवारिक जीवन पर पड़ने लगा है।

पटवारियों के ये हैं सुझाव

1. एसआईआर में बीएलओ/सुपरवाइजर के पद से हटाया जाए
2. काम का रोस्टर बनाया जाए और इस रोस्टर के अनुसार काम करवाया जाए
3. पटवारियों के कार्यक्षेत्र का पुनर्गठन करते हुए उनके पदों/संख्या में वृद्धि की जाए
4. पटवारियों को हाईटेक बनाने के प्रशिक्षण व गैजेट्स दिए जाए
5. पेपरलैस व डिजिटल को बढ़ावा देते हुए ऑफलाइन जटिल प्रक्रिया को बंद किया जाए

"लेखपाल क्षेत्रों का पुनर्गठन होना बहुत जरूरी है। वर्तमान में पटवारी उच्च शिक्षित व आधुनिक तकनीकी से भिज्ञ हैं। सरकार जितनी डिजिटल योजनाएं लागू कर रही हैं, उनकी ट्रेनिंग दे और संसाधन पटवारियों को देते हुए उनसे काम कराएं। साथ ही ऑफलाइन व पुरानी जटिलताओं कार्यप्रणाली को खत्म किया जाए।

-देवेश घिल्डियाल, जिलाध्यक्ष हरिद्वार

एलआरसी के लिए लगा रहे जुगाड़

हल्द्वानी : एलआरसी (लैंड रिकॉर्ड क्लर्क) भूलेख लिपिक जिला मुख्यालय का एक पद होता है। अमूमन यह पद लीक से हटकर माना जाता है इसलिए इस पद पर कोई नहीं जाना चाहता है। विशेषकर फील्ड कर्मी तो बिल्कुल भी इस पद को पसंद नहीं करता है। सूत्रों की मानें तो अब इस पद पर जाने के लिए भी लेखपाल/पटवारी राजनैतिक, प्रशासनिक जुगाड़ लगा रहे हैं ताकि उन्हें काम को बोझ से मुक्ति मिल सके। साथ ही परिवार के समय बिता सके।

घर से निकले थे डिजिटल क्रॉप सर्वे निपटाने....

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : इन दिनों पटवारियों व राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों के मोबाइल नंबर पर एक कविता (घर से निकले थे डिजिटल क्रॉप सर्वे निपटाने, खेत, खसरा, फसल और सच्चाई एक साथ मिलाने।

फोन बजा-एडीएम साहब का, अंश निर्धारण करो अभी। फाइल खोली ही थी हिस्सों की, कि एसडीएम बोले फार्मर रजिस्ट्रेशन अभी! रजिस्ट्रेशन खुला ही था पोर्टल पर, कि डीएम का आया फरमान विरासत के प्रकरण लटके हैं आज ही करो समाधान) खूब वायरल हो रही है। इस कविता में पटवारियों की काम के बोझ से जुड़ी समस्याओं, दैनिक जीवन में आ रही दिक्कतों को बखूबी दर्शाया गया है।

चिंता : गलतियां बढ़ने के साथ ही बिगड़ सकते हैं पारिवारिक संबंध

हल्द्वानी : एसटीएच के मनोवैज्ञानिक डॉ. युवराज पंत ने कहा कि अत्यधिक काम का बोझ कार्यक्षमता व गुणवत्ता को नकरात्मक रूप से प्रभावित करता है। इसके कारण चिड़चिड़ापन, नींद नहीं आना, गुस्सा, आक्रमकता, कार्य के खराब होने व गलतियों को बढ़ावे की आशंका बढ़ जाती है। यह कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल सकता है। इसका गुस्सा परिजनों माता-पिता, पत्नी, बच्चों पर निकालेंगे जो पारिवारिक संबंध खराब हो सकते हैं।

"तहसील में अंश निर्धारण, डीआरएस या अन्य कामों का रोस्टर बनाया जाए। इससे काम में भी प्रगति होगी और गुणवत्तापूर्ण होगा। प्रतिदिन हर काम दो-तीन घंटे काम कर रहे हैं जिस वजह से काम करने के बाद भी आशातीत परिणाम नहीं मिल रहे हैं। संसाधनों से भी लैस होने चाहिए।

-दीपक नेगी, जिला उपाध्यक्ष, नैनीताल

सिटी ब्रीफ

ड्रग इंस्पेक्टर के काम में बाधा डालने पर लगेगा एक लाख का जुर्माना

हल्द्वानी : मेडिकल स्टोरों व अन्य दवा इकाई की जांच के दौरान अगर ड्रग इंस्पेक्टरों के काम में बाधा डाली तो छह माह के कारावास के साथ ही एक लाख रुपये का जुर्माना लगेगा। पहले केवल एक हजार रुपये का ही जुर्माना था, जिसे संशोधित करके बदल दिया गया है। उत्तराखंड फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार केएस फर्स्वाण के अनुसार पहले फार्मेसी एक्ट के अनुसार अगर कोई मेडिकल स्टोर स्वामी या फिर अन्य दवा इकाई का स्वामी किसी ड्रग इंस्पेक्टर के काम में बाधा डालता था तो उस पर एक हजार रुपये का जुर्माना और छह माह के कारावास होता था। अब जुर्माने को एक हजार से बढ़ाकर अब एक लाख रुपये कर दिया गया है।

शाहजहांपुर के लिए चला युवक लापता

हल्द्वानी : कैंचीधाम से शाहजहांपुर के लिए चला युवक लापता हो गया। जीआरपी काठगोदाम को दी तहरीर में बहादुरगंज शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश निवासी प्रदीप कुमार दीक्षित ने बताया कि उसका भाई विनीत कुमार दीक्षित 2 जनवरी की शाम नीम करौली बाबा के दर्शन कर शाम 9.47 बजे हावड़ा काठगोदाम ट्रेन से शाहजहांपुर के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं पहुंचा।

स्कूल का ताला तोड़ने वाला शातिर गिरफ्तार

हल्द्वानी : जेल रोड कालाढूंगी रोड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बीती 15 जनवरी की रात एक रसोई का ताला तोड़ने वाले को पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इस मामले में प्रभारी प्रधानाध्यापिका हेमा पंत ने हल्द्वानी कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। पुलिस ने 20 जनवरी को मुकदमा दर्ज किया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि आरोपी जवाहरनगर बनभूलपुरा निवासी रिजवान पुत्र इस्तियाक उर्फ इस्तिहार को चोरी के माल समेत पकड़ लिया गया है।

मैदान से लेकर पहाड़ तक चढ़ा पारा

हल्द्वानी : मैदान से लेकर पहाड़ तक अधिकतम तापमान में उछाल आया है। हालांकि रात के समय पारे में भारी गिरावट आ रही है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री रहा जो सामान्य से चार डिग्री ज्यादा है। यहां दोपहर के समय जनवरी के हिसाब से तेज धूप निकल रही है। रात को पारा 3.3 डिग्री रहा जो सामान्य से एक डिग्री कम है। मुक्तेश्वर में पारे में उछाल आया है। यहां पारा 16.1 डिग्री रहा जो सामान्य से चार डिग्री ज्यादा है और न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री रहा।

अपहरण का आरोपी दिल्ली से दबोचा किशोरी बरामद

रामनगर: बीते वर्ष 25 अप्रैल को एक नाबालिग किशोरी का अपहरण कर ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

कोतवाली रामनगर में एक व्यक्ति ने लिखित सूचना दी थी कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री बिना बताए घर से चली गई है। जांच के दौरान सामने आया कि सुधांशु रावत पुत्र सोहन सिंह, निवासी राम पार्क, लोनी, इलायचीपुर, जनपद गाजियाबाद (उम्र लगभग 20 वर्ष) किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को दिल्ली के कश्मीरी गेट क्षेत्र अंतर्गत तिलक गली से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से अपहृत किशोरी को बरामद कर उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर है।

सेल्फी के शौक ने ली जान सिर के बल गिरा, हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सेल्फी के शौक ने एक युवक की जान ले ली। सेल्फी लेते वक्त युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल खाई में गिर गया। गंभीर अवस्था में उसे उपचार के लिए डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय लाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक, ढूंगातोली, बलुवाकोट पिथौरागढ़ निवासी 27 वर्षीय प्रकाश कुमार टम्टा 18 जनवरी को किसी काम से बाजार गए थे। बताया जा रहा है कि पिथौरागढ़ रोडवेज बस स्टेशन के पास सेल्फी लेने के दौरान अचानक गिर गए। जिसके बाद घायल अवस्था में उन्हें जिला अस्पताल पिथौरागढ़ ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर प्रकाश को डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। यहां 20 जनवरी की रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

अधेड़ ने कीटनाशक पीकर जान दी

हल्द्वानी : नैनीताल जिले के खनस्यूं निवासी एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ गटक लिया। उसे उपचार के लिए परिजन डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे और यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक खनस्यूं निवासी 47 वर्षीय बालम सिंह ने अज्ञात कारणों के चलते आत्मघाती कदम उठाकर जान दे दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

जेल में चंदन तस्कर से दोस्ती, डालाकोटी कंपाउंड में काटा पेड़

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जेल में मिले चंदन तस्कर और एक अपराधी के बीच दोस्ती हो गई। जेल में ही दोनों ने वारदात की योजना बनाई और जमानत पर बाहर आने के बीते मंगलवार डालाकोटी कंपाउंड में खड़े चंदन के पेड़ को काट डाला। पुलिस ने मामले में एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्त में आए आरोपी पर ऊधमसिंह नगर जिले में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस फरार दूसरे शातिर की तलाश कर रही है।

डालाकोटी कंपाउंड रामपुर रोड निवासी उमेश चंद्र डालाकोटी पुत्र स्व.जगदीश चंद्र डालाकोटी ने पुलिस को बताया कि बीती 20 जनवरी की रात करीब साढ़े 12 बजे से 3 बजे के दरम्यान उनके परिसर में लगा चंदन का पेड़ अज्ञात व्यक्तियों ने काट दिया और कीमती लकड़ी चोरी कर ली।

एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि तहरीर के आधार पर हल्द्वानी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अलर्ट जारी कर बैरियरो की चेकिंग शुरू की गई। पुलिस टीम ने टांडा बैरियर पर चेकिंग के दौरान नीले रंग की मोटर साइकिल पर सवार एक युवक को चंदन की लकड़ी के 6 टुकड़ों के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्त में आए आरोपी ने अपना नाम इन्द्रजीत राय पुत्र परमत राय निवासी गांधीनगर वार्ड 1 थाना दिनेशपुर जिला ऊधमसिंह नगर बताया। पूछताछ में आरोपी ने बताया किया कि वह पूर्व में गदरपुर व दिनेशपुर थानों से चोरी और अवैध हथियार के मामलों में जेल जा चुका है। जेल में उसकी मुलाकात कमल उर्फ कोमल ढाली निवासी सूरज फार्म, ओझा, बिलासपुर रामपुर से हुई, जो चंदन तस्करी के मामलों में जेल गया था। चोरी की योजना बनाकर दोनों रात हल्द्वानी पहुंचे और डालाकोटी कंपाउंड में चंदन का पेड़ काट डाला। आरोपी ने बताया कि पेड़ काटने के दौरान आवाज हुई तो लोग जाग गए। लोगों से बचने के लिए सीसीटीवी कैमरों की तार तक काट दिए और लकड़ी के टुकड़े लेकर फरार हो गए। टुकड़ों को बेचने की योजना थी, लेकिन पकड़े गए। पुलिस टीम में एसआई गौरव जोशी, कांस्टेबल संतोष बिष्ट व भूपाल सिंह थे।

वन सुरक्षा बल ने 9 खैर गिल्टे किए बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

रामनगर : तराई पश्चिमी वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी प्रकाश चंद्र आर्य के निर्देशन में वन क्षेत्राधिकारी (वन सुरक्षा) के नेतृत्व में वन सुरक्षा बल टीम ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खैर प्रजाति की लकड़ी के नौ गिल्टे बरामद किए हैं। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो तस्कर फरार हो गए। बीते मंगलवार देर रात मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वन सुरक्षा बल टीम ने जुड़का क्षेत्र में छानबीन अभियान चलाया। मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर तलाशी के दौरान खैर प्रजाति की लकड़ी के कुल नौ गिल्टे बरामद किए गए। तस्करों को रंगे हाथ पकड़ने के उद्देश्य से टीम गन्ने के खेत में घात लगाकर बैठ गई। रात्रि लगभग एक बजे तीन बाइक सवार तस्कर गिल्टों को ले जाने के लिए मौके पर पहुंचे। जैसे ही टीम ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तस्कर अंधेरे और खेतों का लाभ उठाकर भागने लगे। इस दौरान मौके पर ही बाइक छोड़कर दो आरोपी फरार हो गए, जबकि एक आरोपी कमलजीत सिंह, पुत्र तलबिरंदर सिंह, निवासी ग्राम चनकपुर बरैनी, जिला ऊधमसिंह नगर को टीम ने दबोच लिया। घटना की सूचना तत्काल उप प्रभागीय वनाधिकारी रामनगर को दी गई। उनके निर्देश पर वन क्षेत्राधिकारी रामनगर एवं वन सुरक्षा बल की एक अन्य टीम भी मौके पर पहुंची। इसके बाद बरामद समस्त खैर काष्ठ एवं तस्करी में प्रयुक्त बाइकों को वन अभिरक्षा में लेते हुए वन कार्यशाला रामनगर में सुरक्षित रखवा दिया गया। मामले में एसडीओ किरण शाह ने बताया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पकड़ी गई लकड़ी की कीमत लगभग 50 हजार रुपये से अधिक आंकी गई है। वन विभाग मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

महिला हेल्पलाइन 181 पर दर्ज होने वाली शिकायतों में गिरावट

- महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की रिपोर्ट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः उत्तराखंड में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध, घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार की शिकायतों के लिए शुरू की गई महिला हेल्पलाइन 181 के वर्षवार आंकड़े चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की रिपोर्ट अनुसार बीते पांच वर्षों में महिला हेल्पलाइन पर दर्ज होने वाले मामलों की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020-21 में महिला हेल्पलाइन 181 पर कुल 1396 मामले पंजीकृत हुए थे और सभी का निस्तारण हुआ। इसके बाद वर्ष 2021-22 में यह संख्या घटकर 1247 रह गई। 2022-23 में गिरावट और तेज हुई और केवल 744 मामले दर्ज किए गए। सबसे चिंताजनक स्थिति वर्ष 2024-25 में सामने आई, जब महिला हेल्पलाइन पर महज 423 मामले ही पंजीकृत हुए। यह संख्या न केवल पिछले वर्षों की तुलना में काफी कम है, बल्कि यह संकेत भी देती है कि बड़ी संख्या में महिलाएं या तो सहायता लेने से पीछे हट रही हैं या फिर उन्हें इस सुविधा की पर्याप्त जानकारी नहीं मिल पा रही है। हालांकि महिला हिंसा की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं।

वन स्टॉप सेंटर में मामले घटे और फिर बढ़े

हल्द्वानी : महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020-21 में वन स्टॉप सेंटर में 1545 मामले पंजीकृत हुए और सभी का निस्तारण हुआ। इसके बाद वर्ष 2021-22 में पंजीकृत मामलों की संख्या घटकर 1473 रह गई, जबकि 2022-23 में यह और गिरकर 1154 पर पहुंच गई। सबसे अधिक गिरावट वर्ष 2023-24 में देखी गई, जब पंजीकृत मामलों की संख्या मात्र 572 रह गई और निस्तारण केवल 281 मामलों में ही हो सका। हालांकि वर्ष 2024-25 में पंजीकृत मामलों की संख्या बढ़कर 1053 हुई है, लेकिन यह अभी भी 2020-21 और 2021-22 के स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। 1053 मामलों में से कुल 766 मामलों का निस्तारण हुआ है।

अस्पताल के पीछे गंदगी पर एसटीएच प्रशासन सख्त

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था को लेकर अस्पताल प्रशासन ने गंभीरता दिखाई है। अस्पताल के अंदरूनी प्रांगण एवं मुख्य प्रवेश द्वार की ओर तो नियमित सफाई की जा रही थी, लेकिन अस्पताल के पीछे की ओर कूड़ा फैला हुआ पाया गया।

जांच के दौरान यह सामने आया कि सफाई कर्मी केवल सामने के हिस्से में ही साफ-सफाई कर रहे थे, जबकि पीछे के क्षेत्र की उपेक्षा की जा रही थी। इसके अलावा कूड़ा उन स्ट्रेचरों पर ले जाया जा रहा था, जिनका उपयोग मरीजों को लाने-ले जाने में किया जाता है, जो कि स्वच्छता एवं स्वास्थ्य मानकों के विपरीत है। मामले को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल प्रशासन ने मौके पर चिन्हित स्टाफ से फोटो खिंचवाकर पूरे प्रकरण की जांच कराई। जांच के बाद संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए गए और तत्काल प्रभाव से सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाई गई।

साथ ही भविष्य में इस तरह की लापरवाही न हो, इसके लिए निगरानी बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि अस्पताल के अंदर सफाई व्यवस्था बनाया रखना जरूरी है। पूरे अस्पताल प्रांगण में यह व्यवस्था लागू की जाती है। ऐसे में कोई भी हिस्सा छोड़ा नहीं जा सकता है।

रेलवे फाटक पर दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष, पांच लोग नामजद

- फाटक बंद होने के दौरान लाठी डंडों से एक-दूसरे पर किया हमला
- पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गोलचा कंपाउंड के पास रेलवे फाटक पर मंगलवार सुबह हुए खूनी संघर्ष के मामले में पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना में एक मजदूर और उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार निजी अस्पताल में जारी है।

जवाहर नगर जैम फैक्ट्री निवासी अली वारिश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भाई हुसैन वारिस उर्फ बन्टी मंगलवार सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था। प्रेम सिनेमा के पास गोलचा कंपाउंड स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर फाटक बंद होने के कारण वह खुलने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान दो युवक अपने साथ 10 से 15 अन्य लोगों को लेकर वहां पहुंचे और अचानक हुसैन पर लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

बताया गया कि हुसैन के साथ मौजूद दानिश और मेहरबान ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो हमलावरों ने उन्हें भी बुरी तरह पीट दिया। घटना के बाद तीनों घायलों को पहले बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमलावर आपराधिक प्रवृत्ति के हैं।

थानाध्यक्ष विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुन्ना अल्वी सहित पांच लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। वहीं सूत्रों का कहना है कि पूरा मामला सट्टे के कारोबार से जुड़ा है। मामले में एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने निर्देशित किया है कि घटना में शामिल यदि किसी की भी क्राइम हिस्ट्री मिलती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

पड़ताल जेल में बंद है 8 हजार लोगों से 39 करोड़ की ठगी का आरोपी, तीन आरोपी नामजद

सीईओ की क्रिमिनल हिस्ट्री खंगाल रही पुलिस

- एसपी सिटी ने क्रिमिनल हिस्ट्री के साथ कंपनी की नियमावली खंगालने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दो साल में रकम दो गुनी कर 8 हजार लोगों से 39 करोड़ की ठगी का मुख्य आरोपी जीएसएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड फाइनेंस कंपनी के सीईओ विमल रावत को पुलिस सलाखों के पीछे पहुंचा चुकी है। मामले में विमल के साथ उसकी पत्नी और एक अन्य भी नामजद है। पुलिस अब पड़ताल कर रही है कि आरोपियों ने कहीं पहले भी किसी और शहर या राज्य में इसी तरह की घटना को अंजाम तो नहीं दिया। इसके साथ ही एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने जांच अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वो फाइनेंस कंपनी की नियमावली को अच्छी तरह पढ़ लें।

इस मामले में मुखानी निवासी पार्थ पराशर ने हल्द्वानी कोतवाली में सत्यलोक कॉलोनी डहरिया स्थित जीएसएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड फाइनेंस कंपनी के सीईओ है विमल रावत, विमल की पत्नी रूबी रावत (डायरेक्टर) और दूसरे डायरेक्टर अनूप कंडारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि आरोपी 25 से 30 महीनों में रकम दो गुनी करने का झांसा देकर कंपनी में निवेश कराते हैं। इससे पहले आरोपी ने मंडलायुक्त दीपक रावत से शिकायत की थी। तब सामने आया था कि आरोपी फाइनेंस कंपनी में आने वाले रुपयों से अपने नाम यहां-वहां जमीन खरीदते थे। कंपनी में लगभग 8 हजार लोगों ने 39 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एसपी सिटी ने बताया कि कंपनी की नियमावली की तहत कंपनी में जमा रुपयों का इस्तेमाल कोई भी व्यक्ति अपने नाम से नहीं कर सकता। इस बात की जांच की जा रही है कि कहां-कहां जमीन खरीदी गई और क्या किसी अन्य तरह से भी कंपनी में जमा रुपयों का दुरुपयोग किया है। इसके साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या आरोपियों ने इससे पहले भी किसी अन्य शहर या राज्य में धोखाधड़ी की है। इसके साथ ही जांच अधिकारी को निर्देशित किया है कि वह कंपनी की नियमावली को अच्छी तरह पढ़े और यह देखें कि नियमों के तहत कंपनी में जमा रकम का किस तरह निवेश किया जा सकता है।

पेशी पर जहर खाने की सूचना, मचा हड़कंप

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः कचहरी परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब हत्या के मुकदमे में पेशी के लिए आए एक आरोपी द्वारा जहर खाने की सूचना फैल गई।

सीओ सुमित पांडे ने बताया कि बुधवार को कौशल चिलवाल (25) की रामनगर न्यायालय में पेशी थी। इसी दौरान न्यायालय से पुलिस को सूचना मिली कि उक्त युवक ने कथित तौर पर कोई जहरीला पदार्थ खा लिया है।

पुलिस ने तुरंत कौशल चिलवाल को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। सीओ पांडे के अनुसार, अस्पताल में चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार के जहर सेवन की पुष्टि नहीं की है। डॉक्टरों का कहना है कि जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि युवक ने किसी प्रकार का विषैला पदार्थ नहीं खाया है और न ही उसने जहर खाने की पुष्टि की है। हालांकि, एहतियातन युवक को विस्तृत जांच के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पूरी सतर्कता के तहत लिया गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे से इंकार किया जा सके और चिकित्सकीय स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके।

सीओ ने बताया कि कौशल चिलवाल की न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराओं 300/302 से जुड़े मामले में पेशी थी। ऐसा प्रतीत होता है कि संभवतः आरोपी द्वारा पुलिस और न्यायालय पर दबाव बनाने के उद्देश्य से ऐसा कदम उठाने की कोशिश की गई हो। हालांकि, इस संबंध में सभी तथ्यों की गहन जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, कौशल का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उस पर रामनगर और कालाढूंगी में 10 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल आरोपी को पुलिस निगरानी में हल्द्वानी भेजा गया है और चिकित्सकीय जांच के बाद अस्पताल से छुट्टी मिलने पर उसके खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में भर्ती आरोपी के संबंध में पूछताछ के लिए पहुंची पुलिस।

अमृत विचार
हल्द्वानी, गुरुवार, 22 जनवरी 2026
नैनीताल

सिटी ब्रीफ

युवक की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच हो

नैनीताल : स्नोव्यू क्षेत्र में पहाड़ी से गिरकर जान गंवाने वाले युवक की पत्नी ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर बुधवार को कोतवाली में तहरीर दी है। बता दें कि बीते सोमवार की रात ब्रे-साइड सात नंबर निवासी भुवन राम आर्य अपने दोस्तों के साथ स्नोव्यू क्षेत्र में पार्टी करने गया था। इसी दौरान वह पहाड़ी से गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कोतवाली के एसएसआई दिनेश जोशी ने बताया कि तहरीर में किसी व्यक्ति पर सीधे तौर पर आरोप नहीं लगाए गए हैं। पुलिस मृतक के साथ मौजूद साथियों से पूछताछ कर घटना की जांच कर रही है जिसके बाद अग्रिम करवाई होगी।

76 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ दबोचा

रामनगर : पुलिस ने नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत भवानीगंज क्षेत्र में चेकिंग के दौरान गुरुप्रीत सिंह पुत्र रंजीत, निवासी हिम्मतपुर नई बस्ती, रामनगर को 76 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मार्ग की नालियों में जाल लगाने की मांग

भीमताल : लोनिवि द्वारा ब्लॉक रोड में जल निकासी के लिए बनाई गई नालियों के ऊपर लोहे के जाल न लगाए जाने से स्थानीय व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट को समस्या से अवगत कराया है। वहीं लोनिवि भवाली के जेई केके पाठक ने कहा कि उच्च अधिकारियों से निर्देश प्राप्त होने पर जाल लगा दिए जाएंगे।

हड्डी रोग विशेषज्ञ की वैकल्पिक व्यवस्था की

नैनीताल : बीडी पांडे अस्पताल में दो दिनों के बाद हल्द्वानी से वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर हड्डी रोग विशेषज्ञ को बुलाया गया। बुधवार को हड्डी रोग विशेषज्ञ की उपस्थित के बाद मरीजों को राहत मिली। बता दें कि नैनीताल के बीडी पांडे अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ इन दिनों ट्रेनिग पर हैं। जिसके चलते निदेशक स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए बेस अस्पताल हल्द्वानी, गरमपानी व सितारगंज से चिकित्सकों की अस्पताल में ड्यूटी लगाई गई थी। लेकिन विभागीय आदेश के बावजूद शनिवार से चिकित्सक अस्पताल नहीं पहुंचे। पीएमएस डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि अब आगे भी अस्पताल में लगातार हड्डी रोग विशेषज्ञ तैनात रहेंगे।

सीनियर छात्राओं पर जूनियर्स से जबरन काम कराने और मानसिक दबाव के आरोप, जांच में खुलकर सामने नहीं आईं छात्राएं, सुविधाओं की कमी का भी जिक्र

मेल से यूजीसी तक पहुंची शिकायत, पहले भी आ चुके रैगिंग के मामले

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास से जुड़ा रैगिंग का मामला कोई नया नहीं है। इस बार छात्राओं ने सीधे मेल के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को शिकायत भेजी, जिसके बाद प्रकरण एक बार फिर चर्चा में आ गया। शिकायत में रैगिंग के साथ-साथ छात्रावासों में अव्यवस्थाओं और मूलभूत सुविधाओं की कमी का उल्लेख किया गया था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार छात्राओं ने अपने मेल में आरोप लगाया कि छात्रावासों में सीनियर छात्राएं जूनियर छात्राओं पर दबाव बनाती हैं। उनसे जबरन गाना गाने, डांस करने और निजी काम कराने जैसे कृत्य कराए जाते हैं।

इसके अलावा सीनियर छात्राएं अपना दैनिक काम भी जूनियर छात्राओं पर थोप देती हैं, जिससे उन्हें मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। छात्राओं का कहना था कि इस तरह की गतिविधियां पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करती हैं। हालांकि यूजीसी के निर्देश पर गठित जांच टीम जब छात्रावास पहुंची और छात्राओं से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की गई, तो अधिकांश छात्राएं खुलकर अपनी बात रखने से बचती नजर आईं। कई छात्राओं ने सीधे तौर पर किसी पर आरोप नहीं लगाए और समस्याओं को सामान्य बताया। इसके बावजूद टीम ने सभी तथ्यों को संकलित कर रिपोर्ट तैयार की। यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी पिछले वर्ष रैगिंग से जुड़ा मामला सामने आया था, जिस पर जांच के बाद कार्रवाई का दावा किया गया था। इसके बावजूद दोबारा शिकायत सामने आना व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करता है। कुमाऊं विश्वविद्यालय की ओर से नैनीताल में लगभग 90 छात्राओं की क्षमता वाले तीन महिला छात्रावास संचालित किए जाते हैं। छात्राओं ने पानी, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं के प्रभावित रहने के आरोप भी लगाए थे। फिलहाल मामले की रिपोर्ट यूजीसी को भेजी जा चुकी है और आगे की कार्रवाई उसके निर्देशों के आधार पर की जाएगी।

महिला छात्रावास में रैगिंग की शिकायत, यूजीसी के निर्देश पर पुलिस ने की जांच

नैनीताल : कुमाऊं विश्वविद्यालय के एक महिला छात्रावास में रैगिंग और अव्यवस्थाओं का मामला सामने आने से विश्वविद्यालय प्रशासन में हलचल मच गई है। छात्रावास में रह रही कुछ छात्राओं ने रैगिंग, प्रशासनिक अनदेखी और सुविधाओं की कमी को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से शिकायत की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए यूजीसी ने नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तत्काल जांच कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। यूजीसी से पत्र मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर एसओ मनोज नयाल और एसआई बबीता के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित की गई। इस टीम ने विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ मिलकर महिला छात्रावास में संयुक्त जांच की। जांच के दौरान छात्रावास में रह रही सभी छात्राओं से अलग-अलग बातचीत कर उनके बयान दर्ज किए गए। छात्राओं ने अपनी शिकायत में रैगिंग के साथ-साथ छात्रावास में अव्यवस्थाओं और कुछ अनियमितताओं के आरोप भी लगाए। उनका कहना था कि सुरक्षा, अनुशासन और मूलभूत सुविधाओं को लेकर उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। मामले के सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी डीएसडब्ल्यू स्तर पर एंटी रैगिंग सैल के माध्यम से जांच कराई और मामले से संबंधित रिपोर्ट यूजीसी को भेज दी। फिलहाल पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन की संयुक्त जांच के बाद स्थिति सामान्य बताई जा रही है। छात्रावास की व्यवस्थाओं में सुधार के दावे किए गए हैं, जबकि यूजीसी की ओर से भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बोले अधिकारी

डीएसडब्ल्यू स्तर पर जांच के बाद रिपोर्ट यूजीसी को भेज दी गई है। छात्राओं की समस्याएं सामान्य थीं, जिन्हें तत्काल समाधान कर दिया गया। - **डॉ. मंगल सिंह मंद्रवाल**, कुलसचिव कुविवि

यूजीसी से प्राप्त पत्र का संज्ञान लेते हुए पुलिस टीम गठित की गई और विश्वविद्यालय की टीम के साथ संयुक्त जांच की गई। इस दौरान सभी छात्राओं से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की गई है। संबंधित जांच यूजीसी को भेज दी गई है। - **डॉ. जगदीश चंद्रा**, एसपी नैनीताल

दहशत: हमलावर बाघ की मौजूदगी के बाद इवनिंग वॉक पर लगाई रोक

वन विभाग ने खतरे को देखते हुए एहतियातन उठाया कदम, तैनात किए वनकर्मी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर-हल्द्वानी राज्य मार्ग पर गूलरशिद्ध मंदिर के आसपास हमलावर बाघ के दिखाई देने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। बता दें कि बीते दिनों बाघ ने एक युवक को अपना निवाला बना लिया था। लगातार बढ़ते खतरे को देखते हुए वन विभाग ने एहतियातन सख्त कदम उठाए हैं।

अब शाम ढलते ही इवनिंग वॉक पर निकलने वाले लोगों को लाउड स्पीकर के माध्यम से चेतावनी दी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बलपूर्वक भी जंगल और सड़क किनारे के इलाकों में जाने से रोका जा रहा है। वन क्षेत्राधिकारी शेखर तिवारी का कहना है कि यह कदम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। उन्होंने बताया कि नागरिकों की सुरक्षा विभाग की पहली प्राथमिकता है, इसी के तहत यह सख्ती की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि

सायंकालीन भ्रमण पर निकलने वाले लोगों को रोकने के लिए तैनात किए गए वन कर्मी। ● अमृत विचार

महज दो दिन पूर्व इसी क्षेत्र में एक युवक पर बाघ ने हमला किया था, जिसमें युवक की मौत हो गई थी।

इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है और शाम होते ही सड़क किनारे तथा जंगल से सटे इलाकों में सन्नाटा पसरने लगा है। वन विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही हैं। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से लोगों से अपील की जा रही है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें, खासकर सुबह और शाम के समय। इसके अलावा मंदिर क्षेत्र और सड़क किनारे बाघ की संभावित आवाजाही वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गूलरशिद्ध मंदिर के आसपास रोजाना बड़ी संख्या में लोग टहलने आते थे, लेकिन अब भय के कारण लोग घरों में ही रहने को मजबूर हैं। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक बाघ की गतिविधियों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो जाता, तब तक यह सख्ती जारी रहेगी। लोगों से सहयोग की अपील की गई है ताकि किसी और अनहोनी से बचा जा सके।

जलना-नील में गुलदार का खौफ सीमा क्षेत्र के लोगों में भी दहशत

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: नैनीताल और अल्मोड़ा जिले की सीमा से सटे धारी विकास खंड के जलना-नील क्षेत्र में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते दिनों चार लोगों द्वारा गुलदार देखे जाने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हालात ऐसे हैं कि महिलाएं जंगल जाने से डर रही हैं, जबकि दुकानदार शाम पांच बजे ही दुकानें बंद कर घर लौटने को मजबूर हैं।

क्षेत्र दोनों ओर से घने जंगलों से घिरा होने के कारण गुलदार की आवाजाही बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन के उजाले में भी गुलदार दिखाई दे रहा है, जिससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता गहराती जा रही है। इससे लोगों की रोजमर्रा की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। मोतियापाथर से जलना-नील पहाड़ी क्षेत्र के दुकानदार और ग्रामीण रोजमर्रा का सामान खरीदने आते हैं। रास्ते में जंगल पड़ने के कारण लोग अकेले आने-जाने से डर रहे हैं। जंगल पर निर्भर आबादी सबसे अधिक परेशान है और लोग भय के साये में जीवन जीने को मजबूर हैं। वहीं मामले में डीएफओ नैनीताल आकाश गंगवार का कहना है कि जिले के मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग पूरी तरह सतर्क है। सूचना मिलते ही टीम को घटनास्थल पर भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिन-रात गश्त की जा रही है, विभिन्न स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं और पूरे प्रभावित क्षेत्र में 70 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें लाइव कैमरे भी शामिल हैं। किसी भी प्रकार की गतिविधि होने पर तुरंत नोटिफिकेशन प्राप्त होता है, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाती है। उन्होंने बताया कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में सोलर लाइट, पशु चारा सहित अन्य राहत सामग्री लगातार वितरित की जा रही है।

गुलदार का इतना आतंक हो गया है कि हम गांव में डर के माहौल में जी रहे हैं। अभी तक वन विभाग ने हमारे क्षेत्र में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। दिन में भी गुलदार दिखाई दे रहा है। -**राजेंद्र प्रसाद**, ग्रामीण

हमारा क्षेत्र नैनीताल और अल्मोड़ा जिले की सीमा पर है और चारों ओर जंगल है। दुकान से घर जाते समय डर लगा रहता है। कल ही चार लोगों ने गुलदार देखा, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। - **राजू**, व्यवसायी जलना-नील (मोतियापाथर)

हमारा गांव जंगल से सटा होने के कारण गुलदार का डर हर किसी के मन में है। जंगल में गुलदार देखे जाने की सूचना फैलने के बाद ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। - **गोविंद मेलकानी**, सामाजिक कार्यकर्ता

मेहरा गांव में तेंदुआ दिखने से दहशत

भीमताल : भीमताल नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या नौ अंतर्गत मेहरा गांव में मंगलवार देर शाम तेंदुआ दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम लगभग छह बजे एक पूर्ण विकसित तेंदुआ सड़क पार करते हुए आबादी की ओर जाता दिखाई दिया। उस समय मौके से गुजर रहे मोटरसाइकिल सवारों ने इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। तेंदुए के आबादी क्षेत्र की ओर बढ़ने से ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया। इस संबंध में स्थानीय सभासद नीरज रैकुनी ने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है तथा वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

वन कर्मियों और पुलिस से उलझतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

जंगल जाने की जिद पर अड़ीं महिलाएं

रामनगर : जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की सीमा से लगे ग्राम सांवल्दे की महिलाओं ने जंगल से चारा जलौनी लकड़ी लाने की मांग को लेकर बबलिया बैरियर पर धरना-प्रदर्शन किया। वन अधिकारियों ने मानव-वन्य जीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं का हवाला देते हुए जंगल जाने का प्रयास करने पर महिलाओं को रोक दिया। जिस पर महिलाएं वहीं धरने पर बैठ गई। बाद में पुलिस ने हस्तक्षेप कर समझाया कि आपके जीवन की सुरक्षा के लिए वन कर्मी आपको जंगल जाने से रोक रहे है। जिसके बाद महिलाएं वापस लौट गईं। इस दौरान वन क्षेत्राधिकारी भानु प्रकाश हर्बोला, वन दरोगा नवीन चंद्र पपनै, वन आरक्षी अवनीश बिष्ट रहे।

समय पर पूरा करें गिरिजा मंदिर का सुरक्षा कार्य

- 11.30 करोड़ की लागत से पूरा होना है कार्य

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कुमाऊं और गढ़वाल के प्रवेश द्वार पर स्थित मां गिरिजा देवी मंदिर की बाढ़ से सुरक्षा के लिए चल रहे निर्माण कार्य का विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने बताया कि मां गिरिजा देवी मंदिर की सुरक्षा के लिए किया जा रहा यह कार्य मुख्यमंत्री की घोषणा में

गिरिजा मंदिर में चल रहे कार्य का निरीक्षण करते विधायक दीवान सिंह बिष्ट।

शामिल है। यह परियोजना राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि मां गिरिजा देवी मंदिर के मुख्य टीले को कोसी नदी से बाढ़ सुरक्षा प्रदान करने के लिए 11.30 करोड़ रुपये की लागत से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर की सुरक्षा का कार्य उनकी प्राथमिकताओं में शामिल था, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री से विशेष रूप से आग्रह कर इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति दिलवाई। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज एवं सांसद अनिल बलूनी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय कुमार जॉन, सहायक अभियंता दीप चंद पाण्डेय, जगत नारायण रावत, महेंद्र मनसुनी, अपर सहायक अभियंता रविंद्र सिंह, भावना भट्ट, परमजीत सिंह, कनिका रोतेला सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

भाजपा नेता के आंगन से कुत्ता उठा ले गया तेंदुआ

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: किशनपुर छोई क्षेत्र में मंगलवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब तेंदुआ भाजपा नेता हेम जोशी और पूर्व प्रधान भगवती जोशी के आवासीय परिसर में घुस आया। घर का गेट फांदकर तेंदुआ आंगन में बंधे पालतू कुत्ते को उठा ले गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।

कुत्ते की चीख सुनकर परिवार के लोग जब तक आंगन में पहुंचकर कुछ समझ पाते, तब तक तेंदुआ उसे दबोचकर जंगल में गायब हो चुका था। बुधवार सुबह घटना की जानकारी लोगों को मिली तो दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि किशनपुर छोई व आसपास तेंदुए की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। इससे पहले भी क्षेत्र में पालतू जानवरों पर हमले की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन रिहायशी इलाके में घर के भीतर घुसकर इस तरह की घटना से लोग सहमे हैं। उधर, वन विभाग की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण किया है। लोगों से रात के समय सतर्कता बरतने, बच्चों व बुजुर्गों को अकेले बाहर न निकलने तथा पालतू जानवरों को सुरक्षित स्थानों पर रखने और जंगल जाने से बचने की अपील की है।

खुले आसमान के नीचे कारोबार कर रहे व्यापारियों को मिले दुकानें

- प्रतिनिधि मंडल ने मंडी समिति सचिव से की मुलाकात

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल समिति के अध्यक्ष विपिन काण्डपाल के नेतृत्व में मंडी समिति सचिव एवं प्रशासक (एसडीएम) प्रमोद कुमार से मिले प्रतिनिधि मंडल ने मंडी समिति की सी श्रेणी की 20 दुकानों को दुकान विहीन लाइसेंस धारियों के लिए मंडी समिति द्वारा निर्धारित शुल्क के आधार पर आवंटित करने की मांग की है।

व्यापारियों का कहना था कि दुकान नहीं होने के कारण उन्हें खुले आसमान के नीचे कारोबार करना पड़ रहा है। जबकि वह नियमित रूप से मंडी शुल्क भी

रामनगर में मंडी सचिव को ज्ञापन देते व्यापारी। ● अमृत विचार

जमा करते आ रहे है। रात के समय उन्हें अपना सामान रखने के लिए अन्य कारोबारियों से विनती करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें दुकानें उपलब्ध हो जाएंगी तो उनकी समस्या का निदान हो जाएगा। मंडी सचिव साहिल अहमद ने भरोसा दिलाया कि दुकान विहीन कारोबारियों की समस्या का समाधान किया जाएगा। इस दौरान विपिन कांडपाल, शहाबुद्दीन, शिवओम अग्रवाल, शोभा कांडपाल, मोहम्मद फईम, तहसीन रज़ा, नईम, सुभान रजा, सरताज व अब्दुल कय्यूम आदि मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारी कमला उनियाल का निधन, शोक

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: राज्य निर्माण आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाली कमला उनियाल (72) का मंगलवार को निधन हो गया। उनके पुत्र देशबंधु एवं विपिन सिंह उनियाल ने विश्राम घाट में उनकी चिता को मुखाग्नि दी। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गईं हैं।

कमला उनियाल।

राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी एवं पत्रकार हरीश भट्ट ने बताया कि राज्य आंदोलनकारी कमला उनियाल पम्पापुरी निवासी (मूल निवासी ग्राम कोलरी बीरोंखाल, पौड़ी गढ़वाल) की राज्य निर्माण आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान वह कई बार पुलिस हिरासत में रहीं। उनके निधन पर एसडीएम, तहसीलदार, कोतवाल के प्रतिनिधियों ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। राज्य आंदोलनकारियों ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राज्य निर्माण आंदोलनकारी मंच के संयोजक चंद्रशेखर जोशी, हरिमोहन मोहन, पान सिंह नेगी, योगेश सती, ओमप्रकाश पडलिया, नवीन नैथानी, सभासद नवीन सुनेजा, प्रभात ध्यानी, उक्रांद के उपाध्यक्षइंद्र सिंह मनराल, गर्जिया मंदिर समिति अध्यक्ष कुबेर सिंह अधिकारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, गढ़वाल मोटर यूजर्स के सचिव हर्षवर्धन रावत व सुभाष ध्यानी आदि शामिल हुए।

मांगों को लेकर गैंग मेटों का विकास भवन में विरोध-प्रदर्शन

- मांगें पूरी न होने पर 28 जनवरी से आंदोलन की चेतावनी दी

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल में जिला पंचायत के 15-20 वर्षों से कार्यरत गैंग मेट की न्यायोचित मांगों को लेकर पूर्व मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय, भीमताल में धरना-प्रदर्शन किया गया।

गैंग मेटों का कहना है कि उन्हें साल भर की बजाए मात्र 3 महीने तनख्वाह दी जा रही है। वहीं कांग्रेस नेता हरीश पनेरू ने बताया कि जिला पंचायत द्वारा गैंग मेट के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने दूरभाष पर अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत नैनीताल से बात कर मामले का शीघ्र ही निस्तारण कर 20 वर्षों

मांगों को लेकर विकास भवन में प्रदर्शन करते गैंग मेट।

से कार्यरत जिला पंचायत गैंग मेट को साल भर की तनख्वाह देने एवं न्यूनतम मजदूरी देने की मांग की। ऐसा न होने पर 28 जनवरी के बाद परिवार जनों के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा। पनेरु ने कहा कि एक ओर जहां सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता दिया जाता है, वहीं विधायकों, सांसदों की लगातार वेतन में वृद्धि एवं पेंशन में वृद्धि की जा रही है, चार पांच पेंशन तक लेते हैं दूसरी तरफ फिर इन मजदूरों के साथ ऐसा अन्याय किया जा रहा है जो कि गलत है।

सिटी ब्रीफ

यूकेडी कार्यालय व बैनर के निजी उपयोग पर भेजा नोटिस

हल्द्वानी : उत्तराखंड क्रांति दल के जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने पार्टी के सदस्य कमल जोशी को पार्टी कार्यालय और बैनर के निजी इस्तेमाल करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिलाध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से बताया कि कमल जोशी ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति अधिकारी के लिए निजी प्रेस वार्ता की, इस दौरान पार्टी कार्यालय और बैनर का उपयोग किया गया। जिलाध्यक्ष ने उन्हें तीन दिन में केंद्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष को जवाब भेजने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा फ्रेश गाय घी पर लगा प्रतिबंध

हल्द्वानी : गाय के घी में मिलावट मिलने पर हरियाणा फ्रेश गाय घी ब्रांड की बिक्री, भंडारण और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) ने इसकी जानकारी दी है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बीती अक्टूबर में खड़िया फैक्ट्री में विवेक प्रोविजन स्टोर से हरियाणा फ्रेश गाय घी का नमूना जांच के लिए रुद्रपुर प्रयोगशाला में भेजा था। जांच के बाद इस घी में मिलावट मिली है। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि इसका निर्माण गिरधर मिल्क फूड्स प्राइवेट लिमिटेड जालपार, पानीपत हरियाणा करते हैं।

रेलवे व नजूल भूमि पर बनी इमारतों पर चला बुलडोजर

जिला प्रशासन ने काठगोदाम क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे भवनों को किया ध्वस्त, अतिक्रमणकारियों में हड़कंप

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने बुधवार को काठगोदाम में सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे अतिक्रमण को ध्वस्त किया। ध्वस्तीकरण को देखते हुए कुछ अतिक्रमणकारियों ने खुद ही इमारतों पर घन चलाना शुरू कर दिया। इस पर प्रशासन ने स्वयं ही अतिक्रमण हटाने को 24 घंटे की मोहलत दी है।

जिला प्रशासन की ओर से काठगोदाम तिराहे से गौला पुल तक सड़क चौड़ीकरण प्रस्तावित है। इसमें 4 करोड़ की लागत से लगभग 250 मीटर तक सड़क के बीचोबीच से दोनों तरफ 12-12 मीटर चौड़ीकरण किया जाएगा। इसमें ड्रेनेज सिस्टम, लाइटिंग के साथ ही मीडियन बनाई जाएगी। इसी क्रम में प्रशासन, लोनिवि, नगर निगम की संयुक्त टीम ने सर्वे किया जिसमें अधिकांश भवन नजूल भूमि, रेलवे भूमि पर खड़े किए गए थे। संयुक्त टीम ने सड़क के दोनों तरफ दो दर्जन से अधिक अतिक्रमण चिन्हित किए थे। इस पर प्रशासन ने सभी को नियमानुसार अतिक्रमण हटाने के नोटिस जारी किए। नोटिसों के बाद अधिकांश ने तो लगाए निशान की तर्ज पर अवैध निर्माण को हटा लिया लेकिन कई बाज नहीं आ रहे थे। इस पर बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, एसडीएम राहुल शाह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलवा दिया। सिटी मजिस्ट्रेट चौहान ने स्पष्ट किया कि मानकों के अनुसार सड़क का चौड़ीकरण हो रहा है, जो कोई भी जद में आएगा अवैध निर्माण ध्वस्त किया जाएगा। इस बीच लोगों की हल्की बहस हुई भी हुई लेकिन प्रशासन ने एक नहीं सुनी और अतिक्रमण पर पीला पंजा चलवा दिया। इसके बाद कुछ लोगों ने स्वयं ही अवैध निर्माण हटाने के लिए मोहलत मांगी, इसपर प्रशासन ने 24 घंटे की मोहलत दी है। यदि इस अवधि में अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो प्रशासन जबरन बुलडोजर चलवा देगा। इस दौरान एडीबी प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

काठगोदाम में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मौजूद प्रशासन के अधिकारी। ● अमृत विचार

अतिक्रमण ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

अतिक्रमण हटाने से पूर्व नपाई करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

एक तरफ 10 तो दूसरी तरफ 12 मीटर का लगाया आरोप

हल्द्वानी : प्रशासन को अतिक्रमण हटाने का तीखा विरोध भी झेलना पड़ा। लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासन मनमानी पर उतरा हुआ है। सड़क के एक ओर 10 मीटर ही चौड़ाई ली गई है, जबकि दूसरी तरफ जबरन 12 मीटर चौड़ाई पर लाल निशान लगाए जा रहे हैं। प्रशासन को इस ओर भी 10 मीटर पर ही लाल निशान लगाएं, इससे कई दुकानदारों ने दुकानें पीछे कर ली हैं लेकिन शटर जद में आ रहा है जो बच सकता है।

हल्द्वानी मामले में प्रशासन से हस्तक्षेप कर कार्रवाई की मांग

नैनीताल: हल्द्वानी के मुखानी थाना क्षेत्र के मानस विहार कॉलोनी पनियाली में अनुसूचित जाति के परिवारों के साथ हुई घटना को लेकर बुधवार को सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश चंद्र बौद्ध, ओखलकांडा कनिष्ठ उप प्रमुख राजेंद्र प्रसाद समेत अन्य ने डीएम ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बुधवार को जेसीबी, बुलडोजर से सार्वजनिक सड़क को तोड़ने का प्रयास किया। जबकि पीड़ित परिवारों की वैध भूमि रजिस्ट्री में स्पष्ट रूप से 15 फीट चौड़ी सार्वजनिक सड़क दर्ज है।

सड़क तोड़े जाने का विरोध करने पर धक्का-मुक्की, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकियां दी गईं और महिलाओं के साथ अभद्रता की गई। बताया कि एक व्यक्ति ने पूर्व सैनिकों को एकत्र कर स्वयं को संगठन का पदाधिकारी बताकर अनुसूचित जाति के परिवारों पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया। जब पीड़ित परिवार मुखानी थाना पहुंचे, तो उनकी एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया गया। डीएम से आग्रह किया कि मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी पर देहरादून का कब्जा

● गौलापार अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल व फाइनल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी अंडर-19 बालिका वर्ग हॉकी प्रतियोगिता में बुधवार को सेमीफाइनल व फाइनल मैच खेले गए। गौलापार अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहला सेमीफाइनल मैच देहरादून और नैनीताल के बीच हुआ, जिसमें देहरादून की टीम 5-1 से विजेता रही।

दूसरा सेमीफाइनल ऊधमसिंहनगर और हरिद्वार के बीच हुआ, जिसमें हरिद्वार ने 5-0 से बाजी मारी। तृतीय स्थान के लिए नैनीताल और ऊधमसिंहनगर के बीच हुए मैच में ऊधमसिंहनगर ने 3-1 से जीत हासिल की।

गौलापार स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेल महाकुंभ में हाकी मैच खेलतीं खिलाड़ी।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला हरिद्वार और देहरादून के बीच हुआ, जिसमें देहरादून ने 3-0 से मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक वरूण बेलवाल, निर्णायक महेश्वर नेगी, गोविंद लटवाल, मोहित सिंह, सुरेंद्र अधिकारी, तरुण बेलवाल, पंकज रावत, रुपिन यादव, तकनीकी समिति में चंद्रा पांडे, नीलेश गुप्ता, सुनील कुमार, महिमा भंडारी रहे। इस मौके पर जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रतीक चंद्र जोशी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी इमरान खान, दीपक मेहता, बीना जोशी, विशाल सिंह, कुंदन सिंह, चंचल, हरीश नेगी, एलडी भट्ट, महेश जोशी, उमा, नरेंद्र सिंह, विवेक, दीपक पांडे आदि मौजूद रहे।

पूर्व विस अध्यक्ष कुंजवाल ने विजेता टीम को किया पुरस्कृत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: जैंती के कालाडुंगरा गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन पर मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने खिलाड़ियों से खेल भावना को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने विजेता टीम क्रिकेट क्लब कुटौली को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार दिया। उपविजेता टीम ऐड़द्यौ इलेवन को सांत्वना पुरस्कार दिया।

टूर्नामेंट में क्षेत्र की दर्जनभर टीमों ने भाग लिया। कुटौली के कृष्णा को मैन ऑफ द मैच व भीम सिंह को मैन ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान जानकी बिष्ट, प्रदीप बिष्ट, दिनेश कनवाल, दीपक पटवाल, डिकर बिष्ट रहे।

विजेता टीम के खिलाड़ी को ट्रॉफी देते पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल।

रोडवेज कार्मिकों ने अनियमित वेतन भुगतान पर जताया आक्रोश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : रोडवेज कार्मिकों को लंबे समय से अनियमित वेतन का भुगतान किया जा रहा है। समय पर वेतन नहीं दिए जाने से रोडवेज कार्मिकों में आक्रोश है।

उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद हल्द्वानी की ट्रैफिक शाखा ने बुधवार को बैठक में प्रमुख समस्याएं रखीं। कर्मचारियों ने समय पर वेतन नहीं दिए जाने को लेकर आक्रोश जताया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों को दिसंबर माह का वेतन नहीं दिया गया है, जबकि नवंबर का वेतन भी देरी के साथ बीते मंगलवार को जारी किया गया।

कार्मिकों ने कहा कि वेतन नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि परिवहन निगम की आर्थिक स्थिति खराब होने के पीछे सबसे बड़ा कारण डग्गामारी है, जिसमें निजी बसें रोडवेज के यात्रियों को बैठा रही हैं। इससे निगम की आय में साल दर साल गिरावट हो रही है।

बैठक में शाखा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत, शाखा मंत्री तारा देवी, कौशल जोशी, दिनेश भंडारी, गिरीश दानी, सुनील सेन, चंदन डंगवाल, शबाब अली, भुवन जीना, नितेश चौधरी, पंकज पुरी, वीरेंद्र आर्य, मोहित बिष्ट, संजीव कुमार, आनंदी शुक्ला, कविता जोशी, लुकमान सिंह, भास्कर चंद्र, रजनीश कुमार, धर्मवीर, विवेक कुमार, अमरपाल आदि उपस्थित रहे।

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद हल्द्वानी ट्रैफिक शाखा की बैठक में मौजूद कर्मचारी।

● उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ट्रैफिक शाखा ने की बैठक

सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल में अंतर विद्यालय शूटिंग प्रतियोगिता के विजेता बच्चे।

सिंथिया में इंटर-स्कूल शूटिंग प्रतियोगिता संपन्न

हल्द्वानी : सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इंटर-स्कूल शूटिंग प्रतियोगिता का समापन बुधवार को हुआ। प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 7 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय शूटिंग खिलाड़ी और कुमाऊं रेजीमेंट सेंटर के मुख्य कोच सूबेदार पवन खोलिया ने विद्यार्थियों को फोकस और धैर्य के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में कक्षा 1 में इशिका, कक्षा 2 में भाविका सती, कक्षा 3 में मानवी चालाल, कक्षा 4-5 संयुक्त वर्ग में अधृत सिंह और कक्षा 6-7 वर्ग में देविशा मर्तोलिया प्रथम रहे। प्रतियोगिता का संचालन शूटिंग प्रशिक्षक मोहित कौशिक के मार्गदर्शन में हुआ। शिक्षकों की शूटिंग प्रतियोगिता में कात्यायन रौतेला प्रथम, निकिता बोरा द्वितीय और भूमिका रौतेला व माही बिष्ट संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। स्कूल के चेयरमैन डॉ. प्रविंद्र कुमार रौतेला व प्रधानाचार्या तुलिका रस्तोगी ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया।

गणतंत्र दिवस पर रामलीला मैदान से शहीद चौक तक निकलेगी प्रभात फेरी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मेयर गजराज बिष्ट ने बुधवार को पार्षदों और नगर निगम के कार्मिकों के साथ बैठक की। इस दौरान मेयर ने गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई।

बैठक में बताया गया कि 26 जनवरी को सुबह 7 बजे रामलीला मैदान से शहीद चौक तक प्रभात फेरी निकाली जाएगी। सुबह 9:30 बजे माल्यार्पण और 11:30 बजे राष्ट्रीय ध्वजारोहण होगा। साथ ही गणतंत्र दिवस के मौके पर एमबीपीजी कॉलेज में सार्वजनिक ध्वजारोहण के साथ ही मार्च पास्ट सलामी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जबकि इससे पहले 25 जनवरी को गौलापार स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में सुबह 8:30 बजे से ओपन क्रॉस कंट्री रेस होगी। बैठक में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हेमंत सिंह बगड़वाल, एनबी गुणवंत, गणेश भट्ट, वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल, सहायक अभियंता नवल नौटियाल, आईपी पंत समेत सभी पार्षद उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस को लेकर आयोजित बैठक में मौजूद मेयर गजराज बिष्ट व अन्य।

बबियाड़ कैलाश द्वार से सिमलिया साननी सड़क का होगा मिलान

हल्द्वानी : बबियाड़ कैलाश द्वार से सिमलिया साननी मोटर मार्ग मिलान के प्रथम चरण के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। इस मार्ग के निर्माण से एक दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों को 50 किमी की दूरी का फेर नहीं लगाना होगा।

भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने बताया कि धारी ब्लॉक के 10 गांवों के ग्रामीण वर्षों से बबियाड़ कैलाश द्वार से सिमलिया साननी मोटर मार्ग मिलाने की मांग कर रहे थे। जनता की समस्या को देखते हुए विधायक ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मोटर मार्ग मिलान की मांग की थी। विधायक की मांग पर सीएम ने इस प्रस्ताव को सीएम घोषणा में शामिल करने के बाद मोटर मार्ग मिलान को शासन से प्रथम चरण की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है।

भारत बौद्धिक राष्ट्रीय परीक्षा 31 जनवरी को

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर में अध्ययरत स्नातक एवं स्नातकोत्तर के समस्त छात्र-छात्राएं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान उत्तराखण्ड के तत्वावधान में भारत बौद्धिक राष्ट्रीय परीक्षा 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। परीक्षा के संयोजक डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल ने बताया कि इस परीक्षा में सशुल्क कुल 2 1 2 छात्र छात्राओं द्वारा पंजीकरण कराया गया है। ये सभी पंजीकृत विद्यार्थी निर्धारित परीक्षा तिथि 31 जनवरी 2026 को परीक्षा केन्द्र रामनगर महाविद्यालय में परीक्षा के लिए उपस्थित होंगें। जिसका समय 10 बजे से 12 बजे तक है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस बौद्धिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एक प्रतिभागी को एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले दो प्रतिभागियों को पचास हजार रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त कर्ता चार विजेताओं को 25 हजार रुपये एवं सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले दो सौ विजेताओं को पच्चीस सौ रुपये की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जायेगी। प्राचार्य एमसी पाण्डे ने नियमानुसार परीक्षा को सम्पन्न कराने की प्रतिबद्धता जाहिर की है।

चिंताजनक

युवा बाघ बन रहे हैं इंसानों के लिए चुनौती, सिकुड़ते जंगलों पर इंसानी दखल मुख्य वजह

बाघ-मानव संघर्ष भविष्य के लिए खतरे की घंटी

विनोद पपनै, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखंड में मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष लगातार बढ़ रहा है। बीते कुछ वर्षों में हालात बदले हैं। पहले केवल बूढ़े या कमजोर बाघ इंसानों पर हमला करते थे, लेकिन अब युवा बाघ भी इस मामले में शामिल हैं। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि संघर्ष की घटनाओं में पकड़े गए अधिकांश बाघ 3 से 7 वर्ष के युवा हैं।

1998 से 20 जनवरी 2026 तक कॉर्बेट टाइगर रिजर्व और आसपास के क्षेत्रों में 168 मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं हुईं, जिनमें 45 लोग मारे गए। केवल पिछले पांच वर्षों में 68 बाघ, 40 गुलदार, 10 हाथी और 5 भालुओं को विभिन्न परिस्थितियों में रेस्क्यू किया गया। कुछ घायल पाए गए, कुछ को जंगल में लौटाया गया, जबकि कुछ को सुरक्षित स्थानांतरित किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि जंगल सीमित हैं और बाघों की संख्या बढ़ रही है। बड़े और ताकतवर बाघ अपने क्षेत्र की रक्षा करते हैं और युवा बाघों को बाहर खदेड़ देते हैं। ये युवा बाघ नई टेरिटरी और शिकार की तलाश में मानव बस्तियों के पास आते हैं, जिससे संघर्ष बढ़ता है।

"बाघ का घनत्व बढ़ रहा है। ताकतवर बाघ कमजोर बाघों को जंगल से बाहर निकालते हैं। बाहर निकले बाघ आबादी के आसपास मंडराते हैं और इंसान या पालतू मवेशी उनका आसान शिकार बन जाते हैं।
-**दीप रजवार**, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर

"युवा बाघ अब अधिक आक्रामक हैं। जंगल सीमित हैं और इंसानी गतिविधियों के कारण शाकाहारी वन्यजीव आबादी के पास आने लगे हैं। शिकार के पीछे जाने वाले बाघ मानव के नजदीक आते हैं, यही संघर्ष की मुख्य वजह है।
-**संजय छिम्वाल**, वन्यजीव विशेषज्ञ

"बाघ अत्यंत टेरिटोरियल है। युवा बाघ नई टेरिटरी की तलाश में अधिक आक्रामक हो जाते हैं। टेरिटरी, शिकार और प्रजनन का दबाव उन्हें इंसान के लिए खतरनाक बना देता है।
-**डॉ. साकेत बडोला**, मुख्य वन संरक्षक कुमाऊं

"सड़कों पर ट्रैफिक, तेज रोशनी और शोर वन्यजीवों को प्रभावित कर रहे हैं। सूर्यास्त के बाद वाहनों की आवाजाही सीमित करने जैसे कदम बाघों और अन्य जानवरों को सुरक्षित मूवमेंट का मौका देंगे और संघर्ष को कम कर सकते हैं।
-**इमरान खान**, वन्यजीव विशेषज्ञ

उत्तरांचल स्वच्छकार संघ ने ठेका प्रथा के विरोध में किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तरांचल स्वच्छकार संघ ने बुधवार को नगर निगम में ठेका प्रथा के विरोध में निगम परिसर में धरना प्रदर्शन किया।

इस दौरान कर्मचारियों ने कहा कि ठेका प्रथा के कारण कर्मचारियों का शोषण होता है, जिसमें पर्याप्त मानदेय नहीं दिए जाने के साथ ही अन्य समस्याएं होती हैं। उन्होंने कहा कि ठेका प्रथा के कारण सरकारी धन का दुरुपयोग होने के साथ ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। संगठन ने ठेका प्रथा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और धरने पर बैठे रहे। उल्लेखनीय है कि नगर निगम के नए कूड़ा वाहनों के संचालन के निजी कंपनी को जिम्मेदारी जा रही है, जिसके लिए निगम ने टेंडर जारी कर दिया है। उत्तरांचल स्वच्छकार संघ निगम की कूड़ा गाड़ियों को ठेके पर दिए जाने का विरोध कर रहा है। इस मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार राजौर, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश लाला, जिलाध्यक्ष विनय पाल, शाखा अध्यक्ष राजेंद्र चौहान, शाखा मंत्री जगदीश, शाखा सदस्य अमन, मनजीत, जगपाल, सुभाष, प्रशांत, चमन, अंकुश, साहिल, श्याम आदि मौजूद रहे।

नगर निगम परिसर में धरना देते उत्तरांचल स्वच्छकार कर्मचारी संघ के सदस्य।

आदित्य और लक्ष्य का रणजी टीम में चयन

हल्द्वानी : भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम से जुड़े लक्ष्य रायचंदानी और भारतीय आदित्य रावत का चयन उत्तराखंड रणजी ट्रॉफी टीम में किया गया है। दोनों खिलाड़ियों के चयन से राज्य क्रिकेट को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। इन दोनों ने इंडिया ए, अफगानिस्तान भारत बी त्रिकोणीय श्रृंखला खेले 2025-26 चैलेंजर ट्रॉफी 2025-26 हिस्सा रहे। लक्ष्य ने 2023-24 में अंडर-16 वर्ग की विजय मर्चेंट ट्रॉफी में 5 मेचों में एक दोहरा शतक, तीन शतक और दो अर्धशतकों कि बदौलत 138 .83 की औसत से कुल 833 रन बनाये और विजय मर्चेंट ट्रॉफी में सर्वाधिक स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने। भारत अंडर-19 क्रिकेट टीम के राइट-आर्म मीडियम पेसर आदित्य रावत ने शानदार गेंदबाज़ी प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। युवा स्तर पर निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हुए आदित्य ने खुद को एक भरोसेमंद तेज गेंदबाज़ के रूप में स्थापित किया है। अंडर-19 क्रिकेट में उन्होंने 15 मैच में 12 विकेट लिए हैं।

सिटी ब्रीफ

पंत विवि की जिज्ञासा का यूसीडी में चयन

पंतनगर : जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय स्थित सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की पीएचडी छात्रा जिज्ञासा राहल का यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन (यूसीडी) आयरलैंड के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड एंड हेल्थ रिसर्चर बर्सरी के लिए चयन हुआ है। यह चार सप्ताह का शोध कार्य प्रो आइलीन गिब्ने और डॉ. आर्चना कुशवाहा के मार्गदर्शन में होगा। बर्सरी के तहत छात्रा को पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जो अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता को बढ़ावा देगी। जिज्ञासा को यह अवसर महाविद्यालय की डीन डॉ. अलका गोयल और अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक डॉ. एचजे शिवा प्रसाद के सान्निध्य में प्राप्त हुआ है।

महर्षि विद्या मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ

खटीमा : महर्षि विद्या मंदिर में आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के अंतर्गत हनुमान चालीसा का पाठ सामूहिक रूप से किया गया। इस शुभ अवसर पर प्रधानाचार्य हेमचंद कर्नाटक ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया। सत्संग द्वारा सदविचारों को ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पुष्पा मेहरा, मीनाक्षी भट्ट, वंदना सिंह आदि मौजूद रहे।

नानकमत्ता गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के 14 डॉयरेक्टरों को दिया नोटिस

भड़के डॉयरेक्टरों ने ज्ञापन सौंपकर कमेटी महासचिव पर लगाया मनमानी का आरोप

- मीटिंग में नहीं आने का हवाला देते हुए स्पष्टीकरण मांगा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नानकमत्ता गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी में एक बार फिर विवाद की स्थिति पैदा होती जा रही है। जहां कमेटी के महासचिव ने कमेटी के 14 डॉयरेक्टरों को नोटिस देकर मीटिंग में नहीं आने का हवाला देते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। जिससे भड़के डॉयरेक्टरों ने डीएम को संबोधित ज्ञापन उपनिबंधक रजिस्ट्रार को देकर प्रकरण की जांच कर निस्तारण करने का मुद्दा उठाया। आगाह किया कि यदि प्रशासन ने कोई कारवाई नहीं की तो सीएम से मुलाकात कर मुद्दा उठाया जाएगा।

बुधवार को नोटिस प्राप्त 14 डॉयरेक्टर सब रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचे और सांकेतिक प्रदर्शन करते हुए डीएम को संबोधित ज्ञापन सब रजिस्ट्रार को सौंपा। उनका कहना था कि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी में 24 में से 14 निर्वाचित डॉयरेक्टर हैं, लेकिन कमेटी के महासचिव संविधान के खिलाफ जाकर डॉयरेक्टर की सदस्यता रद्द करने की साजिश रचते रहते हैं। 15 जनवरी को महासचिव द्वारा 14 निदेशक को तीन बार बैठक में नहीं आने का आरोप लगाते हुए नोटिस जारी कर दिया, जबकि सत्यता यह है कि कभी भी लगातार तीन बार कोई बैठक हुई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि दो बार बैठक में सभी डॉयरेक्टर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी, जबकि कमेटी में मनमानी करते हुए विरोधियों की सदस्यता रद्द करने की साजिश लगातार जारी है। उन्होंने सब रजिस्ट्रार को ज्ञापन देते हुए जिलाधिकारी से प्रकरण की जांच कर नोटिस प्रकरण का निस्तारण किया जाएगा। अन्यथा नोटिस प्राप्त 14 डॉयरेक्टर सीएम से मुलाकात कर मुद्दा उठाएंगे और आंदोलन की जरूरत पड़े तो आंदोलन भी करेंगे। इस मौके पर पलविंदर सिंह, गुरसेवक सिंह, गुरमुख सिंह, भूपिंदर सिंह, हरजिंदर सिंह, गुरमीत सिंह, हरबंस सिंह चुघ, कमलेश कौर, निर्मल सिंह, जसवीर सिंह, चरणजीत सिंह, सुखदेव सिंह, प्रितपाल सिंह, बजिंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

सब रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचे नोटिस प्राप्त डॉयरेक्टर। • अमृत विचार

बेहड़ के इशारे का इंतजार, पुलिस की सोशल मीडिया पर कड़ी नजर

- समाप्ति की ओर एसपी सिटी का आश्वासन, खोजबीन में आई तेजी, क्या होगी रणनीति

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सौरभ हमला कांड का खुलासा करने के लिए पुलिस द्वारा मांगी गई 24 घंटे की समय अवधि समाप्त होने के साथ ही अब कार्यकर्ताओं को बेहड़ के इशारे का इंतजार होने लगा है। कारण बेहड़ ने ऐलान किया था कि समय अवधि खत्म होने के बाद वृहद आंदोलन किया जाएगा। अब पुलिस ने भी अपनी तफ्तीश को तेज कर दिया है और दिन भर पुलिस की गाड़ियां आवास विकास चौकी में देखने को मिलीं।

बताते चलें कि रविवार की शाम 7 बजे किच्छा विधायक के पार्षद बेटे सौरभ राज बेहड़ पर नकाबपोश बाइक सवार युवकों ने हमला कर घायल कर दिया था। घटना को 48 घंटे का समय बीतने के बाद मंगलवार की दोपहर को विधायक आवास पर एक महापंचायत बुलाई गई थी। जिसमें कार्यकर्ताओं और सामाजिक व धार्मिक संगठन का हुजूम उमड़ पड़ा था। दो घंटे की बैठक के बाद एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने भरोसा दिया कि 24 घंटे यानी बुधवार की शाम तक हमला करने वाले गिरफ्तार होंगे।

वहीं विधायक बेहड़ ने ऐलान किया था कि कार्यकर्ता बस सोशल मीडिया पर नजर रखें और सोशल मीडिया पर पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलने की घोषणा होगी। बुधवार की देर शाम तक पुलिस की गाड़ियां आवास विकास चौकी के इर्द गिर्द चक्कर काटते दिखाई दीं, लेकिन हमलाकांड के अभियुक्तों की गिरफ्तारी का कोई इशारा नहीं मिला। जिसके बाद जहां कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर बेहड़ के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं, वहीं पुलिस की एलआईयू ने भी सोशल मीडिया पर उग्र आंदोलन को लेकर नजर बनानी शुरू कर दी है। बुधवार की शाम या फिर गुरुवार की सुबह विधायक बेहड़ क्या फैसला लेते हैं, हर किसी के जहन में यही सवाल उठ रहे हैं और पुलिस प्रशासन भी संजीदा हो गया है।

> मंगलवार को हुई महापंचायत में एसपी सिटी ने 24 घंटे का समय मांगा गया था, जबकि बेटे पर हमला हुए तीन दिन का समय बीत चुका है। पुलिस अभी तक हमलावरों को चिह्नित तक नहीं कर पाई है। बुधवार की शाम तक भी पुलिस को कोई मैसेज नहीं आया। जिसको लेकर कार्यकर्ताओं का दबाव लगातार बढ़ रहा है। एक पिता होने के नाते उनको भी उत्सुकता है कि आखिरकार वो कौन लोग हैं, जिसके द्वारा बेटे पर हमला किया गया और साजिश रची। जल्द ही वह निर्णय लेंगे और पारदर्शी खुलासा नहीं होने तक अनिश्चितकालीन पुलिस कार्यालय में धरना होगा।
>
> –**तिलक राज बेहड़**, विधायक, किच्छा

> विधायक के बेटे एवं पार्षद सौरभ राज बेहड़ पर हमले हुए 60 घंटे से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन अभी तक पुलिस प्रशासन अपना आश्वासन पूरा नहीं कर पाई है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लग रहे हैं। यही कारण है कि जिले में गोलीबारी, हत्या, रक्त रंजिश होना और सड़क हादसों का ग्राफ बढ़ा है। जब जनप्रतिनिधि का परिवार ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनता कैसे सुरक्षित रहेगी। विधायक बेहड़ के ऐलान के बाद बाजार बंद की भी घोषणा होगी और आंदोलन इतिहास रचेगा।
>
> –**संजय जुनेजा**, महानगर अध्यक्ष, व्यापार मंडल

मुख्य कृषि अधिकारी व वैज्ञानिकों ने किया राइस मिलों का निरीक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के बाद कृषि विभाग और जीबी पंत विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जनपद के राइस मिलों का संयुक्त रूप से निरीक्षण कर ड्रायरों का परीक्षण करें। साथ ही मक्का क्रय करने के लिए नमी के प्रतिशत के पैरामीटर का निर्धारण किया।

बुधवार को मुख्य कृषि अधिकारी डॉ.विकेश कुमार सिंह यादव, जीबी पंत विवि के वैज्ञानिक व फार्म मशीनरी एंड पॉवर इंजीनियरिंग डॉ.रवि प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक पोस्ट हार्वेस्ट प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग के डॉ.सचिन कुमार के साथ वर्धमान राइस मिल और आराध्य राइस मिल का निरीक्षण किया। इस दौरान राइस मिलों में स्थापित ड्रायर की कार्यप्रणाली को देखा और उनके मालिक एवं तकनीकी स्टाफ से जानकारी ली।

इसके अलावा उन्होंने जनपद में मक्का बेबी कॉर्न के उत्पादन एवं प्रोसेसिंग के एहसास फ्रोजन फूड फैक्टरी का भी भ्रमण किया। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ.विकेश कुमार सिंह यादव ने बताया कि जनपद ऊधमसिंह नगर में ग्रीष्मकालीन धान को प्रतिबंधित करने के बाद धान के स्थान पर मक्का फसल उत्पादन के बाद विक्रय में समस्या आ रही थी। कारण मक्के की कटाई के दौरान दाने में मानक से अधिक नमी की समस्या आती है। इसके लिए समाधान को लेकर के राइस मिलों का निरीक्षण किया गया।

राइस मिलर से जानकारी लेते मुख्य कृषि अधिकारी और जीबी पंत विवि के वैज्ञानिक।

मोहित ने चलाई थी शुभम पर गोली

रुद्रपुर: शुभम गोलीकांड प्रकरण में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और नामजद अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी है। वार्ड 23 रंपुरा बस्ती निवासी शिवम कोली ने बताया था कि दीपावली को उसका विवाद कृष्णा गुप्ता, मोहित, काशी और अगम नाम के युवकों से हुआ था। जिसके बाद मामला रफा-दफा कर दिया गया, लेकिन युवक रंजिश रखने लगे। उन्होंने बताया कि 19 जनवरी की शाम पांच बजे मोहित मौर्य निवासी वार्ड 21, कृष्णा गुप्ता व अगम आये और क्रिकेट खेलते वक्त उसके साथ अभद्रता की।

इसी दौरान अचानक मोहित ने तमंचा निकालकर फायर कर दिया। वह जान बचाकर पुलिस चौकी की तरफ भागा और अपनी जान बचाई। वरना हमलावर उसे जान से मार देते। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आठ दिनों से युवक लापता, मां का रो-रोकर बुरा हाल

- ट्रांजिट कैंप थाने पहुंचे स्थानीय लोग, मानसिक बीमार है लापता युवक

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पिछले आठ दिन से लापता मानसिक रूप से बीमार युवक का कोई सुराग नहीं लगने के बाद एक बेबस मां सपना मंडल ने थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस के सामने रो-रोकर बेटे की बरामदगी की गुहार लगाई। आरोप था कि गुमशुदगी देने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और एक प्रभावशाली नेता के बेटे पर हुए हमले के खुलासे में समय व्यतीत कर रही है। आगाह किया कि यदि जल्द ही बेटे को बरामद नहीं किया तो थाने के सामने भूख हड़ताल शुरू कर देगी।

लापता अमित।

बताते चलें कि थाना ट्रांजिट कैंप के ई ब्लॉक का रहने वाला 30 वर्षीय अमित मंडल पिछले आठ दिन से लापता है और मानसिक रूप से बीमार भी है। पिता की मृत्यु के बाद से बेटा मानसिक अवसाद से गुजरने लगा और बेटा ही मां का एक सहारा है। बुधवार को बंगाली नेता सुब्रत विश्वास के साथ थाने पहुंची मां ने बताया कि बेटा आठ दिन से लापता है और काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं लगा तो फौरन थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई खोजबीन शुरू नहीं की।

पूछने पर पता चलता है कि थाने और चौकी का सारा फोर्स विधायक के पार्षद बेटे पर हुए हमले के खुलासे में लगा हुआ है। पुलिस के पास समय का अभाव है, जबकि लापता की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। कहना था कि बेटा मानसिक रूप से बीमार है और अप्रिय घटना घटित हो सकती है। जिसके बाद तैनात दरोगा ने आश्वासन दिया कि पुलिस की एक टीम लापता की सुरागरसी कर रही है। जल्द ही युवक को बरामद किया जाएगा।

थाने में गुहार लगाने पहुंची लापता युवक की मां। • अमृत विचार

सितारगंज में 27 को लगाया जाएगा शिविर

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : यूसीसी दिवस पर 27 जनवरी को तहसील परिसर में शिविर का आयोजन किया जाना है। जिसमें लोगों को यूसीसी के अंतर्गत होने वाले विवाह पंजीकरण, वसीयत, लिव-इन पंजीकरण सहित अन्य पंजीकरणों की जानकारी दी जाएगी। बुधवार को एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने आयोजन की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में समान नागरिक संहिता दिवस को प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समान नागरिक संहिता से संबंधित गतिविधियों का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी व्यापक स्तर पर जनसामान्य तक पहुंचाई जानी चाहिए। इसके लिए जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, ताकि आम नागरिक समान नागरिक संहिता के उद्देश्य और महत्व को समझ सकें। बैठक में एसडीएम ने समान नागरिक संहिता दिवस के लिए नामित नोडल अधिकारी को सभी विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में निबंध लेखन तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे होंगे पुरस्कृत

सितारगंज : इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। एसडीएम ने सभी विभागों से अपने-अपने स्तर पर सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि कार्यक्रम को सफल और प्रभावी बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। समीक्षा बैठक में तहसीलदार हिमांशु जोशी, बीडीओ सीआर आर्या, ईओ प्रतिभा कोहली, ईओ प्रियंका रैक्वाल मौजूद रहे।

भूमि की आवश्यकता

सोलर पावर प्लांट स्थापना हेतु
सब-स्टेशन 33/11 के पास लगभग
13 एकड़ भूमि की आवश्यकता है।
भूमि 29 वर्षों की लीज़ पर चाहिए।

इच्छुक भूमि-मालिक
संपर्क करें :- 8076165869

200 से अधिक जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधायक शिव अरोरा ने ग्राम शिवपुर में ठंड से बचने के लिए निर्धन जरूरतमंद बुजुर्ग, महिला दिव्यांग वर्ग के 200 से अधिक लोगों को कंबल वितरित कर आशीर्वाद लिया।

इस दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि मातृशक्ति व बुजुर्गों का आशीर्वाद ही मेरी ताकत है। जनता की सेवा ही हमारे जीवन का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि शिवपुर क्षेत्र में सड़कों के निर्माण से लेकर मंदिर सौंदर्यीकरण, टिनशेड निर्माण जैसे कार्य उनके द्वारा करवाए गए हैं।

इस दौरान गदरपुर ब्लॉक प्रमुख ज्योति ग्रोवर, भाजपा नेता प्रीत ग्रोवर, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश बजाज, ग्राम प्रधान आनंदखेड़ा राजकुमार चौधरी, प्रधान सुमंगल, बीडीसी राजेंद्र सैनी, नरेश तपाली, मनमोहन वाधवा, अशोक ढाली, नवीन, कौशल विश्वास, रवि ढाली, शिवकुमार, मयंक कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

शिवपुर में कंबल वितरित करते विधायक शिव अरोरा। • अमृत विचार

राष्ट्रीय मंच पर चमके मंथन सडाना

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में तृतीय वर्ष के स्नातक छात्र मंथन सडाना ने 8-13 जनवरी को आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में चयनित होकर उत्तराखंड और पंतनगर विवि का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में देश के 50 लाख से अधिक युवाओं में से कड़ी बहु-चरणीय एवं मेरिट आधारित प्रक्रिया के बाद मंथन का चयन हुआ है। जिसे पंतनगर विवि के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान मंथन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित संवाद सत्रों का साक्षी बनने एवं राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ। यह आयोजन प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के तहतत किया गया। दिल्ली जाने से पूर्व मंथन ने देहरादून में उत्तराखंड के राज्यपाल ले.ज. (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और सीएम पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट कर मार्गदर्शन लिया। दिल्ली में कार्यक्रम के दौरान मंथन ने केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा से भी भेंट एवं संवाद किया। जिसे उन्होंने प्रेरणादायक बताया।

कार्यक्रम में संवाद करते मंथन सडाना। • अमृत विचार

आयोजन

विद्यालय प्रशासक हरविंदर पुरी, प्रशासिका परविंदर पुरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया

लिटिल किंग्डम स्कूल में हर्षोल्लास से मना स्पोर्ट्स डे

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: लिटिल किंग्डम प्रीपेटरी स्कूल में स्पोर्ट्स डे का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ। जिसका शुभारंभ विद्यालय प्रशासक हरविंदर पुरी, प्रशासिका परविंदर पुरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। जहां खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

बुधवार को कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य गायत्री खन्ना ने कहा कि खेल शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। खेलों के माध्यम से बच्चे अनुशासन, धैर्य और सकारात्मक सोच सीखते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय के संचालक लक्ष्य शर्मा ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं।

ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। प्रतिस्पर्धा में प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा पांच तक के सभी नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए नींबू दौड़, फ्लैग दौड़, टायर रेस, रिवर्स रेस सहित कई रोचक एवं मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बच्चों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेल मैदान बच्चों की तालियों और हर्षध्वनि से गूंज उठा। वहीं प्रशासिका परविंदर पुरी ने पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया।

गुब्बारे उड़ाकर खेल का शुभारंभ करते विद्यालय प्रबंधक। • अमृत विचार

मोबाइल हैक, खाते से उड़ाए 1.87 लाख

रुद्रपुर: डॉक्टर कॉलोनी स्थित डायग्नोस्टिक सेंटर कर्मी का मोबाइल हैक कर लाखों रुपये की साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर कॉलोनी सिविल लाइन निवासी सोनू रस्तोगी ने बताया कि वह कॉलोनी में स्थित डायग्नोस्टिक सेंटर में काम करता है। 3 जनवरी की दोपहर को मोबाइल हैक हो गया और साढ़े तीन बजे पता चला कि मोबाइल का सारा डाटा, वीडियो कॉल सहित कॉलिंग भी अज्ञात नंबर पर हो रही है।

शाम साढ़े 6 बजे मोबाइल पर खाते से नकद निकासी का मैसेज आने लगा। जब बैंक जाकर पता किया तो खाते से 1.87 लाख रुपये की निकासी हो चुकी थी।

ब्रीफ न्यूज

नानकमत्ता पुलिस ने तीन स्मैक तस्करों को दबोचा

नानकमत्ता : पुलिस द्वारा तीन तस्करों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया है। थाना अध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नानकसागर के पास चेकिंग के दौरान तीन संदिग्धों की तलाशी ली गई। पकड़े गए आरोपियों में नेपाल निवासी रोहित चन्द्र से 3.89 ग्राम, शीश बोकाटी से 2.39 ग्राम और बनबसा (चम्पावत) निवासी दीप चन्द्र से 2.83 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने तीनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। थाना अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में नशा तस्करी और इसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एसडीएम ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर ली बैठक

बाजपुर : उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा ने बुधवार को तहसील कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के क्रियान्वयन को लेकर विभागीय बैठक की। एसडीएम ने 26 जनवरी के कार्यक्रमों को गरिमामय ढंग से संपन्न कराने हेतु सफाई, सुरक्षा और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं को समय पर दुरुस्त करने के निर्देश दिए।यूसीसी पर चर्चा करते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन के निर्देशानुसार आमजन को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए। डॉ. शर्मा ने चेतावनी दी कि कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान, बीडीओ शेखर जोशी और सीएमएस डॉ. पीडी गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

किच्छा शुगर मिल ने किसानों को किया 9.18 करोड़ का भुगतान

किच्छा : किच्छा शुगर मिल ने 20 दिसंबर तक खरीदे गए गन्ने का 9.18 करोड़ रुपए का भुगतान समितियों को जारी कर दिया है। अधिशासी निदेशक ए.पी. बाजपेई ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार किसानों का बकाया जल्द चुकाया जा रहा है। वर्तमान सत्र में अब तक कुल 42.86 करोड़ रुपए का भुगतान हो चुका है। मिल ने अब तक 20.53 लाख कुंतल गन्ने की पेराई कर 1.96 लाख कुंतल से अधिक चीनी का उत्पादन किया है। किच्छा, हल्द्वानी, पंतनगर, सितारगंज और गदरपुर समितियों को आरटीजीएस के जरिए राशि भेज दी गई है।

हत्यारोपी को आजीवन कारावास की सजा हुई

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने तीन साल पूर्व सितारगंज में हुई हत्या के मामले में एक आरोपी को दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अप्रैल 2023 में सितारगंज वार्ड नंबर 13 गणेश कॉलोनी निवासी कमला देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उसका पति रज्जन सैनी 26 अप्रैल 2023 की सुबह आठ बजे टीचर कॉलोनी सितारगंज के सामने मजदूरी करने के लिए इंतजार कर रहा था। इसी दौरान वहां मौजूद मजदूर तौफिक अहमद और हनीफ में आपस में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई जिसपर उसके पति रज्जन सैनी ने बीच-बचाव करने गए। इसी बीच मोहम्मद हनीफ ने पास की मीट की दुकान से छुरी लेकर रज्जन सैनी के ऊपर हमला कर गला रेत कर हत्या कर दी। सितारगंज पुलिस ने इस मामले में हत्यारोपी हनीफ के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। दो जुलाई 2023 को पुलिस ने इस मामले में आरोप पत्र न्यायालय पेश किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सौरभ ओझा ने 10 गवाह पेश किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंजू सिंह मुंडे ने वार्ड नंबर एक चिंती मझरा सितारगंज निवासी मो हनीफ को दोषी मानते हुए धारा 302/307 आईपीसी में आजीवन कारावास और दस-दस हजार रुपये को अर्थदंड की सजा सुनाई है। वहीं धारा 506 आईपीसी में एक साल की सजा व दो हजार रुपये और धारा 4/25 में छह माह की सजा व दो हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

रामपुर रोड आज बंद बस का 55 रुपये ही लगेगा किराया

- हल्द्वानी के लिए रुद्रपुर से वाया पंतनगर करना पड़ेगा सफर

रुद्रपुर, अमृत विचारः टांडा बैरियर की मरम्मत होने के चलते आज गुरुवार को सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक रुद्रपुर से हल्द्वानी को जाने वाला मार्ग (रामपुर रोड) बंद रहेगा। इस कारण वाहनों का संचालन वाया पंतनगर, लालकुआं से होते हुए हल्द्वानी तक रहेगा।

रुद्रपुर डिपो के एआरएम श्रीराम कौशल ने बताया कि मरम्मत कार्य को लेकर रेलवे विभाग का पत्र आया है। इस कारण गुरुवार को बसों का संचालन वाया पंतनगर होते हुए किया जाएगा। इस मार्ग पर अगर बस में पंतनगर या लालकुआं का कोई यात्री सफर करेगा तो उसे रुद्रपुर से हल्द्वानी का पूरा 55 रुपये किराया लिया जाएगा।

टैलेंट ओलंपियाड की ओर से गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता का हुआ था आयोजन

नोजगे स्कूल के 27 बच्चों ने जीते मेडल

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः नोजगे पब्लिक स्कूल के पहली से 9वीं कक्षा तक के 27 छात्र-छात्राओं ने इंडियन टैलेंट ओलंपियाड द्वारा आयोजित गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में मेडल जीते हैं।

गणित ओलंपियाड में कक्षा एक की अंशिका थापा ने गोल्ड, अमरप्रीत कौर सिल्वर और मायरा ने ब्रांज, कक्षा दो के पियूष ने गोल्ड, कार्तिक जोशी ने सिल्वर और मन्नत ने ब्रांस मेडल, कक्षा तीन के आरुष परगाई ने गोल्ड, सरगुनदीप कौर ने सिल्वर और अर्जुन जोशी ने ब्रांस, कक्षा चार की आशी सोनकर ने गोल्ड, दीपिका ने सिल्वर और करन जोशी ने ब्रांज, कक्षा पांच के अक्ष थापा ने गोल्ड, आरोही प्रजापति ने सिल्वर, अयांश चौहान ने ब्रांज, कक्षा छह के हार्दिक सिंह बिष्ट ने गोल्ड, कार्तिक पाटनी ने सिल्वर और पलाक्षा ऐरी ने ब्रांज, कक्षा सात के मो हस्सान ने गोल्ड, काव्या ने सिल्वर और जतिन चन्द ने ब्रांज, कक्षा आठ की लक्षिका ने गोल्ड, अनमोल सिंह ने सिल्वर और अभिनव भट्ट ने ब्रांस तथा कक्षा नौ की कोमल अन्ना गोल्ड, समृद्धि रावत सिल्वर और पार्थ दत्ता ब्रांज मेडल हासिल किया है। इन छात्र-छात्राओं समेत 57 छात्र छात्राओं का चयन द्वितीय स्तर परीक्षा के लिए भी हुआ है। चयनित छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन शिक्षिका बिमला जोशी, रश्मि मिश्रा, जानकी ऐरी और अंशु जोशी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया। बच्चों की सफलता पर प्रबंधिका ट्विंकल दत्ता, अकादमिक अधिकारी डॉ विनय जैन, उप प्रधानाचार्या शैफाली अग्रवाल आदि ने बधाई दी है।

खटीमा से गणित ओलंपियाड में मेडल जीतने वाले नोजगे के बच्चे। ● अमृत विचार

58 समस्याओं में 19 का निस्तारण

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत बंडिया में लगाया गया शिविर

- 24 विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को लाभान्वित किया

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः प्रशासन पहुंचा जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत राजकीय इंटर कालेज बंडिया में अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र की देखरेख में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। जिसमें उठाई गईं 58 समस्याओं में से 19 का मौके पर निस्तारण किया गया।

शिविर में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता और नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी रामू ने कहा कि सरकार द्वारा जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। जिसमें अधिकारी जनता के द्वार पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। शिविर में 24 विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को लाभान्वित किया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क जांच कर दवाइयां वितरित की गईं। शिविर में दर्ज 58 शिकायतों में 19 का मौके पर निस्तारण किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग 509, होम्योपैथिक 160, आयुर्वेदिक 130 लोगों की जांच कर दवा वितरित की। 79 एक्सरे, श्रम विभाग द्वारा 18 श्रम कार्ड बनाए गए। 18 लाभार्थियों को टूल किट कंबल, छाते वितरित किए गए। पूर्ति विभाग द्वारा 16 राशन कार्ड की केवाईसी की। समाज कल्याण विभाग द्वारा 26 फार्म भरवाए, दिव्यांगों को बस पास उपलब्ध कराए। इस दौरान 150 पशुपालकों को दवाइयां बांटी गईं। शिविर में उप जिला अधिकारी तुषार सैनी, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश भट्ट, खंड विकास अधिकारी संजय गांधी, जिला पूर्ति अधिकारी विनोद चंद तिवारी, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र सिंह राणा, ग्राम प्रधान भावना कुंवर, हयात सिंह बुंगला, सोमनाथ मौर्य, सुदेश पाल, कुंदन मनोला, प्रेम प्रकाश तिवारी, महेंद्र पाल, प्रेम प्रकाश पासी, डॉ शैलजा, विनीत पांडे, दीवान सिंह, परवीन आदि मौजूद रहे।

खटीमा के राजकीय इंटर कॉलेज बंडिया में आयोजित शिविर में समस्याएं सुनते अधिकारी। ● अमृत विचार

यूसीसी को लेकर राजकीय महाविद्यालय में हुई कार्यशाला

किच्छाः नगर स्थित राजकीय महाविद्यालय में यूनिफॉर्म सिविल कोड उत्तराखंड "नियम 2025" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यशाला गोष्ठी का उद्देश्य प्रतिभागियों को उत्तराखंड राज्य में लागू समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) के नियमों एवं सामाजिक राजनीतिक प्रभावों के बारे में जागरूक करना था। राजकीय महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यशाला में नगर पालिका परिषद किच्छा से आए वक्ता सुशील बिष्ट एवं बालकृष्ण भट्ट ने यू.सी.सी. की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक समरसता के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजीव रतन ने कहा कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करना है और उत्तराखंड इसका पहला उदाहरण बनकर देश के लिए एक मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। इस मौके पर प्राध्यापक प्रकाश चंद भट्ट, नरेश कुमार, विजय आनंद, मनीषा पांडे मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी बधाई

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को शुभकामनाएं देते भाजपा नेता संजीव सिंह।

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नवनिर्वाचित नितिन नबीन से केंद्रीय मुख्यालय में भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नवनिर्वाचित नितिन नबीन से भेंट वार्ता के बाद भाजपा नेता संजीव सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए संगठन पर्व केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का उत्सव है और भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पारदर्शी, सहभागी और लोकतांत्रिक तरीके से अपने नेतृत्व का चयन करती है। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना से लेकर भारतीय जनता पार्टी के गठन और अब तक चुने गए राष्ट्रीय अध्यक्षों की परंपरा इस सच्चाई का जीवंत प्रमाण है कि भाजपा में बड़े पद और बड़ी जिम्मेदारियां किसी परिवारवाद से नहीं बल्कि परिश्रम, समर्पण, जनसेवा और देश सेवा के आधार पर तय होती है। इधर किच्छा में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मंत्री विशाल चौहान के नेतृत्व में तमाम कार्यकर्ताओं ने बाइपास स्थित कार्यालय में मिष्ठान वितरण किया।

कानूनी कार्रवाई नियमों के तहत हो

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः लगातार जमीनी विवादों में उलझते जा रहे विधायक अरविंद पांडेय की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार की देर शाम गदरपुर तहसील प्रशासन ने विधायक अरविंद पांडेय के आवास पर बने कैंप कार्यालय पर नोटिस चस्पा कर दिया था। प्रशासन द्वारा दिए नोटिस में 15 दिनों के भीतर कैंप कार्यालय हटाने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार को तहसील प्रशासन द्वारा कैंप कार्यालय में नोटिस चस्पा करने की खबर फैलते ही सैकड़ों समर्थक उनके निवास संतोषनगर पहुंच गए। समर्थकों ने अपनी सरकार के खिलाफ रोष प्रकट किया। इस दौरान विधायक अरविंद पांडेय ने प्रशासन की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि नायक दुश्मनों को मारता है और खलनायक अपनों को मारता है। उन्होंने कहा कि मेरे आवास के पास बना टिनशेड राहगीरों की सुविधा के लिए बनाया गया है। न्यायालय के आदेश का वह सम्मान करते हैं। अगर कोई कानूनी कार्रवाई की जाती है तो नियमों के तहत की जाए। पांडेय ने ऐलान किया कि शासन ने अगर तराई में वर्षों से रह रहे गरीब परिवारों को उजाड़ा तो वह संघर्ष करेंगे। इस मौके पर भाजपा किसान प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री अशोक हुंडिया, भाजपा वरिष्ठ नेता मोहन सिंह पानू, जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा, युवा नेता योगेश पानू मौजूद रहे।

दिनेशपुर कैंप कार्यालय में समर्थकों को संबोधित करते विधायक अरविंद पांडेय।

खनन माफियाओं का माइनिंग टीम पर हमला

दिनेशपुरः अवैध खनन सामग्री से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली रोकने पर खनन माफिया ने माइनिंग टीम के सुपरवाइजर को घायल कर दिया। सुपरवाइजर की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार को कैलाश रिवर मिनरल्स के सुपरवाइजर हर्षवर्धन ने थाने में तहरीर देकर बताया कि सोमवार की रात को माइनिंग टीम ने कालीनगर के पास खनन से भरी ट्रैक्टर ट्राली को रोकने का प्रयास किया तो ट्राली के साथ बाइक पर चल रहे जतिन और रामपाल ने अपने साथियों के साथ उन्हें घेर लिया। उनके द्वारा रायल्टी दिखाने की बात कहने पर हमलावरों ने तलवार से उनके हाथ पर वार करके घायल कर दिया।

गडरिया बाग में 8 झोपड़ियां जलीं

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गडरिया बाग नूरपुर में बुधवार शाम अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचाई। इस अग्निकांड में 8 झोपड़ियां पूरी तरह जलकर राख हो गईं। जिससे लाखों रुपये का घरेलू सामान, नगदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज नष्ट हो गए। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और अन्य चार झोपड़ियों को जलने से बचा लिया।

जानकारी के अनुसार, शाम करीब 5 बजे एक झोपड़ी से शुरू हुई आग ने तेज हवा के कारण विकराल रूप धारण कर लिया। फायरमैन दीपक बसेड़ा, प्रमोद सौन और महेश चंद की टीम ने मौके पर पहुंचकर जान जोखिम में डालते हुए काफी सामान सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, इस दौरान देवी दास, जान मोहम्मद, नरेश कुमार, आसमा बेगम, गुलशन जहां, मोना देवी, वेद प्रकाश और बेचनी देवी के आशियाने उजड़ गए। पीड़ितों के अनुसार, उनका अनाज, बिस्तर, बर्तन और हजारों की नगदी जलकर राख हो गई है। घटना के बाद तहसील प्रशासन की टीम ने मौका मुआयना कर नुकसान का आकलन किया। पीड़ितों ने शासन-प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

किच्छा में आग बुझाता दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

पूर्व दर्जा राज्य मंत्री के पुत्र की मौत

गदरपुर/गूलरभोज : कांग्रेस सरकार में पूर्व दर्जा राज्य मंत्री रहे प्रेम सिंह के 41 वर्षीय पुत्र महेंद्र सिंह की बाइक फिसलने से सड़क हादसे में मौत हो गई। महेंद्र सिंह वार्ड-6 निवासी एक मित्र के घर जन्मदिन की पार्टी में जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक वापस न लौटने और मोबाइल बंद आने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। अगले दिन पूर्व प्रधान नैन सिंह को सड़क किनारे सिंचाई गूल (नाली) में एक बाइक के नीचे शव दबा होने की सूचना मिली। पिता प्रेम सिंह ने मृतक की शिनाख्त अपने पुत्र के रूप में की। चौकी प्रभारी दीवान सिंह बिष्ट ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला बाइक फिसलने से हुआ हादसा प्रतीत हो रहा है।

जागरूकता शिविर में मौजूद पराविधिक कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

सीएचसी में कैंप लगाकर किया जागरूक

गदरपुर : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ''नालसा'' मादक द्रव्य उन्मूलन योजना-2025 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. अंजलि कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया गया। पैनल अधिवक्ता राकेश कुमार सुखीजा और पराविधिक कार्यकर्ताओं ने समाज को नशा मुक्त बनाने पर जोर दिया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निशुल्क कानूनी सेवाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कुंवर सिंह, मीना, सोनामती घोष और कुमारी दीपा सहित कुल 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे के पीड़ितों को कानूनी सहायता प्रदान कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

मुखर **किसानों ने बाजपुर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा**

धान की फसल का भुगतान न मिलने से आक्रोश

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः धान की फसल का भुगतान न मिलने से आक्रोशित किसानों ने बुधवार को बाजपुर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने एक राइस मिलर पर भुगतान में टालमटोल करने का आरोप लगाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। चेतावनी दी कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

ज्ञापन में ग्राम बांसखेड़ी निवासी कुलदीप सिंह सरना ने बताया कि उन्होंने 22 अक्टूबर 2025 को ग्राम पिपलिया स्थित राइस मिल में 135 क्विंटल धान बेचा था, जिसकी कुल कीमत लगभग 3.10 लाख रुपये है। आरोप है कि भुगतान लेने के लिए जब-जब वह मिल पर पहुंचे, मिल स्वामी द्वारा बहाने बनाकर टालमटोल की जाती रही। बार-बार मांग करने पर भी भुगतान से साफ इंकार कर दिया गया। किसानों का कहना है कि मामले की जानकारी भारतीय किसान यूनियन के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा को दी गई। इसके बाद यूनियन पदाधिकारियों के साथ मिल स्वामी से बातचीत की गई, लेकिन वहां भी भुगतान नहीं किया गया। किसानों ने एसडीएम से मामले का संज्ञान लेते हुए बकाया राशि दिलाए जाने की मांग की है। इस मौके पर भाकियू के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा, हरप्रीत सिंह निज्जर, गगन सरना, प्रिंस ढिल्लो, विक्रम सिंह गोराया, कुलदीप सरना, हरपाल सिंह विर्क मौजूद रहे।

बाजपुर के एसडीएम कार्यालय में बाबू संजीव चौहान को ज्ञापन सौंपते किसान।

साइबर ठगी से बचाव के प्रति किया जागरूक

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचारः साइबर रक्षक परियोजना के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, सोशल मीडिया सुरक्षा, डिजिटल भुगतान की सावधानियां, डेटा गोपनीयता तथा साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी गई।

बुधवार को राधा कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की संचालिका डॉ. रेखा ठाकुर, समाज सेविका सुलोचना रावत और कांस्टेबल ज्योति शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। वहीं, डॉ. रेखा ठाकुर ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी की चुनौतियों के बीच आम नागरिकों को जागरूक, सुरक्षित और सशक्त बनाने का है। बताया कि 'साइबर रक्षक परियोजना' के तहत छात्रों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, स्वयं सहायता समूहों और आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जिसमें ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, सोशल मीडिया सुरक्षा, डिजिटल भुगतान की सावधानियां, डेटा गोपनीयता तथा साइबर अपराध की स्थिति में शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

सिटी ब्रीफ

परिवहन निगम ने किया खटारा बसों को नीलाम

काशीपुर : काशीपुर डिपो में खड़ी खटारा बसों के बेड़े में से 34 बसें नीलाम हो गई हैं। अब सात साल पुरानी बसों को रूट से हटाने की तैयारी की जा रही है, क्योंकि ये बसें भी अपने किलोमीटर पूरी कर चुकी हैं। अब नई बसों को इंतजार हो रहा है। खटारा बसों के नीलाम होने से डिपो में काफी जगह खाली होगी। लंबे समय से बसों की नीलामी प्रक्रिया चलने से डिपो में खड़ी बसें कबाड़ हो रहीं थीं। अब नीलामी प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। 34 नीलाम बसों में रामनगर, काठगोदाम और काशीपुर डिपो की बसें शामिल हैं। डिपो को नई बसों का इंतजार है। अब सात साल पुरानी बसों को रूट से हटाने की तैयारी चल रही है, क्योंकि इन बसों के किलोमीटर भी पूरे हो चुके हैं। डिपो के फोरमैन मोहम्मद यामीन ने बताया कि इन 34 बसों के अलावा कुल 40 बसें मंडल की है। बाकी बसें रुद्रपुर, हल्द्वानी और भवाली डिपो में नीलाम हुई है।

डेवलपमेंट ऑन लीडरशिप कार्यशाला हुई

काशीपुर : भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर में मैनेजमेंट डेवलपमेंट ऑन लीडरशिप की कार्यशाला जारी है। कार्यशाला के तीसरे दिन प्रोफेसर सिद्धांत माथुर ने छात्रों के नेतृत्व पर मनोविज्ञान के प्रभाव के बारे में प्रशिक्षार्थियों को विस्तार से बताया। इसके अलावा प्रो. देवजनी चटर्जी ने सीखने की तकनीक एवं छात्रों पर क्या प्रभाव पड़ता है विस्तार पूर्वक चर्चा की। डॉ. मोहम्मद अली खान ने वर्तमान समय में लाइब्रेरी की छात्रों के बीच महत्व के बारे में बताया। कार्यशाला में हरेंद्र सिंह नेगी, बंसीलाल, हरेंद्र सिंह नेगी, मंजू, वीरेंद्र त्रिपाठी, सीमा शर्मा, प्लीज नेगी, रामानुज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश

बाजपुर : मुंडिया पिस्तौर में भूमि विवाद और जालसाजी का मामला सामने आया है। ग्राम बहादुरगंज निवासी संजय कुमार बंसल ने पुलिस को बताया कि उनकी खसरा संख्या 417 स्थित भूमि की देखरेख के लिए उन्होंने जयप्रकाश तिवारी को जिम्मेदारी दी थी। आरोप है कि आरोपियों ने मिलीभगत कर जमीन हड़पने के उद्देश्य से फर्जी किरायानामा और बयाना तैयार कर लिया।21 जुलाई 2025 को जब प्राधिकरण के नोटिस पर पीड़ित मौके पर पहुंचे, तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी देकर वहां से भगा दिया। पीड़ित ने बताया कि वह बीपी के मरीज हैं और उन्हें लगातार डराया जा रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जयप्रकाश तिवारी, देवानंद पांडेय, मोहन पांडेय और किसान पांडेय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पति के अवैध संबंधों का विरोध करने पर दी धमकी

बाजपुर : कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति के किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध हैं। जब उसने इस बात का विरोध किया, तो पति ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार, पति उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है और बहस करने पर तलाक देकर दूसरी महिला से शादी करने की धमकी दे रहा है।

कनौरा पुल के नीचे अजगर दिखने से हड़कंप

बाजपुर : नेशनल हाईवे-74 पर कनौरा पुल के नीचे लगातार अजगर सांप दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। बीते कुछ दिनों में ग्राम कनौरा क्षेत्र में तीन विशालकाय अजगर देखे जाने की सूचना सामने आ चुकी है। अजगर दिखाई देने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने वन विभाग को अवगत कराया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने स्थिति का जायजा लेते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

केडीएफ आर्चरी टीम के खिलाड़ियों ने झटके पदक, किया गया सम्मानित

तीरंदाजी प्रतियोगिता में केडीएफ आर्चरी टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में विजेता खिलाड़ियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचारः केडीएफ आर्चरी टीम के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रजत समेत कई पदक जीते। एक कार्यक्रम में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

काशीपुर डेवलपमेंट फोरम (केडीएफ) की आर्चरी टीम ने मुख्यमंत्री चैंपियन ट्रॉफी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद ऊधमसिंह नगर का नाम रोशन किया। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता दिनांक 19, 20 एवं 21 जनवरी को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून में आयोजित की गई। जिसमें उत्तराखंड के समस्त जनपदों की टीमों ने भाग लिया। तीरंदाजी प्रतियोगिता में केडीएफ आर्चरी टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर 14 श्रेणी में (टीम इवेंट) में अंश हरबोला, रुद्रप्रताप, सात्विक शर्मा एवं देव मियां ने रजत पदक, 30 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में अंश हरबोला ने कांस्य, 20 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रुद्रप्रताप ने रजत पदक प्राप्त किया।

इन सभी खिलाड़ियों ने यह सफलता कोच हेमचंद्र हरबोला के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण में प्राप्त की। बुधवार को केडीएफ पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित कर खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। वहां पर केडीएफ अध्यक्ष राजीव घई समेत अन्य लोग मौजूद थे।

भगवान सिंह बोरा बने बीसीसीआई लेवल-1 कोच

खटीमा : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर के खटीमा सीमावर्ती क्षेत्र के वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी भगवान सिंह बोरा निवासी चटिया फॉर्म ने बीसीसीआई लेवल-1 क्रिकेट कोच की परीक्षा उत्तीर्ण कर बीसीसीआई लेवल-1 कोच बन गए हैं। बीसीसीआई के द्वारा प्राप्त लेवल-1 कोच का प्रमाण पत्र क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के उपसचिव नूर आलम द्वारा प्रदान किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखंड के अध्यक्ष दीपक मेहरा, क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधम सिंह नगर अध्यक्ष अजय तिवारी, गौरव तिवारी, आफताब आलम, राहुल पवार समेत क्षेत्र के खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रमाण पत्र प्राप्त करते भगवान सिंह बोरा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर बुलेट सवार दो युवक घायल

बाजपुरः हल्द्वानी-बाजपुर मार्ग पर मंगलवार देर शाम बरार धर्मकांटे के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर बुलेट बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

ठाकुरद्वारा मुरादाबाद (उप्र) निवासी 23 वर्षीय अरमान अली अपने साथी 27 वर्षीय शानू के साथ बुलेट बाइक पर गूलरभोज डैम घूमने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे से जा टकराई। बताया गया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में लदे मटर के छिलकों से पानी सड़क पर गिर रहा था, जिससे मार्ग फिसलन भरा हो गया। इसी कारण बाइक अनियंत्रित होकर ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना देकर घायलों को अस्पताल भिजवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर मटर के छिलकों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के कारण आए दिन सड़क पर फिसलन बनी रहती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

फर्जी फर्म बनाने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, जसपुर

- बिजनौर एसआईटी ने किया गिरफ्तार
- मामले में दो लोग और भी वांछित बताए गए

अमृत विचारः जालसाजी कर फर्जी जीएसटी फर्म एवं बिलिंग के माध्यम से अवैध कमाई करने वाले स्थानीय चार लोगों को यूपी के बिजनौर की एसआईटी ने हिरासत में ले लिया। टीम ने आरोपियों को अपने साथ ले जाकर जेल भेज दिया। टीम ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन कूटरचित आधार कार्ड, दस अन्य आईडी, 30 फर्म खोलने के दस्तावेज एवं तीन मोबाइल के अलावा ई-वे बिल बरामद किए हैं। फर्जी जीएसटी मामले में दो लोग और भी वांछित बताए गए है।

जानकारी के मुताबिक बीते कुछ दिनों से यूपी में टैक्स चोरी एवं धोखाधड़ी के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बिजनौर के राज्य कर उपायुक्त संदीप कुमार ने शेरकोट थाने में टैक्स चोरी के छह मुकदमे दर्ज कराये थे। इन्हीं मुकदमों के अनावरण के लिए एएसपी की अध्यक्षता में एसआईटी टीम गठित की गई।

जांच के दौरान सामने आया कि फर्जी फर्मों के जरिये फर्जी व्यापार स्थल दिखाकर व्यापारिक लेनदेन करते हुए फर्जी आईटीसी लेकर टैक्स चोरी की गई। मामले में बुधवार को कार्रवाई करते हुए एसआईटी ने जसपुर क्षेत्र में छापामार कार्रवाई करते हुए पूछताछ की। टीम ने ग्राम मेघावाला निवासी इंदरजीत, मोहल्ला नई बस्ती निवासी जीशान पुत्र एवं वसीम तथा मोहल्ला छीपीयान निवासी अजमल को गिरफ्तार कर न्यायिक जेल भेज दिया। जीएसटी फर्जीवाड़े के मुख्य अभियुक्त शाहनवाज और कादिर निवासी नई बस्ती वांछित बताए गए हैं।

एसपी बिजनौर अभिषेक झा ने बताया कि आरोपियों के गैंग में कई सदस्य है। वह गरीब लोगों को निशाना बनाकर उन्हें नौकरी दिलाने, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने आदि का लालच देकर उनके बिजली बिल, पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाते से संबंधी दस्तावेज आदि कागजात लेकर फर्जी जीएसटी फर्मों का पंजीकरण कराते हैं तथा टैक्स की चोरी करते हैं। टीम में इंस्पेक्टर सचिन मलिक, नरेश पाल, राजकुमार, एसआई सुनील कुमार, हिमांशू गोस्वामी, वीरेंद्र कुमार, ललित कुमार आदि शामिल रहे।

कैबिनेट मंत्री से की किच्छा की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः युवा भाजपा नेता नरेंद्र टाकुली ने प्रदेश के कृषि कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी से शिष्टाचार भेंट कर किच्छा क्षेत्र से जुड़ी गंभीर एवं लंबे समय से लंबित जन समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की।

युवा नेता नरेंद्र टाकुली तारी ने कैबिनेट एवं उधम सिंह नगर जिला प्रभारी मंत्री गणेश जोशी से भेंट वार्ता के दौरान नगर की तमाम समस्याओं से अवगत कराते हुए समस्याओं के निस्तारण को लेकर उनका ध्यान आकर्षित किया। टाकुली ने बताया कि प्रभारी मंत्री जोशी ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार जनता की आवाज को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और संबंधित समस्याओं का शीघ्र ही पारदर्शी एवं ठोस निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से गुलदस्ता भेंट करते युवा नेता नरेंद्र टाकुली।

अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा

काशीपुरः सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत के मामले में ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वार्ड नंबर 9, हेमपुर इस्माइल निवासी विसर्जन प्रसाद पुत्र किशुन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 09 जनवरी को लगभग 6.40 बजे उसका पुत्र विक्की कुमार अपने मित्र विनोद पुत्र राजपाल निवासी शिवलालपुर डल्लू के साथ अपनी मोटरसाइकिल से हिम्मतपुर से शिवलालपुर डल्लू होते हुए कुंडेश्वरी जा रहे थे। जैसे ही वह कुंज विहार कॉलोनी के पास पहुंचे, तभी सामने से एक ट्रैक्टर के चालक ने गलत साइड में आकर उन्हें टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। ट्रैक्टर चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया।

नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः गाड़ी चलाते समय फोन न चलाएं, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, बाइक पर तीन सवारी न चलें, नशे में वाहन न चलाने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

36वां सड़क सुरक्षा माह के तहत एमपी चौक पर ज्ञानार्थी मीडिया कॉलेज के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात के प्रति जागरूक किया। मौके पर एसपी स्वप्न किशोर सिंह ने भी यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी। कहा कि नशे में वाहन चलाने से अक्सर हादसे हो जाते हैं, ऐसे में हमेशा वाहन चलाते समय नशे से दूर रहना चाहिए। कोतवाल काशीपुर हरेंद्र चौधरी ने बताया कि ई-रिक्शा व टैंपो चालकों को अपने व्यवहार में बदलाव लाने को कहा गया है। यदि किसी सवारी का सामान रह जाए, तो उसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि सवारी का सामान उस तक पहुंचाया जा सके। इसके अलावा, सड़क हादसों से बचाव के उपाय व सतर्कता बरतने की जानकारी दी गई।

इस मौके पर टीएसआई अरुण कुमार, एसआई सीपीयू रमेश कुमार, एसआई हेमचंद्र सुयाल, जसवंत सिंह, नितेश पांथरी, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में नुक्कड़ नाटक टीम के साथ पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

बेरिया रोड पर लेवड़ा पुल के निर्माण स्थल का निरीक्षण करते पीडब्ल्यूडी के अधिकारी।

बेरिया रोड व चकरपुर पुल निर्माण में आएगी तेजी

बाजपुर : क्षेत्र को बाढ़ से राहत दिलाने हेतु निर्माणाधीन बेरिया रोड और चकरपुर लेवड़ा पुल के कार्य में तेजी लाने के लिए भाजपा नेता गौरव शर्मा ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पुराने पुल को तोड़ने का कार्य 23 जनवरी से शुरू होगा, जिसके लिए एसडीएम से वार्ता कर वैकल्पिक डायवर्जन की व्यवस्था करने को कहा गया है। निरीक्षण के दौरान वन विभाग की एनओसी और विद्युत पोल शिफ्टिंग जैसी बाधाएं दूर कर ली गई हैं। गौरव शर्मा ने कार्य में देरी पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात से पूर्व मुख्य कार्य हर हाल में पूरा किया जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। इस मौके पर विनोद यादव, डॉ.विनय चौहान, रिंकू मौर्य, शेखर कुमार, सुशील कुमार, शैलेश बिश्नोई, तुषार अरोड़ा मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त पुलिया बनी जानलेवा

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचारः नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर एक में सिंचाई विभाग की नहर पर बनी पुलिया इन दिनों बड़े हादसों को दावत दे रही है। पुलिया के दोनों ओर से मिट्टी धंसने के कारण इसका संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुका है, जिससे यह मार्ग राहगीरों और स्कूली बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।

स्थानीय समाजसेवी मुस्तफा अल्वी ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिया को क्षतिग्रस्त हुए एक माह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन विभाग कुंभकर्णी नींद सोया है। प्रतिदिन छोटे बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर यहां से स्कूल जाने को मजबूर हैं। मिट्टी सरकने से पुलिया के दोनों ओर गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिससे रात के समय और बारिश में गिरने का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मरम्मत न हुई, तो कोई भी मासूम दुर्घटना का शिकार हो सकता है।

गदरपुर के वार्ड एक में क्षतिग्रस्त पुलिया। ● अमृत विचार

> मामला संज्ञान में आ चुका है। आगामी बोर्ड बैठक में इसका प्रस्ताव रखकर क्षतिग्रस्त पुलिया की तकनीकी जांच कराई जाएगी। जनहित में जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा।
> — **कैलाश सिंह पटवाल**, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद गदरपुर

निवर्तमान प्रधानाचार्य ने इच्छा मृत्यु मांगी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः पं. गोविंद बल्लभ पंत इंका के निवर्तमान प्रधानाचार्य अजय शंकर कौशिक ने सीएम पोर्टल में शिकायत दर्ज कर इच्छा मृत्यु देने की मांग की है।

पं. गोविंद बल्लभ पंत इंटर कॉलेज के निवर्तमान प्रधानाचार्य अजय शंकर कौशिक ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कहा कि वह जीबी पंत स्कूल में वर्ष 2014 से कार्यरत थे। प्रधानाचार्य का कार्यभार लेते समय विद्यालय की छात्र संख्या करीब 550 थी। अब विद्यालय की छात्र संख्या 1100 से अधिक है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम वर्ष 2023 तक बहुत अच्छा था, लेकिन 2024 से विद्यालय के परीक्षा परिणाम में लगातार गिरावट आ रही है। आरोप है कि कुछ शिक्षकों द्वारा प्रबंध समिति से मिलकर मेरी सेवाओं को बाधित किया गया। 1 फरवरी 2023 को विद्यालय की प्रबंध कार्यकारिणी ने झूठे आरोप लगाकर विद्यालय से कार्यमुक्त कर दिया। चुनाव न कराए जाने पर विद्यालय की प्रबंध कार्यकारिणी को अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक कुमाऊं मंडल नैनीताल ने भंग कर खंड शिक्षा अधिकारी काशीपुर को प्रबंध संचालक नियुक्त किया। कहा कि उनके ऊपर झूठे आरोप लगवाए गए। इससे उनके परिवार को मानसिक आघात पहुंचा है।

विविध

फायर सीजन से पहले एक्शन प्लान, 68 क्रू-स्टेशन बने

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचारः जनपद स्तरीय वनाग्नि सुरक्षा समिति की अहम बैठक में फायर सीजन से पहले बड़ा एक्शन प्लान तैयार हुआ है।

डीएम आशीष भटगांई की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में हुई बैठक में आगामी फॉरेस्ट फायर सीजन (15 फरवरी से 15 जून) को दृष्टिगत रखते हुए वनाग्नि रोकथाम, नियंत्रण एवं जनसुरक्षा को लेकर विस्तृत रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में डीएफओ आशुतोष सिंह ने बताया कि वन विभाग ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस पर डीएम ने सख्त निर्देश दिए कि रिसॉर्ट्स, गैस गोदामों, पेट्रोल पंपों, लीसा कारखानों तथा सड़क किनारे स्थित झोपड़ियों एवं दुकानों जैसे संवेदनशील स्थलों के आसपास कम से कम 10-15 मीटर क्षेत्र में पिरुल, सूखी पत्तियां, कूड़ा एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों की नियमित एवं अनिवार्य सफाई सुनिश्चित करें ताकि वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। बैठक में एडीएम योगेन्द्र सिंह, ईई पंकज कुमार, डिप्टी सीएमओ प्रशांत कौशिक, सेना व आईटीबीपी के अधिकारी मौजूद रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वनाग्नि सुरक्षा समिति की बैठक करते डीएम आशीष भटगांई।

आंकड़े बोलेः पांच वर्षों में वनाग्नि पर बड़ा नियंत्रणः विगत पांच वर्षों के आंकड़े जिले में वनाग्नि नियंत्रण के प्रयासों की सफलता स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2021 में जहां वनाग्नि की 282 घटनाएं दर्ज हुई थीं, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर मात्र 39 रह गई। प्रभावित क्षेत्रफल 516.80 हेक्टेयर से घटकर 33.50 हेक्टेयर तक आ गया है।

वनाग्नि सत्र के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पिथौरागढ़ वन प्रभाग में 68 क्रू-स्टेशन और बेरीनाग रेंज में 1 मॉडल क्रू-स्टेशन की स्थापना की गई है।

डीएम के दो नवाचारपूर्ण सुझाव

1. पिरुल उपयोग पर बड़ा कदम

यदि शुगर मिल के साथ एमओयू करें तो वन क्षेत्रों से एकत्रित पिरुल (चीड़ की सूखी पत्तियां) की आपूर्ति वहां की जा सकती है। इससे जंगलों में ज्वलनशील पदार्थों की मात्रा कम होगी, वनाग्नि नियंत्रण एवं फायर फाइटिंग सुदृढ़ होगी तथा महिला स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी।

2. सोशल मीडिया से जन-जागरूकता अभियान

वनाग्नि रोकथाम को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। फायर फाइटिंग के डूज़ एंड डोन्ट्स (क्या करें व क्या न करें) पर आधारित छोटे ई-ब्रोशर एवं संक्षिप्त वीडियो क्लिप्स तैयार कर उन्हें सोशल मीडिया एवं अन्य मीडिया माध्यमों से व्यापक रूप से प्रचारित करें।

प्रोन्नत वेतनमान के पुनर्निर्धारण आदेश पर रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने शासन से मांगा जवाब, अब 27 अप्रैल को होगी सुनवाई

अमृत विचारः उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राजकीय इंटर कॉलेजों में कार्यरत सहायक अध्यापक एलटी ग्रेड के प्रोन्नत वेतनमान के पुनर्निर्धारण के शासन के 18 दिसंबर 2025 के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तिथि नियत करते हुए सरकार को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति आलोक महरा की अवकाशकालीन खंडपीठ के समक्ष इस मामले में सुनवाई हुई। याची सेवक सिंह, गोपाल दत्त पंत, प्रमोद कुमार, धरम राम आर्य, प्यारे लाल साह और अन्य प्रवक्ताओं ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल कर सरकारी सेवक वेतन नियमावली प्रथम संशोधन 2025 एवं वित्त सचिव की ओर से प्रोन्नत वेतनमान का पुनर्निर्धारण करने के संबंध में 18 दिसंबर 2025 को जारी आदेश को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि प्रवक्ताओं और सहायक अध्यापक एलटी ग्रेड को 2026 की सरकारी सेवक वेतन नियमावली 2016 के अनुसार प्रोन्नत वेतनमान देते समय एक वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) देय है लेकिन राज्य सरकार की ओर से उस नियमावली में संशोधन कर सरकारी सेवक वेतन नियमावली प्रथम संशोधन 2025 का प्राख्यापन करते हुए इसे एक जनवरी 2016 से लागू कर दिया। जिसके अनुसार अब चयन/प्रोन्नत वेतनमान के समय प्रदत्त एक वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) को समाप्त कर दिया गया है।

वित्त सचिव द्वारा प्रोन्नत वेतनमान का पुनर्निर्धारण, संशोधित नियमावली 2025 के अनुसार करने के आदेश दिए गए हैं। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ललित सामंत ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार की ओर से किया गया संशोधन केवल शैक्षिक संवर्ग के कर्मचारियों पर लागू किया गया है। राज्य सरकार, वर्ष 2016 की वेतन नियमावली के अनुसार प्रोन्नत वेतनमान में देय एक इंक्रीमेंट को बैक डेट से समाप्त नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

आवास योजना, खाता खतौनी की समस्याएं बताई

अल्मोड़ा : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत बुधवार को अल्मोड़ा में कार्यशाला हुई। इसमें लोगों को खाता खतौनी समेत जमीनी दस्तावेजों की जानकारी दी गई। नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यशाला में सिटी मिशन मैनेजर ने योजनाओं की जानकारी लोगों को दी। मेयर अजय वर्मा ने अंतिम छोर तक बैठे सभी लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने व योजनाओं से लाभान्वित होने में आ रही कठिनाइयों के दूर करने के निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारी मुकेश भण्डारी ने जमीनी दस्तावेज, आवास योजना, खाता खतौनी में की समस्याओं के निस्तारण की जानकारी दी। सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी रमेश चन्द्र ने मत्स्य व पेंशन योजना की जानकारी दी।

अल्मोड़ा में पेयजल समस्या के समाधान की मांग

अल्मोड़ा : पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान ने अल्मोड़ा विस क्षेत्र में पेयजल समस्या हल नहीं होने पर चिंता जताई है। उन्होंने डीएम अंशुल सिंह से मुलाकात कर पेयजल समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। चौहान ने कहा पांच साल पहले करोड़ों की लागत से खत्याड़ी ग्राम समूह पंपिंग योजना का निर्माण शुरू हुआ था। योजना से मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल, खत्याड़ी, लोधिया, चौमू आदि गांवों को पेयजल उपलब्ध होना था। गांवों में लाइन बिछ गई है। एक किमी लाइन नहीं डाली जा सकी है। इस कारण योजना में पानी चलाना संभव नहीं हो पा रहा।

हर पात्र को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ, समस्याओं का करें निस्तारण

'प्रशासन गांव की ओर' के तहत जलागम परिषद के उपाध्यक्ष शंकर कोरंगा ने सुनीं समस्याएं

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: राज्य सरकार की "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" पहल के तहत जनपद में "प्रशासन गांव की ओर" अभियान संचालित किया जा रहा है। मंगलवार को न्याय पंचायत हवालबाग में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। समस्याएं लेकर पहुंचे ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

शिविर में राज्य स्तरीय जलागम परिषद के उपाध्यक्ष शंकर कोरंगा ने प्रतिभाग करते हुए आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। उपाध्यक्ष कोरंगा द्वारा शिविर में लगाए गए विभागीय स्टालों का निरीक्षण भी किया गया तथा पात्र व्यक्तियों को अधिक से अधिक योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों का नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाएगा। न्याय पंचायत हवालबाग में आयोजित शिविर से 330 लोग लाभान्वित हुए। प्राप्त अधिकांश शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शिविर में समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, कृषि, उद्यान, विद्युत, पेयजल सहित विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल लगाए गए, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा मौके पर ही आवेदन, पंजीकरण एवं समस्याओं का समाधान किया गया। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि शिविरों का उद्देश्य जनता को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर से मुक्ति दिलाना है तथा शासन-प्रशासन को सीधे जनता से जोड़ना है। राज्य सरकार जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से सेवा वितरण को और अधिक सरल बना रही है।

हवालबाग में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते जलागम परिषद के उपाध्यक्ष। ● अमृत विचार

1197 लाभार्थियों को मिला विभिन्न सेवाओं व योजनाओं का लाभ

अल्मोड़ा : "प्रशासन गांव की ओर" अभियान के तहत छानागोलू न्याय पंचायत में आयोजित शिविर में विधायक द्वाराहाट मदन बिष्ट एवं संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत गौरी प्रभात ने प्रतिभाग किया। उन्होंने जनसमस्याओं को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। शिविर के दौरान 1197 लाभार्थियों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। प्राप्त अधिकांश शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

सड़क हादसे में पीड़ित की मदद करने पर मिलेगी कानूनी सुरक्षा

टनकपुर : परिवहन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा माह के तहत एमडीएम एजुकेशनल एकेडमी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 250 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

एआरटीओ सुरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को निर्देशात्मक, चेतावनी एवं सूचनात्मक यातायात संकेतकों, यातायात नियमों तथा सड़क पर बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि सड़क हादसे में पीड़ित की मदद करने पर लोगों को कानूनी सुरक्षा मिलेगी।उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का संकल्प है। उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन करने तथा एक जिम्मेदार यात्री और नागरिक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर छात्रों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग, तेज गति से वाहन न चलाके लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में परिवहन उपनिरीक्षक आनंद सिंह बिष्ट, परिवहन सहायक निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, निशा जोशी, किशन आर्या, नीरज कुमार, विद्यालय प्रबंधक एडवोकेट धर्मेंद्र चन्द, प्रधानाचार्य सुनीता चन्द, रेखा चन्द,एससी बिष्ट, टी पडियार, पूजा परगाईं रहे।

वाहन फिटनेस एटीएस में कराने का विरोध शुरू

द्वाराहाट में बुधवार को धरना-प्रदर्शन करते यूकेडी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: वाहनों के फिटनेस एटीएस सेंटर में ही होने के शासनादेश को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को द्वाराहाट में यूकेडी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सरकार से शासनादेश वापस लेने की मांग उठाई। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

नगर के त्रिमूति चौराहे पर आयोजित धरना स्थल पर पार्टी के नेता व पूर्व विधायक पुष्पेश त्रिपाठी ने कहा कि सच्चाई यह है कि आज तक एक भी सरकारी एटीएस सेंटर स्थापित नहीं किया गया है। इसके बावजूद वाहन चालकों को मजबूर किया जा रहा है कि वह निजी एटीएस सेंटरों में जाकर फिटनेस कराए। जहा उनसे मनमानी फीस वसूली जा रही है। कहा यह फैसला न तो जमीनी हकीकत को समझकर लिया गया है और न ही किसी तरह की पूर्व व्यवस्था की गई है। रोज की कमाई पर निर्भर टैक्सी चालक और छोटे वाहन स्वामी इस अचानक थोपे गए आदेश से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। निजी सेंटरों को फायदा पहुंचाने के लिए नियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि टैक्सी और व्यावसायिक वाहन चालकों का शोषण किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सरकार से जल्द शासनादेश वापस लेने की मांग उठाई। प्रदर्शन करने वालों में गोविन्द सिंह अधिकारी, वीरेन्द्र बजेठा, दान सिंह, गोपाल सिंह रौतेला, आनन्द सिंह किरौला, जगत सिंह रौतेला, मोहन नाथ गोस्वामी, संतोष कुमार, भरत साह, हेम रौतेला, रोहित चौधरी आदि रहे।

सड़क सुधार कार्य को 3.20 करोड़ मंजूर

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूती

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी नेतृत्व में चम्पावत जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में खेतीखान-सुयालखर्क-पुनावे मिलान मोटर मार्ग के 3.925 किलोमीटर लंबे हिस्से के सुधारीकरण एवं डामरीकरण को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के लिए 320.01 लाख रुपये की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

राज्य योजना के अंतर्गत यह कार्य किलोमीटर 8.00 से सुयालखर्क-पुनावे मिलान मोटर मार्ग तक किया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य न केवल क्षेत्रीय आवागमन को सुगम बनाना है, बल्कि ग्रामीण इलाकों की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी गति प्रदान करना है। मुख्य अभियंता, क्षेत्रीय कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा द्वारा प्रस्तुत विस्तृत आगणन के बाद इस परियोजना को स्वीकृति दी गई। डीएम मनीष कुमार ने कहा कि यह परियोजना चम्पावत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि परियोजना से लोगों की दैनिक आवाजाही आसान होगी और शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार से जुड़ी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी।

परियोजना के पूरा होने के बाद ग्रामीण क्षेत्र न केवल अधिक जुड़े होंगे, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि भी देखने को मिलेगी। यह मार्ग स्थानीय किसानों, व्यापारियों और आम जनता के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

जिलाधिकारी की पहल पर महिला को मिला कृत्रिम पैर

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: न्याय पंचायत वल्सों स्थित पीएम अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज मैदान, चौमेल में 7 जनवरी को आयोजित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के दौरान ग्राम सुतेड़ा निवासी 50 वर्षीय मोती देवी पत्नी पूरन सिंह द्वारा अपने पैर की गंभीर समस्या को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई।

मोती देवी को वर्ष 2020 से अज्ञात कारणों से पैर में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी, जिसके कारण उन्हें अपना एक पैर गवाना पड़ा जिसके चलते उनका चलना-फिरना अत्यन्त कठिन हो गया था और दैनिक जीवन भी प्रभावित हो रहा था। पीड़िता की समस्या को मानवीय संवेदनशीलता के साथ गंभीरता से लेते हुए डीएम मनीष कुमार ने अपने स्तर से तत्काल समाज कल्याण विभाग के माध्यम से उधम सिंह नगर से समन्वय स्थापित कर कृत्रिम पैर की व्यवस्था कराई। रुद्रपुर से आई विशेषज्ञ तकनीकी टीम द्वारा मोती देवी के निवास पर जाकर उन्हें कृत्रिम पैर सफलतापूर्वक लगाया गया। इसके साथ ही भविष्य में किसी भी तकनीकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक अतिरिक्त कृत्रिम पैर तथा आवश्यक सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए।

रेलवे ने 58 स्थानों पर चस्पा किए नोटिस

- सात दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने का दिया निर्देश
- रेलवे वार्ड के लोगों ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे वार्ड और कॉलोनी में 58 भवनों पर अतिक्रमण हटाने के नोटिस चस्पा किए जाने से लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। नोटिस में सात दिनों के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मामला वर्तमान में उच्च न्यायालय में लंबित है। इसके बावजूद रेलवे द्वारा नोटिस चस्पा कर लोगों का मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। मंगलवार को सभासद के नेतृत्व में प्रभावित लोगों ने टनकपुर स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर रेलवे की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। वहीं बुधवार को लोगों ने बैठक कर स्थानीय प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। सभासद दिलदार अली ने बताया कि रेलवे द्वारा रेलवे वार्ड और कॉलोनी में सड़क किनारे बने भवनों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं। नोटिस में अतिक्रमण हटाने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद रेलवे ने यह कार्रवाई की है। स्थानीय लोगों ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय में भी ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

टनकपुर स्थित सीएम कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपते लोग। ● अमृत विचार

टूर्नामेंट के शुभारंभ में मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर यादव को स्मृति चिन्ह देते आयोजक।

रानीखेत में श्री राम क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

रानीखेत : सेना के नरसिंह मैदान में जय श्रीराम क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन शुरू हुआ। यह टूर्नामेंट इस बार अपने सातवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इसमें उत्तराखंड की 32 टीमों ने भाग लिया। मैदान पर टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि केआर सी कमांडेंट ब्रिगेडियर संजय यादव वीएसएम ने पूजा-अर्चना के साथ किया। इस अवसर पर जीएसओ-1 कर्नल बीबी थापा भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय लिया और उन्हें सफलता की शुभकामनाएं दी। आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। आयोजक मंडल के सदस्यों ने बताया कि विजेता टीम के लिए नकद पुरस्कार 1,11,000 और उपविजेता टीम के लिए 51,000 रखे गए हैं। साथ ही दोनों टीमों को शानदार ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। टूर्नामेंट में प्रवेश शुल्क 55 रखा गया था और प्रवेश 18 जनवरी तक हुए।

बेलवाल गांव बनी अपराध मुक्त ग्राम सभा

- खुली बैठक में सिविल जज की ओर से ग्राम पंचायत को अपराध मुक्त ग्राम सभा पुरस्कार से सम्मानित किया गया

अल्मोड़ा, संवाददाता

अमृत विचार: विकासखंड भैंसियाछाना की ग्राम पंचायत बेलवाल गांव में बुधवार को खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने अपने समस्याओं और प्रस्तावित विकास कार्यों पर चर्चा की। इस अवसर पर कई विकास प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से सहमति बनी।

सिविल जज की ओर से ग्राम पंचायत को अपराध मुक्त ग्राम सभा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी शीतल सिंह सत्यपाल ने यह सर्टिफिकेट नव नियुक्त ग्राम प्रधान सुनीता मेहरा को सौंपा। बैठक में जमराड़ी में पशु सेवा केंद्र खोलने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से मंजूर किया गया। इसके अलावा जमराड़ी-भनल गांव सड़क मार्ग का मुद्दा उठाया गया और लोक निर्माण विभाग से समाधान की मांग की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण और गांव के विकास व सुंदर ग्राम पंचायत बनाने के लिए विभिन्न निर्माण कार्यों का खाका भी तैयार किया गया। बैठक में पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य रमेश जड़ौत, महेंद्र सिंह जड़ौत, प्रधान प्रतिनिधि ललित मेहरा, पूर्व प्रधान दुलप सिंह, मदन सिंह, किशन सिंह, कृष्ण सिंह, सोबन सिंह, मोहन सिंह, हरक सिंह, त्रिलोक सिंह, शांति देवी, महेंद्र सिंह मेहरा, कमला देवी रहे।

ग्राम प्रधान को अपराध मुक्त ग्राम सभा का सर्टिफिकेट सौंपते ग्राम विकास अधिकारी।

वेतन विसंगति दूर करने की उठाई मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: 18 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने विरोध दर्ज कराया। बुधवार को अल्मोड़ा के हवालबाग ब्लॉक कार्यालय में आयोजित गेट मीटिंग के दौरान कर्मचारियों ने वेतन विसंगति और गोल्डन कार्ड से जुड़ी विसंगतियों को शीघ्र दूर करने की मांग उठाई। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगें पूरी नहीं की गईं तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

गेट मीटिंग में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने भाग लिया। कर्मचारियों का कहना था कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद अब तक गोल्डन कार्ड से संबंधित विसंगतियां दूर नहीं की गई हैं। इसी प्रकार वेतन विसंगति की समस्या भी यथावत बनी हुई है। कर्मचारियों ने सेवाकाल में तीन पदोन्नतियां प्राप्त न हो पाने की स्थिति में 10, 16 एवं 26 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर एसीपी के तहत पदोन्नत वेतनमान दिए जाने, पदोन्नति में शिथिलीकरण, पुरानी पेंशन योजना लागू करने सहित अन्य मांगें भी रखीं। हवालबाग ब्लॉक कार्यालय में विरोध प्रदर्शन करने वालों में परिषद के जिलाध्यक्ष उमापति पाण्डेय सहित रमेश कनवाल, दिनेश लाल साह, पंकज सुनौरी, पंकज रौतेला, प्रमोद जोशी, चंद्र सिंह रावत, सुमन जोशी, हरीश बिष्ट, तनुज गोस्वामी, प्रमेंद्र पांडे, मंजूषा नगरकोटी, आशा भैसोड़ा, हर्षिता पांडे समेत अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

हवालबाग ब्लॉक कार्यालय में बुधवार को गेट मीटिंग कर विरोध जताते कर्मचारी।

बदहाली

सीईओ को दिए विद्यालय भवन की मरम्मत के लिए शीघ्र प्रस्ताव बनाने के निर्देश

अमसरकोट में स्कूल की जर्जर छत देख डीएम हैरान

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने अमसरकोट स्थित प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षण गुणवत्ता और भौतिक संसाधनों का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय भवन की जर्जर छत देखकर हैरानी जताई और कहा कि इस स्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी आशाराम चौधरी को निर्देश दिए कि विद्यालय भवन की मरम्मत हेतु तत्काल प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी सरकारी कार्यक्रम का बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी भी ली। प्रधानाचार्य को निर्देश दिए गए कि शिक्षण स्तर में निरंतर सुधार और नवाचारात्मक प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने समस्त विकास खंडों में सभी विद्यालयों का निरीक्षण कर विभवन सुरक्षा, शैक्षणिक गुणवत्ता और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। उनका उद्देश्य समयबद्ध सुधार के जरिए सभी विद्यालयों में सुरक्षित और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है।

निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, तहसीलदार ॠतु गोस्वामी, एआरटीओ अमित कुमार, सहायक निबंधक आशीष शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय अमसरकोट में बच्चों के साथ जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे।

एसएसबी ने लगाया चिकित्सा शिविर

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार: 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सितारगंज द्वारा भारत-नेपाल सीमा से सटे सीमावर्ती ग्राम नई बस्ती में निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रगीत गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सीमा चौकी धनुषपूल में कमांडेंट मनोहर लाल के निर्देशन में संपन्न हुआ।

चिकित्सा शिविर का संचालन उप कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. आहुति सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा राष्ट्र निर्माण में इसके महत्व पर ग्रामीणों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, एकता और स्वतंत्रता संग्राम की चेतना का प्रतीक है। इसके पश्चात जवानों एवं ग्रामीणों ने पूरे सम्मान, उत्साह और देशभक्ति के साथ सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया। चिकित्सा शिविर के दौरान कुल 80 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। उन्हें वायरल संक्रमण, मौसमी बीमारियों, तेज बुखार एवं दीर्घकालिक रोगों से संबंधित चिकित्सीय परामर्श दिया गया तथा आवश्यक दवाइयां भी वितरित की गईं। इस मौके पर सहायक कमांडेंट संतोष कुमार, सहायक उप निरीक्षक मकान सिंह, सुनील कुमार यादव, प्रदीप कुमार रहे।

चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों की जांच करतीं चिकित्सक। ● अमृत विचार

मयंक लेंगे मुए थाई चैंपियनशिप में भाग

चम्पावत : चम्पावत जिले के पाटी ब्लाक के युवा खिलाड़ी मयंक गहतोड़ी को बड़ी सफलता मिली है। उनका चयन सातवीं सीनियर राष्ट्रीय मुए थाई चैंपियनशिप 2026 के लिए हो गया है। वह इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता यूनाइटेड मुएथाई एसोसिएशन आफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। यह 22 से 25 जनवरी तक हैदराबाद के एसएस कन्वेंशन हॉल में होगी। देशभर से लगभग 800 से अधिक खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे, जो राष्ट्रीय स्तर पर मुक्केबाजी के इस रोमांचक खेल में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

अमृत विचार

गुरुवार, 22 जनवरी 2026

जिस तरह से विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग, चाहे अच्छा हो या बुरा भगवान तक जाता है।

–स्वामी विवेकानंद

भाजपा में नवीन युग

पार्टी के पैदा होने के बाद जन्म लेने वाले 45 साल के नितिन नवीन भाजपा यानी दुनिया की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक व्यक्ति का उदय नहीं, बल्कि राजनीति की कार्यशैली में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। स्वाभाविक है कि इसका असर अन्य दलों पर भी पड़ेगा और वहां भी युवा नेतृत्व को आगे लाने का दबाव बनेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल या अन्य तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह सवाल उठ सकता है कि क्या वे भी नेतृत्व की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने का साहस कर सकते हैं। यदि वास्तव में युवाओं को निर्णायक जिम्मेदारी मिलती है, तो पार्टी व राजनीति दोनों में कुछ सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं। युवाओं की सोच अपेक्षाकृत अधिक तकनीक-संवेदी, डेटा-आधारित और परिणामोन्मुख होती है। संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सोशल मीडिया व जमीनी नेटवर्क का बेहतर तालमेल और जाति-गणित से आगे बढ़कर विकास व अवसर की राजनीति को प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। हालांकि अनुभव की कमी एक चुनौती रहेगी, लेकिन सही मार्गदर्शन के साथ यह कमजोरी ताकत में बदली जा सकती है। संभव है संसदीय बोर्ड और राष्ट्रीय महासचिव जैसे शीर्ष निकायों में भी युवा बदलाव आए। कार्यकारिणी में 60-70 प्रतिशत युवाओं को शामिल करने का वादा कठिन जरूर है, पर असंभव नहीं। इसके लिए संगठन को वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा के संतुलन का मॉडल अपनाना होगा। नए अध्यक्ष के सामने तात्कालिक चुनौती संगठनात्मक अनुशासन यथावत रखने और आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन सुधारने की होगी, जबकि दीर्घकालिक चुनौती 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है, जो परिसीमन के बाद होंगे। सरकार, संघ और संगठन के बीच तालमेल बैठाना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

यूपी की राजनीति नितिन नवीन के लिए निर्णायक साबित होगी। 2027 में सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य संगठन पर भारी दबाव डालेगा। लोकसभा चुनाव में पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक समीकरण का असर दिख चुका है, जिसकी काट के लिए सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी डिलीवरी पर जोर देना होगा। दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में भी परीक्षा कम नहीं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी के चुनाव भाजपा के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां पेश करते हैं। असम में वापसी और बंगाल में जीत संभव है, लेकिन तमिलनाडु व केरल में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना दीर्घकालिक रणनीति मांगता है। महिला आरक्षण लागू होने की स्थिति में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों का चयन संगठनात्मक ढांचे को नए सिरे से गढ़ने की मांग करेगा। परिसीमन के बाद उत्तर-दक्षिण संतुलन और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर सहमति बनाना भी नवीन के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियां होंगी। साथ ही 2029 तक नरेंद्र मोदी के बाद के नेतृत्व को लेकर चलने वाली अटकलों के बीच उन्हें आलाकमान के फैसलों और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे युवा ऊर्जा को संस्थागत अनुशासन और वैचारिक निरंतरता के साथ कितनी कुशलता से जोड़ पाते हैं।

प्रसंगवश

संघ का सतत सेवा कार्य

भारतीय समाज अपनी सहनशीलता और समन्वय की क्षमता के लिए विश्वविख्यात है। इस विशाल समाज के बीच यदि कोई संस्था अपने ध्येय, अनुशासन और सात्विक सेवा के कारण जनमानस के हृदय में स्थान बनाए हुए है, तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा मात्र एक शाखा से रोपित यह बीज आज विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के रूप में वटवृक्ष बन चुका है। संघ का लक्ष्य राजनीतिक लाभ या प्रचार नहीं, बल्कि एक संगठित, सशक्त और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है, जिसे वह चरित्र निर्माण और सतत सेवा के जरिए पूरा करता है। संघ की सेवा-परंपरा "सबका हित, सबका उन्नयन" के मूल चिंतन का विस्तार है। संघ मानता है कि समाज तभी प्रगति कर सकता है, जब प्रत्येक नागरिक एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायी बने। यही कारण है कि शाखा-व्यवस्था में शारीरिक और बौद्धिक संस्कारों के साथ-साथ 'सेवा' को प्रमुख स्थान दिया गया। आज संघ और उसके प्रेरित संगठनों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामविकास और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हजारों प्रकल्प सक्रिय हैं, जो किसी प्रचार के बिना मौन तपस्या की तरह कार्य कर रहे हैं। संघ के सेवा-कार्य का आधार उसका स्वयंसेवक है, जो किसी वेतन या पुरस्कार की अपेक्षा के बिना राष्ट्र-समर्पण के भाव से कार्य करता है। शाखाओं में यह भाव जागृत किया जाता है कि "समाज की पीड़ा मेरी पीड़ा है।" इसीलिए संघ का कार्य राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना निरंतर और आत्मनिष्ठा पर आधारित रहता है। आज सुदूर ग्रामीण इलाकों, जनजातीय क्षेत्रों और शहरी मलिन बस्तियों तक सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम और राष्ट्रीय सेवा भारती जैसे संगठन सक्रिय हैं।

प्रो. विवेकानंद तिवारी

अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती और एकल विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उसे भारतीय मूल्यों और सामाजिक समरसता से जोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा भारती के चल चिकित्सा केंद्र, निःशुल्क अस्पताल और रक्तदान शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान स्वयंसेवकों ने भोजन वितरण से लेकर अंतिम संस्कार तक के कार्यों को जिस निष्ठा से संपन्न किया, उसने इस सेवा-तंत्र की सक्षमता को सिद्ध कर दिया। ग्रामविकास और आपदा प्रबंधनः दीनदयाल शोध संस्थान जैसे प्रकल्पों ने 'समग्र ग्राम विकास' का मॉडल प्रस्तुत किया है, जो आत्मनिर्भर ग्रामों का निर्माण करता है। इसी प्रकार वनवासी कल्याण आश्रम जनजातीय समाज के उत्थान और संस्कृति-संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आपदा प्रबंधन में भी संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वाली टोली होते हैं। भूकंप, बाढ़ या महामारी हर संकट में स्वयंसेवकों ने बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास के कार्य किए हैं।

संघ के सेवा-कार्य का सबसे अद्भुत पक्ष यह है कि ये कार्य किसी एक केंद्रीय आदेश से नियंत्रित नहीं होते। प्रत्येक स्वयंसेवक, प्रत्येक शाखा, प्रत्येक विभाग और प्रत्येक आनुषंगिक संगठन सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वयं ही प्रकल्प प्रारंभ करता है। संघ की रचना लोकतांत्रिक, विकेंद्रित और आत्मनिर्भर है। इसीलिए यह सेवा-कार्य लंबी अवधि तक स्थिर, प्रभावी और सतत बना रहता है। संघ अपने स्वयंसेवकों को केवल सेवा का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, समरसता, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का मार्ग दिखाता है। संघ का सेवा-कार्य किसी एक व्यक्ति, संगठन या नेतृत्व पर आधारित नहीं है, यह समाज की अपनी शक्ति, समाज की अपनी संवेदना और समाज की अपनी रचनात्मकता का विस्तार है। सेवा केवल सहायता नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम है और यही परिवर्तन संघ के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

आरएसएस के पंच परिवर्तन से समाज में आएगा बदलाव

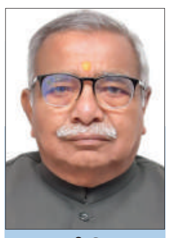

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी स्वयंसेवी सामाजिक संगठन है, जो कहीं से भी अनुदान नहीं लेता, बल्कि अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से देश के लोगों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना बीते सौ सालों से जगा रहा है। विक्रम संवत 1982 में विजयादशमी अर्थात 27 सितंबर 1925 को नागपुर में संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इस कार्य की शुरुआत हुई थी और अपनी शाखाओं के माध्यम से और समाज की सहभागिता से संगठन सौ वर्षों से निरंतर इस कार्य को कर रहा है।

संघ की स्थापना डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष प्रतिपदा अर्थात पहली अप्रैल 1889 को जन्मे केशव बचपन में एक स्कूल में पढ़ते थे, जहां निरीक्षण के लिए अंग्रेज इंस्पेक्टर आया, तो उसके स्वागत में अपने साथियों के साथ वंदेमातरम् का गायन किया और परिणामस्वरूप उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। डॉक्टरी की पढ़ाई करने कोलकाता गए, तो वहां क्रांतिकारियों के संगठन से जुड़ गए और 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरु हुए असहयोग आंदोलन में सत्याग्रह कर जेल गए जहां एक साल रहे। कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना होने के बाद वे जीवनपर्यंत इसी कार्य में लगे रहे। उनकी ध्येय निष्ठा और लगन का ही परिणाम है कि इस समय देश के 924 जिलों में से 98 फीसद से अधिक में संघ की शाखाएं चल रही हैं।

इन सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है। अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ ने संगठन को समाज व्यापी बनाने के लिए कई कार्यों का प्रारंभ किया है, जिनमें सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कार्य है पंच परिवर्तन। संघ मानता है कि राजनीतिक सत्ता पर आश्रित न रहकर समाज आधारित रचनाएं खड़ी करने के आग्रह के कारण परिवर्तन शास्वत परिणाम में परिवर्तित होता है। संघ की शाखाओं में इस बात को लेकर एक गीत "केवल सत्ता से मत करना परिवर्तन की आस, जागृत जनता के केन्द्रों से होगा अमर समाज" गाया जाता है। बस इसी गीत को चरितार्थ करने और समाज के स्वभाव में समरस करने के भाव से संघ ने पांच विशिष्ट कार्य अपने हाथ में लिए हैं, जिनमें सबसे पहला है "सामाजिक समरसता"।

सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है।

देश की स्वतंत्रता के बाद बने संविधान में राजनीतिक समानता और सामाजिक समरसता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। सामाजिक समानता बंधुता के बिना नहीं आ सकती है, भेदभाव की भावना से मुक्त हुए बिना समानता बहुत ही कठिन कार्य है। सामाजिक समरसता हिंदू समाज की स्वाभाविक विशेषता है, लेकिन विभिन्न कारणों से सामाजिक भेदभाव और कुरीतियों का लंबे समय तक प्रचलन रहा, जिसके परिणामस्वरूप समाज के कुछ अंगों को लगातार प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करना अति आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण भी गीता में कहते हैं कि चारो वर्ण गुण और कर्म पर आधारित हैं, न कि जन्म पर।

किसी भी धर्मग्रंथ में भी जन्म आधारित भेदभाव का जिक्र नहीं है और कोई भी कार्य ऊंचा या नीचा नहीं होता है। धर्म के अनुरूप समाज के हित में किया गया हर कार्य सत्कर्म होता है। शारीरिक कार्य भी उतना ही अधिक महत्व रखता है जितना बौद्धिक कार्य, लेकिन बीच के काल में हमारे समाज में यह बुराई आ गई कि जो जिस परिवार में जन्मा उसे उसी कार्य को करने का अधिकार है। संघ कहता है "हिन्दवः सोदरा सर्वे, न हिन्दु पतितो भवेत" अर्थात सारे हिन्दू भाई हैं और कोई भी पतित नहीं है। समरसता के भाव से ही समाज में समानता आती है। मंदिर में प्रवेश, जल के स्रोत, श्मशान व सार्वजनिक क्षेत्र सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हों, यह कार्य सभी को मिलकर सुनिश्चित करना होगा। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा आयाम पर्यावरण संरक्षण है। पर्यावरण असंतुलन आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। पर्यावरणीय असंतुलन के परिणाम स्वरूप "ग्लोबल वार्मिंग" का खतरा हर ओर मंडरा रहा है, जिसे ठीक करने के लिए सबको मिलकर आगे आना होगा। जंगलों के महत्व को समझने के साथ ही पानी का संतुलित उपयोग करना होगा।

पंच परिवर्तन में तीसरा कार्य कुटुंब प्रबोधन का है। भारतीय दर्शन में परिवार को समाज की सबसे छोटी इकाई माना गया है। हमें अपने परिवारों में पुत्र-पुत्रियों, नाती-पोतों के साथ आनंद के संग रहना चाहिए। घर में यदि रोज न संभव हो, तो सप्ताह में एक दिन सब मिलकर मोबाइल और टीवी से दूरकर साथ भोजन और भजन करें। एक दूसरे के साथ मधुर संवाद करते हुए मातृशक्ति का सम्मान करें और समाज के सामने आदर्श हिंदू परिवार का उदाहरण प्रस्तुत करें।

स्व की भावना का संचार करना चौथा परिवर्तन है। आर्थिक हों या सांस्कृतिक हर क्षेत्र में हमें स्व की भावना को सर्वोपरि रखते हुए अपने पैरों पर खड़े होना है। स्वदेशी जीवनशैली न केवल आर्थिक, बल्कि व्यापक और व्यावहारिक बदलाव लाएगी। स्वभाषा, स्वभूषा और स्वसंस्कृति को समझने के साथ ही उसे अपनाते हुए गर्वानुभूति होना चाहिए। पांचवां और अंतिम परिवर्तन नागरिक कर्तव्यबोध और शिष्टाचार है। प्रत्येक नागरिक में यह बोध जगाना होगा कि वे अपने देश के संविधान, प्रतीकों और राष्ट्रीयता का सम्मान करें। चुनावों को देशहित में मानते हुए मतदान अवश्य करें। सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें। व्यक्तिगत रूप से नागरिक कर्तव्यों का पालन करने से ही जागृत समाज का निर्माण हो सकेगा।

आमने

नई भाजपा के अंदर अब मजबूत व्यक्तित्व वाले और अपनी ख़ुद की राजनैतिक जमीन वाले नेताओं के लिए क्या बचा है? नितिन को बॉस कहकर वो अपने अहम को आश्वस्त कर रहे हैं कि उनको "संजय जोशी" या "नितिन गडकरी" को बॉस कहने में कितनी तकलीफ होती। मोदी ने अपने पीएम बनने के बाद किसी भी महत्वपूर्ण पद पर किसी मजबूत व्यक्तित्व को नहीं बैठने दिया। – **सौरभ भारद्वाज** दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, आप

सामने

जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है और जो केवल एक व्यक्ति के इशारों पर चलती है, उसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आप चार लोगों का गैंग है, उन्हें राजनीतिक पार्टी कोई मानता नहीं है और उनसे ये आशा करना कि पीएम मोदी के बयान की गरिमा समझ आएगी ऐसी हम उनसे आशा भी नहीं करते हैं। – **कपिल मिश्रा**, बीजेपी उपाध्यक्ष, दिल्ली

नारी शक्तिः भारत @2047 की आधार स्तंभ

डॉ सुनिधि मिश्रा

स्वतंत्र लेखिका

भारत @2047 का विजन केवल तेज आर्थिक वृद्धि, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर या वैश्विक शक्ति बनने तक सीमित नहीं है। यह सपना एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानव-केंद्रित विकास की कल्पना करता है, जिसमें महिलाओं की भूमिका केंद्रीय हो। आज की भारतीय महिलाएं अब केवल बदलाव की प्रतीक नहीं रहीं, वे बदलाव की दिशा और गति दोनों तय कर रही हैं। हाल के वर्षों के सर्वे, रिपोर्ट और आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि महिला शक्ति भारत के भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकती है। शिक्षा इस परिवर्तन की पहली और सबसे मजबूत कड़ी है।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (2021-22) के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन लगभग 49–50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह अपने आप में ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि कुछ दशक पहले तक उच्च शिक्षा पर पुरुषों का वर्चस्व माना जाता था। आज महिलाएं न केवल कला और सामाजिक विज्ञान, बल्कि विज्ञान, चिकित्सा, प्रबंधन और तकनीकी विषयों में भी आगे बढ़ रही हैं। यह बदलाव केवल डिग्रियों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि आने वाले वर्षों में एक कुशल, आत्मनिर्भर और जागरूक महिला कार्यबल की नींव रख रहा है, जो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा, जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा।

शिक्षा के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण आर्थिक भागीदारी का है। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (2023-24) बताता है कि भारत में महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर बढ़कर लगभग 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2017-18 के मुकाबले एक उल्लेखनीय वृद्धि है। यह दर्शाता है कि महिलाएं धीरे-धीरे कार्यबल में अपनी जगह बना रही हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि अधिक दिखाई देती है, जहां महिलाएं कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग और स्वयं सहायता समूहों के जरिये आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि अभी बड़ी संख्या में महिलाएं अनौपचारिक और असुरक्षित कामों में लगी हैं, लेकिन यह बढ़ती भागीदारी भविष्य के औपचारिक व गुणवत्तापूर्ण रोजगार की दिशा में पहला कदम है।

स्वयं सहायता समूह आंदोलन भारत में महिला सशक्तिकरण की सबसे सफल कहानियों में से एक बन चुका है। विश्व बैंक और ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़कर माइक्रो-क्रेडिट, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन समूहों ने महिलाओं को केवल आय का साधन नहीं दिया, बल्कि निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक सम्मान भी दिया है। यह नीचे से ऊपर आने वाला विकास मॉडल भारत @2047 के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विकास को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखता।

डिजिटल इंडिया ने महिला शक्ति को एक नया आयाम दिया है। आईएमएआई और अन्य डिजिटल सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है और यह लगातार बढ़ रही है। डिजिटल भुगतान, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शिक्षा ने महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। आज एक ग्रामीण महिला भी मोबाइल फोन के जरिए बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकती है, ऑनलाइन प्रशिक्षण ले सकती है और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकती है। यह डिजिटल सशक्तिकरण भारत @2047 के उस सपने को मजबूत करता है, जहां विकास समावेशी और तकनीक-आधारित हो। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में महिलाएं विकसित भारत की आधारशिला हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं-यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन साथ ही यह भी सच है कि मातृ स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। महिलाएं अब केवल परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को लेकर निर्णय लेने वाली बन रही हैं। स्वस्थ महिला का अर्थ है स्वस्थ परिवार और स्वस्थ भविष्य की पीढ़ी, जो भारत @2047 के मानव संसाधन को मजबूत बनाएगा।

नेतृत्व और शासन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका भी भारत के विकास की दिशा बदल रही है। पंचायत स्तर पर महिला प्रतिनिधित्व कई राज्यों में लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे शिक्षा, जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिकता मिली है। शोध बताते हैं कि महिला नेतृत्व वाले क्षेत्रों में सामाजिक सूचकांक बेहतर होते हैं।

नई पीढ़ी की महिलाएं भारत @2047 की सबसे बड़ी शक्ति हैं। वे परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही हैं। वे करियर, परिवार, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान सबको एक साथ महत्व देना चाहती हैं। यह सोच भारत के विकास को अधिक मानवीय और टिकाऊ बना सकती है। चुनौतियां अब भी मौजूद हैं- समान वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, डिजिटल सुरक्षा और सामाजिक सोच में बदलाव,लेकिन सकारात्मक संकेत यह है कि दिशा स्पष्ट है और गति भी।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा, क्योंकि महिलाओं पर किया गया हर निवेश शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के रूप में कई गुना लौटता है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो केवल वे ही नहीं बढ़तीं, पूरा देश आगे बढ़ता है।

सोशल फोरम

किताबों की ड्रॉइंग नहीं सड़कें

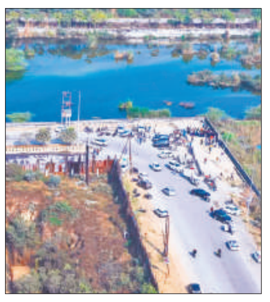

इस इंजीनियरिंग मार्वल को देखिए, नब्बे डिग्री का सीधा मोड़। यह नोएडा की वही जगह, वही सड़क, जहां बीते दिनों कोहरे भरी रात में इंजीनियर युवराज इस मोड़ को देख नहीं पाए। सच कहें तो सिर्फ कोहरा ही वजह नहीं था। साफ रात में भी यहां हादसा होना तय था। इतनी तीखी मोड़ वाली सड़क और सामने गड्ढा, यह किसी दुर्घटना का इंतजार नहीं, उसका न्योता है। पिछले कई सालों से इंटरनेट पर इन "इंजीनियरिंग चमत्कारों" पर बहस होती रही है। हर बार लोक निर्माण विभाग के तेज-तर्रार इंजीनियर पूरी आत्मविश्वास से समझाते रहे कि ऐसे नब्बे डिग्री मोड़ क्यों जरूरी हैं। तर्क इतने तकनीकी होते हैं कि आम आदमी चुप हो जाए। इसी सड़क की तस्वीरें अमेरिका के सोशल मीडिया पर मीम बनकर भारत और उसकी तकनीक का मजाक उड़ाते हुए घूमती रहीं हैं। भारतीय होने के नाते खून खौलता है, लेकिन उससे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब अपने ही लोग इन्हें गर्व से "इंजीनियरिंग" कहते हैं। इसी जगह कुछ दिन पहले एक ट्रक ड्राइवर भी कोहरे में यह मोड़ नहीं देख पाया। कोहरा हो या न हो- ऐसी सड़क बनाना ही अपराध है। ट्रक अस्थायी बैरिकेड तोड़ते हुए नीचे गड्ढे में जा गिरा। किस्मत अच्छी थी, लोगों ने बचा लिया, वह जिंदा निकल गया। प्रशासन ने क्या किया? कुछ नहीं। वही टूटा बैरिकेड, वही अंधेरा, वही गंदा पानी।

नितिन त्रिपाठी

लेखक, लखनऊ

कुछ दिन बाद उसी जगह युवराज पहुंचा, लेकिन तब तक अस्थायी बैरिकेड पहले ही टूट चुका था। इस बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। हमारे यहां सिस्टम को जगाने के लिए हमेशा एक मानव बलि चाहिए। इस बार वह बलि एक युवा इंजीनियर युवराज के रूप में मिली। अब देखिए, वही विभाग हरकत में आ गया है। गड्ढा भरेगा, सीवेज साफ होगा, पानी निकलेगा, स्थायी बैरिकेड लगेंगे, तेज रोशनी होगी, चेतावनी बोर्ड लगेंगे। सब कुछ होगा, क्योंकि अब एक जान जा चुकी है, लेकिन यह भी स्थायी समाधान नहीं है। स्थायी समाधान यह नहीं कि हादसे के बाद मरम्मत की जाए। स्थायी समाधान यह है कि ऐसी सड़कें बनाई ही न जाएं और अगर किसी मजबूरी में बनानी ही हों, तो मोड़ से बहुत पहले स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था हो, रोड डिजाइन ऐसा हो कि गाड़ी की रफ्तार अपने आप 30-35 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा न हो। सड़कें किताबों की ड्रॉइंग नहीं होतीं। उन पर इंसान चलते हैं, जब इंजीनियरिंग संवेदनहीन हो जाती है, तब हर मोड़ पर कोई न कोई युवराज इंतजार कर रहा होता है, सिस्टम को जगाने के लिए।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

नवीन की वरिष्ठों संग समन्वय बिठाने की रहेगी चुनौती

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है कि भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है, जिसे दूसरे दलो को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं, जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने, लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं? लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे। हालांकि ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं?

डॉ. रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक ओहदे पर बिठा दिया गया। वह भी निर्विरोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा। हालांकि तमाम राजनीतिक पंड़ित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे, लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, साथ ही उन्हें वरिष्ठों की सपोर्ट मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेसर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी, जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है, बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है। नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है, लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है, पर पूर्णरूपी कब्जा करने की कसक अभी बाकी है। नवीन को इन्हीं चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नवीन में संगठनात्मक मजबूती पहले देख चुकी है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को नितिन नवीन के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्णमोड़ माना जाता है। तब, उनकी बड़े नेताओं ने प्रशंसाएं भी की थी। नवीन तभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के चहेते बनें। पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं नवीन, लेकिन उनके करियर को असली रफ्तार साल 2019 में मिली थी, जब उन्हें सिक्किम विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान की कमान सौंपी गई थी। फिलहाल, भाजपा के नए बॉस अब नितिन नवीन बनें हैं। कैसे होंगे अगले कुछ महीने उनके लिए, पहले से गठित टीम में बदलाव होगा या फिर पुरानी टीम के साथ ही आगे बढ़ेंगे। आगे लगातार चुनाव हैं, किन रणनीतियों पर करेंगे काम, इसका अंदाजा कुछ समय बाद लग जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा।)

करियर के नए विकल्प

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी

पिछले दो दशकों में भारतीय रोजगार व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है। एक समय स्थायी नौकरी को ही सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक माना जाता था, लेकिन वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और तकनीकी नवाचार ने करियर की पारंपरिक अवधारणा को चुनौती दी है। भारतीय जेन-जी यानी 18 से 27 वर्ष की उम्र के युवाओं का करियर को लेकर नजरिया तेजी से बदल रहा है। लिंक्डइन और रैंडस्टैड के संयुक्त अध्ययन पर आधारित हालिया रिपोर्ट बताती है कि आज का युवा वर्ग पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा साइड इनकम और फ्रीलांसिंग को प्राथमिकता दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन-जी अब केवल स्थिर नौकरी या तयशुदा करियर पाथ पर भरोसा नहीं कर रही, बल्कि वह अपनी स्किल, आजादी और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ताकत पर दांव लगा रही है। आज स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी केवल वैकल्पिक रोजगार नहीं, बल्कि मुख्यधारा के करियर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। सफलता उसी युवा को मिलेगी, जो इन विकल्पों को ट्रेंड नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुना गया रास्ता माने। हालांकि इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। आइए आज इसके पहलुओं पर विस्तृत विश्लेषण करते हैं।

सत्यदत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

अवसरों का विस्तार

भारत आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में गिना जाता है। सरकारी और निजी रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो सीधे और परोक्ष रूप से लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। स्टार्टअप संस्कृति युवाओं को पारंपरिक पदानुक्रम से अलग, नवाचार और जिम्मेदारी का अवसर देती है। यहां कार्यक्षेत्र सीमित नहीं होता। एक कर्मचारी को कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं, जिससे सीखने की गति तेज होती है। इसके साथ ही स्टार्टअप संस्कृति अपने आसपास के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करती है।

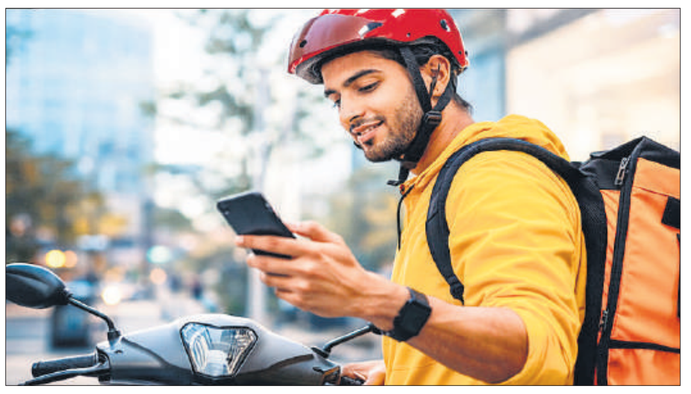

फ्रीलांस अर्थव्यवस्था: कौशल का बाजार

डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ फ्रीलांसिंग तेजी से बढ़ी है। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार से फ्रीलांस काम से जुड़े हैं। कंटेंट लेखन, डिजाइन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन शिक्षण इस क्षेत्र के प्रमुख हिस्से बनकर उभरे हैं। फ्रीलांसिंग में डिग्री से ज्यादा महत्व कौशल और अनुभव का है। यही कारण है कि पारंपरिक शिक्षा से बाहर रह गए युवा भी इस मॉडल के जरिए आय अर्जित कर पा रहे हैं।

गिग इकोनॉमी: त्वरित आय

गिग इकोनॉमी का दायरा अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों तक तेजी से फैल चुका है। कैब सेवाएं, फूड और ई-कॉमर्स डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन ट्यूटरिंग, डिजिटल मार्केटिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आज करोड़ों युवा अल्पकालिक अनुबंधों पर काम कर रहे हैं। विभिन्न आकलनों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत की गिग वर्कफोर्स कुल श्रम शक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन सकती है। यह मॉडल बेरोजगारी के दबाव को कुछ हद तक कम करने के साथ-साथ युवाओं को वैकल्पिक आय के अवसर भी प्रदान कर रहा है।

क्या संकेत देते हैं आंकड़े

आर्थिक सर्वेक्षण और श्रम अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भविष्य में रोजगार सृजन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक उद्योगों के बजाय सेवा, तकनीक और प्लेटफॉर्म आधारित कार्यों से आएगा। वहीं यह भी सच है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं की औसत आय और कार्य-स्थिरता में भारी अंतर है। यानी नए करियर विकल्प अवसर तो दे रहे हैं, लेकिन समानता और सुरक्षा की गारंटी नहीं।

शिक्षा व्यवस्था और कौशल अंतर

विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच की खाई इन नए मॉडलों में और स्पष्ट हो गई है। स्कूल और कॉलेज आज भी छात्रों को स्थायी नौकरी की तैयारी कराते हैं, जबकि बाजार लचीले, बहु-कौशल वाले और तकनीक-सक्षम युवाओं की मांग कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि बड़ी संख्या में डिग्रीधारी युवा या तो बेरोजगार हैं या अपनी योग्यता से कम काम करने को मजबूर हैं।

मानसिक और सामाजिक प्रभाव

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी में काम करने वाले युवाओं में तनाव और असुरक्षा की भावना अधिक देखी जा रही है। आय की अनिश्चितता, सामाजिक दबाव और भविष्य की चिंता मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। यह पहलू अक्सर करियर चर्चा में उपेक्षित रह जाता है।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता

यह स्पष्ट है कि नए करियर विकल्प न तो पूरी तरह समाधान हैं और न ही पूरी तरह संकट। वे अवसर भी हैं और चुनौती भी। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन क्षेत्रों में प्रवेश से पहले कौशल, वित्तीय योजना और मानसिक तैयारी करें। साथ ही नीति-निर्माताओं और शिक्षा संस्थानों को भी चाहिए कि वे करियर गाइडेंस, कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा के नए मॉडल विकसित करें।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- कुल रिक्तियां-(1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- वेतन/पे स्केल-क्लर्क : लेवल-4 (रु. 19,500-62,000) 7 वां वेतनमान / लेवल-7 (रु. 28,700-91,300) / 6 वां वेतनमान (रु. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष) कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा) : 18 से 55 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-05/02/2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD)

- पद का नाम-डेवलपमेंट असिस्टेंट / डेवलपमेंट असिस्टेंट (हिंदी)
- पदों की संख्या-162 (159 DA + 3 DA हिंदी)
- वेतन-20,700 - 55,700 (लगभग 46,500/- सकल शुरुआती वेतन)
- योग्यता-50% अंकों के साथ बैचलर डिग्री + कंप्यूटर का ज्ञान
- आयु सीमा-21 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-03/02/2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

यूको बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई. / बी.टेक./ एम.सी.ए. / एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- आयु सीमा-20 से 35 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-02-02-2026
- वेबसाइट-https://uco.bank.in

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

- पद का नाम-लॉ क्लर्क कम-रिसर्च एसोसिएट
- पदों की संख्या-लगभग 90
- वेतन-1,00,000/- प्रति माह (समेकित पारिश्रमिक)
- योग्यता कानून में स्नातक डिग्री (कानून में इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स सहित)
- आयु सीमा-20 से 32 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-07/02/2026
- वेबसाइट-www.sci.gov.in

कॉलेज जाना भी किसी मोर्चे पर जाने जैसा लगा

कैंपस में पहला दिन

वर्ष 1999 का जुलाई महीना था। देश ऑपरेशन विजय के दौर से गुजर रहा था। कारगिल युद्ध की खबरें सुबह-शाम टीवी पर छाई रहती थीं। सड़कों पर सेना के ट्रक, रेलवे स्टेशनों पर जवानों से भरी रेलगाड़ियां और हर घर में युद्ध की चर्चाएं, पूरा माहौल रोमांच और तनाव से भरा हुआ था। उसी समय मुझे लखनऊ के IET में जून की काउंसलिंग के लगभग एक महीने बाद झांसी स्थित बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (BIET) की मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश लेना था।

शिव मोहन
मुख्य इंटीग्रेशन अधिकारी, रेलवे परिवहन व्यवसाय, लार्सन एंड टुब्रो, यूएई

इंजीनियरिंग में दाखिले की खुशी थी, लेकिन फर्स्ट ईयर में होने वाली रैगिंग की कहानियों ने मन में डर भी भर रखा था। एक तरफ नए जीवन की शुरुआत का उत्साह था, तो दूसरी तरफ अनजाने माहौल का भय। ऊपर से पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ भी सिर पर महसूस हो रहा था। IIT में चयन न होने का मलाल था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिलने का गर्व भी कम नहीं था। जैसे-जैसे 9 जुलाई नजदीक आ रहा था, घर में तैयारियां तेज हो गईं। कुछ कपड़े, बिस्तर और रोजमर्रा का जरूरी सामान समेटकर बड़े भाई के साथ कानपुर से होते हुए झांसी की यात्रा शुरू हुई। जुलाई का महीना और उत्तर भारत की बारिश, उस दिन भी मूसलाधार वर्षा हो रही थी। रास्ते में पहली बार छोटे-छोटे पथरीले पहाड़ दिखे। भले ही वे सिर्फ पठार थे, लेकिन मेरे लिए वे शोले फिल्म के पहाड़ों जैसे ही रोमांचक थे, क्योंकि इससे पहले पहाड़ मैंने कभी नहीं देखे थे।

BIET का कैंपस अपने आप में एक दुनिया था। पूरे उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सबसे बड़ा IIT कानपुर को छोड़कर। कानपुर रोड से कॉलेज के मुख्य प्रशासनिक भवन तक लगभग एक किलोमीटर का रास्ता, चारों तरफ खुले मैदान और बारिश से नहाई हरियाली। मन प्रसन्न हो गया। ऐसा लग रहा था, जैसे कुछ-कुछ होता है फिल्म के कॉलेज कैंपस में प्रवेश कर रहा हूं। संयोग से वह फिल्म भी उसी दौर में रिलीज हुई थी। पहले वृंदावन हॉस्टल में सामान रखा और फिर प्रवेश प्रक्रिया के लिए सिविल डिपार्टमेंट पहुंचे, जहां पूरे फर्स्ट ईयर की काउंसलिंग और एडमिशन हो रहे थे। सीनियर्स अभिभावकों के सामने बेहद विनम्र और सहयोगी थे, लेकिन हमें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही संदेश झलक रहा था- मानो कह रहे हों, "अब आ गए हो, अब यहीं के तौर-तरीके सीखने होंगे।" अभिभावक भी अपने-अपने जिले या आसपास के इलाके के सीनियर्स खोज रहे थे, ताकि आगे बच्चों का ख्याल रखा जा सके। कन्नौज से कोई सीनियर नहीं मिला, लेकिन फर्रुखाबाद के एक सीनियर से भाई ने बात की। उन्होंने न सिर्फ भरोसा दिया, बल्कि पूरे चार साल सचमुच अभिभावक की तरह ध्यान भी रखा। सच ही कहा गया है, घर से दूर अपने जिले का कोई मिल जाए, तो वह परिवार जैसा हो जाता है।

शाम तक सभी छात्रों को कमरे आवंटित कर दिए गए। हॉस्टल वार्डन और शिक्षकों ने ध्यान रखा कि कोई क्षेत्रीय गुट न बने। हमारे कमरे में तीन तखत थे, लेकिन उस शाम सिर्फ दो ही छात्र आए। मैं और फैजाबाद से आया मेरा एक सहपाठी, जिसे बाद में सब प्यार से "पप्पू" कहने लगे। पूरे बैच में लगभग 180 छात्र थे और हर किसी का कोई न कोई उपनाम उसकी आदत, बोली या स्वभाव के आधार पर रख दिया गया था, जो पहचान आज भी सिर्फ बैच के लोगों के बीच जीवित है।

शाम ढलते ही सीनियर्स की पूरी फौज हॉस्टल पहुंच गई। परिचय का पहला दिन था। अलग-अलग वर्षों के सीनियर्स के लिए अलग-अलग तरह से अभिवादन करना होता था। कहीं 90 डिग्री, कहीं 120 डिग्री और फाइनल ईयर के लिए पूरा साष्टांग प्रणाम। कॉलेज का परिचय गीत, बोलने का तरीका सब कुछ नया और रोमांचक था। राहत इस बात की थी कि यह सब मौज-मस्ती तक सीमित रहा, कोई प्रताड़ना जैसी घटना नहीं हुई। इन्हीं सीनियर्स में से कुछ से ऐसे गहरे रिश्ते बने, जो 27 साल बाद भी कायम हैं। इंजीनियरिंग के चार सालों में हमने सिर्फ तकनीकी शिक्षा ही नहीं सीखी, बल्कि लोगों से जुड़ना, परिस्थितियों के अनुसार ढलना, नेतृत्व करना और खुद को समझना भी सीखा। कॉलेज के पहले दिन जीवन का जो मूलमंत्र मिला, वह आज भी हर मोड़ पर काम आता है।

करंट अफेयर्स

- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की जनवरी 2026 में भारत यात्रा के दौरान भारत और UAE के बीच एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक ऊर्जा समझौता संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत UAE भारत को हर वर्ष 0.5 मिलियन मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की आपूर्ति करेगा। इस करार के बाद UAE, कतर के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा LNG आपूर्तिकर्ता बन गया है, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने वर्ष 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 200 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति व्यक्त की।
- हाल ही में जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन एक गहराते जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है। वर्ष 2025 में चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई, जबकि सरकार परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और नीतिगत उपाय लागू कर रही है।
- बीती 17 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ किया है, जो कोलकाता (हावड़ा) को गुवाहाटी (कामाख्या) से जोड़ती है। इस ट्रेन को पश्चिम बंगाल के मालदा से हरी झंडी दिखाई गई। यह ओवरनाइट सेमी-हाई-स्पीड सेवा आधुनिक रेल यात्रा के एक नए चरण की शुरुआत है और पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी।
- भारत ने अपनी विदेश नीति को सशक्त करने की दिशा में हाल ही में दो महत्वपूर्ण राजनयिक नियुक्तियों की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने वरिष्ठ भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारियों मुआनपुई सायावी और अमित कुमार मिश्रा को क्रमशः न्यूजीलैंड में भारत का अगला उच्चायुक्त और जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां विभिन्न क्षेत्रों में भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

नोटिस बोर्ड

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार 23 जनवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर अवकाश घोषित होने के चलते विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में बीए पंचम सेमेस्टर (मुख्य एवं बैक) की अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा की तिथि में संशोधन किया गया है। 23 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा अब 2 फरवरी को आयोजित की जाएगी। शेष परीक्षा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार ही रहेगा।
- उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा सहारनपुर की गिल कॉलोनी में 28 जनवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के अंतर्गत संविदा के आधार पर परिचालकों की भर्ती की जाएगी। उक्त रोजगार मेले में संविदा पर चालकों के आबद्धीकरण हेतु आर्हताएं पूर्वत: (न्यूनतम कक्षा 8 पास लंबाई न्यूनतम 5 फुट 3 इंच, भारी वाहन चलाने का लाइसेंस अवधि न्यूनतम 02 वर्ष पुराना, न्यूनतम 23 वर्ष 06 माह और कार्य करने की अधिकतम आयु 60 वर्ष) ही रहेगी।

ड्रोन प्रोग्रामिंग : टेक्नोलॉजी में रोजगार का नया रास्ता

तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आज ड्रोन केवल उड़ने वाली मशीन नहीं रह गए हैं। इन्हें प्रोग्राम करना, ऑटोमेट करना और अलग-अलग कामों के लिए तैयार करना एक नई और अहम स्किल बन चुकी है। यही वजह है कि 12 वीं के बाद टेक्नोलॉजी में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स एक उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आया है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

कौन कर सकता है यह कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे 12 वीं पास छात्र भी कर सकते हैं। साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई करने वालों को इसमें थोड़ी बढ़त मिलती है, लेकिन आर्ट्स और कॉमर्स के छात्र भी बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान के साथ इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिन युवाओं को टेक्नोलॉजी, मशीनों और नई चीजें सीखने में रुचि हैं, उनके लिए यह कोर्स खास तौर पर उपयुक्त माना जाता है।

क्या-क्या सिखाया जाता है कोर्स में

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स पूरी तरह प्रैक्टिकल आधारित होता है। इसमें ड्रोन हार्डवेयर की बुनियादी जानकारी, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमेटेड मिशन प्लानिंग, GPS और सेंसर प्रोग्रामिंग, कैमरा और डेटा प्रोसेसिंग, लाइव प्रोजेक्ट और फील्ड ट्रेनिंग जैसी स्किल्स पर फोकस किया जाता है, जिससे छात्र इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सकें।

क्या है ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स में यह सिखाया जाता है कि ड्रोन को कोड के जरिए कैसे नियंत्रित किया जाए? ड्रोन किस दिशा में उड़ान भरे, कितनी ऊंचाई पर जाए, कैमरा कब एक्टिव हो और सेंसर से मिलने वाला डेटा कैसे इस्तेमाल किया जाए। ये सभी काम प्रोग्रामिंग से तय होते हैं। इस कोर्स में Python, C++, ROS और मिशन प्लानर जैसे सॉफ्टवेयर और टूल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। आसान शब्दों में कहें, तो यह कोर्स ड्रोन उड़ाने से ज्यादा, उसे सोचने और निर्देश समझने की क्षमता देता है।

जॉब और कमाई के अवसर

इस कोर्स के बाद रोजगार के कई विकल्प खुलते हैं। युवा ड्रोन प्रोग्रामर, ड्रोन ऑपरेटर, UAV इंजीनियर, ड्रोन मैपिंग स्पेशलिस्ट, सर्वे इंजीनियर या ड्रोन टेक्नीशियन के रूप में काम कर सकते हैं। शुरुआत में 25 से 50 हजार रुपये तक मासिक आय संभव है। अनुभव बढ़ने पर यही कमाई से 2 लाख रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है। फ्रीलांस और प्रोजेक्ट आधारित काम में इससे भी अधिक कमाई के अवसर मिलते हैं।

भविष्य के लिहाज से अहम

ड्रोन टेक्नोलॉजी को खेती, पुलिस, सर्वे, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिल्म इंडस्ट्री, डिलीवरी और स्मार्ट सिटी जैसे कई क्षेत्रों में तेजी से अपनाया जा रहा है। आने वाले समय में ड्रोन एक्सपर्ट्स की मांग और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स युवाओं के लिए न केवल नई तकनीक सीखने का अवसर है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और आधुनिक करियर की नींव भी रखता है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	81,909.63	25,157.50
गिरावट	270.84	75.00
प्रतिशत में	0.33	0.30

सोना 1,57,697 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,33,900 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, गुरुवार, 22 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2350, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2070, जय जवान 2065, सचिन 2070, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1915, क्लासिक (किग्रा) 2250, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2340, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000-17800, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10400, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 8000, अरहर पटका मोटा 8400, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10300-10700, अरहर कोरी छोटी 11500

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3300, मसूरी- 780 बासमती- 5600, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2200, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8000-11100, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2100, मसूर दाल- 1900, उड़द साबुत- 3600, काबुली चना- 7800, अरहर दाल- 10300

अदाणी समूह ने दावोस में पेश की भारत के लिए 66 अरब डॉलर के निवेश की योजना

विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश का लक्ष्य

दावोस, एजेंसी

अदाणी समूह ने विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में 66 अरब डॉलर के निवेश की रूपरेखा पेश की है जो भारत की वृद्धि प्राथमिकताओं के अनुरूप निजी पूंजी के बड़े पैमाने पर निवेश के नए चरण का संकेत है। अपनी योजनाएं प्रस्तुत करते हुए समूह ने कहा कि यह निवेश महाराष्ट्र, असम और झारखंड में किया जाएगा।

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक में समूह ने असम में गुवाहाटी के लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को केंद्र में रखते हुए विमानन एवं वैमानिकी परिवेश के विस्तार की जानकारी दी। इसका परिचालन अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है। योजनाओं में आतिथ्य एवं खुदरा अवसंरचना, ''लेवल-डी फुल-फ्लाइट सिमुलेटर'' के साथ विमानन प्रशिक्षण अकादमी तथा चौड़े व संकीर्ण विमानों के लिए रखरखाव, मरम्मत (एमआरओ) सुविधाएं शामिल हैं। इससे गुवाहाटी को पूर्वोत्तर के लिए क्षेत्रीय विमानन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। समूह ने असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की भी घोषणा की जिनसे 2,700 मेगावाट से अधिक सौर क्षमता जुड़ेगी। इसके पूरक निवेशों में सीमेंट विनिर्माण एवं 'ग्राइंडिंग' इकाइयां शामिल हैं जिनका उद्देश्य पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत में निर्माण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है।

महाराष्ट्र में अदाणी समूह के प्रस्तावित निवेश शहरी पुनर्विकास, डिजिटल अवसंरचना और अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रणालियों पर केंद्रित हैं। इनमें मुंबई की धारावी पुनर्विकास परियोजना, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा इससे जुड़े लॉजिस्टिक्स, वाणिज्यिक एवं आतिथ्य परिवेश शामिल है।

भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दावोस में जमाया डेरा

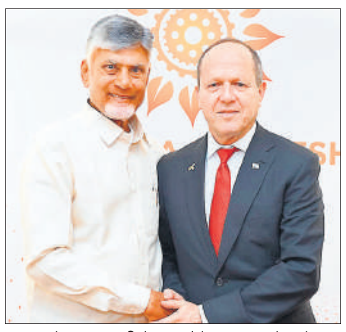

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी।

तेलंगाना ने रखा 25 अरब डॉलर निवेश का लक्ष्य

तेलंगाना सरकार ने अपनी जीवन विज्ञान के लिए अगली पीढ़ी की नीति 2026-30 के तहत वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में 25 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने और पांच लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। दावोस में जारी डब्ल्यूईएफ की बैठक के दौरान बुधवार को अलग से इस नीति को पेश किया गया। इस नीति के माध्यम से तेलंगाना का लक्ष्य दुनिया के शीर्ष तीन जीवन विज्ञान केंद्रों में शामिल होना है। दुनिया भर के कुल टीके का एक-तिहाई हिस्सा अकेले तेलंगाना में बनाया जाता है जहां 2,000 से अधिक जीवन विज्ञान से जुड़ी कंपनियां काम कर रही हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इस नीति के तहत निवेशकों को कई रियायतें दी गई हैं। इनमें बिक्री और पट्टे पर स्टांप शुल्क तथा हस्तांतरण शुल्क की शत-प्रतिशत वापसी, बिजली सब्सिडी और औद्योगिक पार्क में जमीन की लागत पर 25 प्रतिशत छूट शामिल है। इसके अलावा, वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच साल तक शुद्ध एसजीएसटी की पूरी वापसी का भी प्रावधान है।

फडणवीस ने 15 लाख करोड़ के समझौतों पर किए साइन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावोस में राज्य के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके जरिए 13 लाख लोगों को रोजगार का दावा किया गया है। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के मीडिया सेल प्रमुख नवनाथ बान ने कहा कि विदेशी निवेश लाने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री ने दावोस दौरे के दौरान विदेशी निवेश को महाराष्ट्र में लाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा

मुंबई, एजेंसी

इस महीने अब तक 1.5% की गिरावट

● वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता ने भारतीय मुद्रा को अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचाया

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को 67 पैसे लुढ़ककर अब तक के सबसे निचले स्तर 91.64 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों के जोखिम लेने से बचने के कारण लगातार पूंजी निकासी की गई, जिससे रुपया और धराशायी हो गया।

इससे पहले रुपया 16 दिसंबर 2025 को 91.14 के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा था। इस महीने अब तक रुपये में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है जिसका कारण बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता को बताया जा रहा है। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 91.74 के कारोबार के निचले स्तर पर आ गया। कारोबार के अंत में रुपया 91.64 के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 67 पैसे कम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार के मुताबिक 21 नवंबर 2025 के बाद यह एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 82,000 के नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 271 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 75 अंक की गिरावट रही। डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी और वित्तीय, बैंकिंग एवं उपभोग से जुड़े शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक भारी उतार-चढ़ाव के बाद 270.84 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,056.02 अंक टूटकर 81,124.45 तक आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत फिसलकर 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।

आईएलएंडएफएस के निदेशकों पर अभी कार्रवाई नहीं

● एनसीएलएटी ने बढ़ाया संरक्षण बैंकों को किसी भी कार्रवाई से पहले पूर्वानुमति लेने का आदेश

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने कर्ज में डूबे समूह आईएलएंडएफएस के नए निदेशक मंडल में शामिल पेशेवर निदेशकों को बैंकों द्वारा इरादतन चूककर्ता घोषित किए जाने से दी गई संरक्षण अवधि को आगे बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एक फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि बैंक नए बोर्ड के पेशेवर निदेशकों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई से पहले एनसीएलएटी से अनुमति लेंगे।

अपीलीय न्यायाधिकरण के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा, चार अप्रैल, 2025 को पारित आदेश अब भी प्रभावी है और 15 अक्टूबर, 2018 के आदेश के तहत दिए गए निर्देश नए बोर्ड में पुनर्नियुक्त पेशेवर निदेशकों पर भी लागू होंगे। चार अप्रैल 2025 के आदेश में सरकार द्वारा गठित नए बोर्ड के निदेशकों को बैंकों की ओर से अभियोजन से संरक्षण दिया गया था। हालांकि उस आदेश में केनरा बैंक और इंडियन बैंक को आईएलएंडएफएस के पूर्व निदेशकों के खिलाफ इरादतन चूककर्ता घोषित करने की कार्यवाही आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई थी, जो नए बोर्ड का हिस्सा नहीं हैं।

कीटनाशकों के ई-कॉमर्स के लिए कड़े कानून बनें

नई दिल्ली, एजेंसी

● नकली उत्पादों से किसानों को बचाने के लिए क्रॉपलाइफ की मांग

कीटनाशक बनाने वाली 17 बड़ी कंपनियों के संगठन 'क्रॉपलाइफ इंडिया' ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इनकी बिक्री के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की है ताकि घटिया या नकली उत्पादों से किसानों को संभावित नुकसान की स्थिति में जवाबदेही तय की जा सके।

क्रॉपलाइफ इंडिया के अध्यक्ष और क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के कार्यकारी अध्यक्ष एवं एमडी अंकुर अग्रवाल ने बुधवार को यहां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर फसलों की सुरक्षा संबंधी उत्पादों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कहा कि मौजूदा समय में कीटनाशकों का विनियमन इनसेक्टिसाइड्स एक्ट, 1968 के तहत होता है। सरकार ने साल 2022 में इसमें संशोधन कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आम उत्पादों की तरह कीटनाशकों की बिक्री के लिए भी अनुमति दी थी। अब सरकार पेस्टिसाइड मैनेजमेंट विधेयक लाने की तैयारी कर रही है जिसका प्रारूप तैयार हो चुका है। सरकार ने संगठन से 4 फरवरी तक अपने सुझाव सौंपने के लिए कहा है।

अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह विक्रेता को लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के लिए भी लाइसेंस अनिवार्य किया जानी चाहिए। वर्तमान में यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि ऑनलाइन बिक रहा पेस्टिसाइड असली है या नकली। उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी बिना लाइसेंस के कीटनाशक बेच रही है तो उस पर भी नकली उत्पाद की तरह ही कार्रवाई होनी चाहिए।

कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण

तमिलनाडु-केरल के बाद कर्नाटक की राजनीति भी गर्म, सरकार करेगी राज्यपाल से बात

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार कर दिया है। गहलोत के इस फैसले के बाद सरकार ने उनसे मुलाकात करने का निर्णय लिया है। इस इन्कार का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, बताया जा रहा है कि अभिभाषण में केंद्र सरकार के संदर्भ के कारण गहलोत ने संबोधन करने से इन्कार किया है। एक दिन पहले कर्नाटक की तरह गैर भाजपा शासित केरल और तमिलनाडु के राज्यपालों के विधानसभा में दिए गए अभिभाषणों पर विवाद खड़ा हो गया था।

राज्य के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में राज्यपाल से मुलाकात करने के लिए लोक भवन जाएगा। विधि मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा, कल राज्यपाल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार करने के बाद विधि मंत्री की अगुवाई में शाम 5:45 बजे एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल राज भवन जाएगा। मंगलवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि वर्ष के पहले सत्र के पहले दिन यह कहते हुए विधानसभा में अपना पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना सदन से बाहर चले गए थे कि अभिभाषण के पाठ में गलतियां थीं। इसी तरह, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपने भाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था, हालांकि लोक भवन का दावा है कि राज्यपाल के सुझावों को अभिभाषण के मूल मसौदे से हटा दिया गया था। कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 जनवरी को शुरू होगा। 31 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र की शुरुआत बृहस्पतिवार को राज्यपाल गहलोत के परंपरागत अभिभाषण से होनी थी।

● सरकार ने अभिभाषण में शामिल किए हैं केंद्र से संबंधित संदर्भ

मनरेगा को रद्द करने पर केंद्र के खिलाफ प्रस्ताव लाने की योजना बनी रही है कर्नाटक सरकार

केंद्र की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने समेत कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा-जद (एस) गठबंधन के बीच टकराव की संभावना के चलते सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका है। सत्तारूढ़ कांग्रेस केंद्र में भाजपा-नीत राजग सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने की योजना बना रही है, जिसमें मनरेगा को रद्द करने पर आपत्ति जताते हुए इसे बहाल करने की मांग की जाएगी। साथ ही नए विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को रद्द करने की भी मांग की जाएगी।

सुखना को और कितना सुखाएंगे बिल्डर, माफिया और नौकरशाह

नई दिल्ली, एजेंसी

● सीजेआई ने चंडीगढ़ की झील की हालत चिंता जताते हुए की टिप्पणी

सीजेआई सूर्यकांत ने बिल्डर, माफिया और नौकरशाहों के गठजोड़ के कारण चंडीगढ़ की प्रसिद्ध झील के सूखने पर चिंता जताते हुए बुधवार को टिप्पणी की कि सुखना झील को और कितना सुखाओगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ 1995 में लंबित जनहित याचिका 'इन रे: टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद' में दायर अंतरिम आवेदनों की सुनवाई कर रही थी।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक अधिवक्ता की ओर से झील से संबंधित याचिका का उल्लेख करने पर मौखिक टिप्पणी की, पंजाब में राजनीतिक दलों के समर्थन और नौकरशाहों की मिलीभगत से अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिसके कारण झील पूरी तरह नष्ट हो रही है। वहां सभी बिल्डर माफिया सक्रिय हैं। इससे पहले शीर्ष अदालत ने आश्चर्य जताया था कि जंगलों और झीलों से संबंधित सभी मामले उच्च न्यायालयों को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय में क्यों आ रहे हैं, वह भी 1995 की लंबित जनहित याचिका में अंतरिम आवेदनों के रूप में।

सीजेआई ने सुखना झील मामले से संबंधित एक आवेदन का जिक्र करते हुए कहा था कि जाहिर तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ निजी डेवलपर्स और अन्य लोगों के इशारे पर दोस्ताना मुकाबला चल रहा है। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और वन मामले में न्यायमित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर से उन स्थानीय मुद्दों के बारे में जानकारी देने को कहा था, जिनसे उच्च न्यायालय स्वयं निपट सकते हैं। चंडीगढ़ की सुखना झील से संबंधित मुकदमा मुख्य रूप से उच्च न्यायालय द्वारा इसके जलग्रहण क्षेत्र को अतिक्रमण से बचाने के प्रयासों से जुड़ा है, जिसमें 2020 में संरक्षित क्षेत्र में बनी संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था।

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर समाज में अंधविश्वास फैलाने का आरोप, पुलिस से शिकायत

भोपाल। दलित पिछड़ा समाज संगठन ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। आरोप लगाया है कि धीरेंद्र शास्त्री अंधविश्वास फैलाकर लोगों को मेडिकल साइंस से दूर कर रहे हैं। उनके झूठे इलाज के प्रचार के कारण कई लोगों की जान खतरे में आ रही है।

दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने बताया कि संगठन ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और भोपाल पुलिस कमिश्नर को वीडियो सबूत के साथ लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री सांप्रदायिकता और छुआछूत को बढ़ावा दे रहे हैं और समाज में भय और हिंसा फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। यादव ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस दो दिन के भीतर कार्रवाई नहीं करती है तो संगठन हाईकोर्ट जबलपुर के माध्यम से धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ कार्रवाई कराने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मांग है कि धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच हो, ताकि समाज में फैल रहे अंधविश्वास, हिंसा और भय पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

जांच में फेल हुए रेबीहांस हर्बल के सभी कफ सिरप, एफआईआर

इंदौर। छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद सामने आए सिरप कांड का असर अब इंदौर जिले तक पहुंच गया है। इंदौर के सांवेर क्षेत्र में सील की गई आयुर्वेदिक ड्रग कंपनी के सभी आयुर्वेदिक सिरप सैंपल जांच में फेल हो गए हैं। जिला प्रशासन ने फैक्ट्री मालिक पर सांवेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

यह मामला सांवेर क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी स्थित मेसर्स रेबीहांस हर्बल प्राइवेट लिमिटेड का है। छिंदवाड़ा सिरप कांड के बाद 18 दिसंबर 2025 को इंदौर जिला प्रशासन ने आयुष विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई की थी। आयुष विभाग प्रभारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में की गई जांच के दौरान फैक्ट्री से आयुर्वेदिक सिरप के आठ उत्पादों के सैंपल लेकर शासकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला आमखो ग्वालियर भेजे गए थे। रिपोर्ट में सभी सैंपल निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री में सिरप निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का गंभीर रूप से उल्लंघन किया जा रहा था। मौके पर न तो कोई प्रयोगशाला पाई गई और न ही दवा निर्माण से जुड़े आवश्यक कंपोनेंट्स और दस्तावेज उपलब्ध थे।

सड़क हादसे में मृत युवक के माता पिता को 23.45 लाख का मुआवजा

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2021 में तेज रफ्तार ट्रक से हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 18 वर्षीय एक सेल्समैन के माता-पिता को 23.45 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

एमएसीटी की अध्यक्ष सदस्य रूपाली वी. मोहिते ने अपने आदेश में कहा कि ट्रक चालक के पास दुर्घटना को टालने का अंतिम अवसर था, लेकिन वह वाहन की गति नियंत्रित नहीं कर सका जिसके कारण टक्कर हुई। टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया था। न्यायाधिकरण ने पाया कि हादसे के समय ट्रक चालक के पास वैध परिवहन लाइसेंस नहीं था, जो बीमा शर्तों का जानबूझकर उल्लंघन है।

डिप्टी सीएम की टिप्पणियां हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाली

मदुरै, एजेंसी

● मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए की टिप्पणी, अमित मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी रद्द

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने भाजपा के नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज उस प्राथमिकी को रद्द कर दिया है जिसमें उन पर 'सनातन धर्म' को लेकर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति एस. श्रीमती ने कहा कि उदयनिधि की टिप्पणियां नफरत फैलाने वाले भाषण के समान थीं और इस पर सवाल उठाना एक प्रतिक्रिया थी।

फैसले में न्यायमूर्ति श्रीमती ने कहा, समग्र रूप से विचार करने पर मंत्री का भाषण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यह पूरी तरह से 80 प्रतिशत हिंदुओं के खिलाफ है, जो नफरत फैलाने वाले भाषण की श्रेणी में आता है। फैसले में कहा गया है, यह न्यायालय दुख के साथ इस व्यापक स्थिति को दर्ज करता है कि नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति को बिना किसी सजा के छोड़ दिया जाता है, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण पर प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्ति को कानून का सामना करना पड़ता है। न्यायालय प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्तियों से भी पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून को लागू नहीं कर रहे हैं। नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए मंत्री के खिलाफ राज्य में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अन्य राज्यों में कुछ मामले दर्ज किए गए हैं।

राजग में लौटी दिनाकरन की पार्टी एएमएमके

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) बुधवार को फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई। एएमएमके कुछ महीने पहले अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन पर धोखेबाजी का आरोप लगाकर गठबंधन से बाहर निकल गई थी।

अन्नाद्रमुक में काफी समय से जारी कई विवादों के बाद अब इस विवाद के शांत होने के संकेत दिख रहे हैं। इसी के तहत पार्टी प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने दिनाकरन का राजग में स्वागत किया। एएमएमके के संस्थापक ने भी दिल से धन्यवाद कहा, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि अन्नाद्रमुक और उनके बीच भाइयों के जैसी लड़ाई थी। दिनाकरन पहले अन्नाद्रमुक में भी रह चुके हैं।

लालच की बीमारी फैल चुकी है शहरी सड़न अब न्यू नॉर्मल: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे की स्थिति को लेकर बुधवार को कहा कि देश में लालच की महामारी फैल चुकी है और समाज मर रहा है क्योंकि 'शहरी सड़न' को न्यू नॉर्मल (अब सामान्य बात) मान लिया गया है।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पत्रकार का वीडियो का साझा किया जिसमें दिल्ली के किराड़ी इलाके में में कई घरों के सामने पानी और कचरा जमा दिख रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हर आम भारतीय की जिंदगी आज ऐसी ही नर्क की यातना बन गई है। सिस्टम सत्ता के सामने बिक चुका है। सब एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं और मिलकर जनता को रौंदते हैं। उन्होंने कहा, देश में लालच की महामारी फैल चुकी है, शहरी सड़न जिसका सबसे डरावना चेहरा है। हमारा समाज इसलिए मर रहा है क्योंकि हमने इस सड़न को न्यू नॉर्मल मान लिया है, सुन्न, निशब्द, बेपरवाह। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही की मांग करो, वरना यह सड़न हर दरवाज़े तक पहुंचेगी।

अमृत विचार

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

- आतंकी हमलों के मद्देनजर खुफिया एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी समूहों से संभावित खतरों के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी किया है।

अलर्ट के मुताबिक दिल्ली और देश में कई अन्य प्रमुख शहर संभावित निशाने पर हो सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई है। खुफिया सूत्रों से पता चला है कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी और अन्य कट्टरपंथी विदेशी आकाओं के लिए 'फुट सोल्जर' के रूप में काम कर रहे हैं। आरोप है कि विदेश में बैठे ये आका देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने और अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन आपराधिक नेटवर्कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में सक्रिय हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन नेटवर्कों का उपयोग हथियारों की तस्करी, धन और रसद सहायता उपलब्ध कराने जैसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली और अन्य महानगरों में सुरक्षा सख्त की जा रही है।

शेख हसीना के खिलाफ नौ फरवरी को होगी सुनवाई

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने के लिए अगली सुनवाई की तारीख नौ फरवरी निर्धारित की। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि दिसंबर 2024 में हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था, जहां मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की कथित तौर पर साजिश रची गई। ढाका की विशेष अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुस सलाम ने इस संबंध में बचाव पक्ष की याचिकाओं में आदेश पारित किया।

व्यवस्था की डूबती संवेदनशीलता

नोएडा जैसे आधुनिक शहर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शहरी नियोजन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की विफलता का प्रतीक है। इंजीनियर की जान बचाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव का हवाला देकर किनारे खड़ी रहती हैं, आधुनिकता के दावों पर यह गहरा तमाचा है। यह घटना दर्शाती है कि हमारे सुरक्षा बल आज भी बुनियादी उपकरणों, जैसे कि डाइविंग सूट, अंडरवाटर लाइट और त्वरित बचाव नौकाओं के लिए तरस रहे हैं। सेक्टर-स्तर पर तैनात फायरकर्मियों को अक्सर केवल आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि शहरी बाढ़ या गहरे गड्ढों में बचाव के लिए उनके पास न तो विशेषज्ञता है और न ही उपकरण।

नोएडा हादसा

केवल टैक्स लेने तक जिम्मेदारी नहीं

- राज्य की जिम्मेदारी केवल टैक्स वसूलने और कंक्रीट के जंगल खड़े करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका प्राथमिक दायित्व है। इस मामले में जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन इकाइयों के बीच समन्वय की भारी कमी दिखी। यदि समय रहते गड्ढे की घेराबंदी की गई होती या बचाव दल के पास एक साधारण लाइफ-जैकेट और ऑक्सीजन सिलेंडर होता, तो शायद आज एक नागरिक और होनहार इंजीनियर जीवित होता। यह घटना पूरी व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है। ऐसा नहीं है कि यह देश या प्रदेश की इस तरह की पहली धटना है लेकिन सरकारों या जिम्मेदारों ने इन घटनाओं से निपटने की कोईसीख नहीं ली।

कहां हुई चूक

- प्रशासनिक लापरवाही : निर्माणाधीन क्षेत्र या खुले गड्ढों को ढकने और वहां चेतावनी बोर्ड लगाने में प्राधिकरण विफल रहा।
- संसाधनों का अभाव : फायरकर्मी और स्थानीय पुलिस सबसे पहले पहुँचते हैं, लेकिन उनके पास पानी में उतरने के लिए आवश्यक वेट सूट या स्कूबा गियर नहीं थे।
- प्रतिक्रिया समय : एसडीआरएफ की टीम को पहुंचने में घंटों लग गए, शुरुआती गोल्डन ऑवर में स्थानीय बल मूकदर्शक बने रहे।

संसाधन-प्रशिक्षण

- फायर ब्रिगेड : वर्तमान में अधिकांश फायर स्टेशनों के पास केवल आग बुझाने की गाड़ियां, सीढ़ियां और कुछ मात्रा में रस्सियां होती हैं। जल बचाव के लिए इन्फ्लेटेबल बोट्स या सोनार डिवाइस जिला स्तर पर बहुत कम हैं।
- प्रशिक्षण : इनका मुख्य प्रशिक्षण फायर फाइटिंग पर केंद्रित है। गोताखोरी इनके नियमित प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं है।

राज्य की जवाबदेही

- सुरक्षा मानक : नगर निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी गड्ढा खुला न रहे। नोएडा प्राधिकरण जैसे संस्थानों पर भारी जुर्माना और जवाबदेही तय होनी चाहिए।
- बजट आवंटन : आपदा प्रबंधन बलों को आधुनिक उपकरणों (जैसे ड्रोन, थर्मल सेंसर और अंडरवाटर कैमरा) से लैस करने के लिए पर्याप्त फंड देना।
- जवाबदेही : लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा चलना चाहिए।

जब तंत्र फेल हुआ

- मुंबई (2017) : प्रसिद्ध डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की खुले मैनहोल में गिरने से मौत।
- गुरुग्राम (2023) : बारिश के पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौतें।
- दिल्ली (2024) : कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान में परमाणु संयंत्र फिर चालू होगा

तोक्यो। जापान में 2011 में हुएफुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन बुधवार को फिर से शुरू हो जाएगा। जापान बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर में ऊर्जा उत्पादन की शुरुआती प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संचालन तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स (टीईपीसीओ) कर रही है। यह वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी संचालन करती है।

आईएस के बड़े शिविर पर नियंत्रण किया

अल-होल। सीरिया की सरकारी सेना ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी सीरिया में एक बड़े शिविर पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया जिसमें इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े हजारों लोग रह रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच समझौता हो गया है। सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच दो हफ्ते तक चली झड़पों के बाद, बुधवार को सरकारी सैनिकों को ले जा रहीं बख्तरबंद गाड़ियों का एक काफिला अल-होल शिविर में पहुंचा। कुर्द लड़ाके उस जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो चुके थे जिस पर उनका सालों से नियंत्रण था।

37 तस्करों को अमेरिका को सौंपा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनके देश ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों के 37 और सदस्यों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आपराधिक नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए सरकारों पर दबाव बढ़ा रहा है। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री उमर गार्सिया हारफुच ने एक्स पर कहा कि जिन लोगों को भेजा गया है, वे शातिर अपराधी थे और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे।

श्रीनिवास राय का 83 वर्ष की उम्र में निधन

सिंगापुर। सिंगापुर में हिंदी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य और गांधीवादी मूल्यों के पैरोकार श्रीनिवास राय का रविवार को उनके घर पर निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। संसद के पूर्व मनोनीत सदस्य राय 10 साल की उम्र में सिंगापुर आए थे और यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में कानून की पढ़ाई करने के बाद पांच दशक से ज्यादा समय तक विधिक क्षेत्र में काम किया।

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती

राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत-संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है नवगठित बोर्ड ऑफ पीस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र ने कभी भी अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं किया और यदि उसने प्रभावी भूमिका निभायी होती तो गाजा के लिए गठित बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही ना पड़ती। ट्रंप ने संकेत दिए कि नवगठित बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है जिसका उद्देश्य गाजा के पुनर्निर्माण में सहायता करना है।

ट्रंप से जब सवाल किया गया कि क्या वह चाहते हैं कि बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले तो ट्रंप ने कहा कि यह हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र बहुत मददगार साबित नहीं हुआ है। मैं संयुक्त राष्ट्र की क्षमताओं का बड़ा समर्थक हूं, लेकिन यह कभी अपनी पूरी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हुए और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। यह प्रेसवार्ता करीब 105 मिनट तक चली। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है और मुझे लगता है कि यह वाकई शानदार साबित होने जा रहा है। अगर संयुक्त राष्ट्र ने अधिक कदम उठाए होते तो शायद इसकी जरूरत नहीं होती। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में आठ युद्धों को सुलझाया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने किसी भी युद्ध में उनकी मदद नहीं की। ट्रंप ने कहा कि मैं उन्हें दोष नहीं दे रहा हूं। मैंने उन्हें मदद के लिए फोन नहीं किया, लेकिन मैंने राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को एक साथ बैठाया, हमने सख्ती से बात की, आपसी सहमति बनाई और वे मुझे पसंद करने लगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उन सभी युद्धों को सुलझाना चाहिए था, जिन्हें मैंने सुलझाया। मैं उसका मदद के लिए कभी आह्वान नहीं किया। उन्हें वे प्रत्येक युद्ध सुलझाने चाहिए थे जो मैंने सुलझाया लेकिन उन्होंने वह नहीं किया। मेरा मानना है कि संयुक्त राष्ट्र को जारी रहने देना चाहिए, क्योंकि इसकी क्षमता बहुत अधिक है।

शांति बोर्ड में शामिल होने पर चीन को आपत्ति

बीजिंग। चीन ने गाजा के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति बोर्ड में शामिल होने पर बुधवार को अपनी आपत्ति प्रकट की है और संयुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि चीन हमेशा सच्चे बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की मजबूती से रक्षा करेगा। गुओ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हालात कैसे भी हों, चीन संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करेगा।

बोर्ड ऑफ पीस में शामिल हुए कई देश

यरुशलम। बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने के लिए कई देशों ने सहमति जताई है, जबकि यूरोपीय देशों समेत कुछ मुल्कों ने इसका सदस्य बनने का निमंत्रण ठुकरा दिया है। कई देशों ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि 30 देश बोर्ड में शामिल हो सकते हैं, जबकि 50 देशों को निमंत्रण भेजा गया है। अर्जेंटीना, आर्मीनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, कजाखस्तान, कोसोवो, मोरक्को, यूएई, वियतनाम ने बोर्ड में शामिल होने का न्योता स्वीकार कर लिया है जबकि फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने मना कर दिया है। कई देशों ने अभी फैसला नहीं लिया है।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे के हत्यारे को उम्रकैद

तोक्यो। जापान की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने का अपराध कबूल करने वाले एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और दक्षिण कोरिया के एक विवादास्पद चर्च के बीच दशकों पुराने करीबी संबंधों को उजागर किया। तेत्सुया यामागामी (45) ने पश्चिमी शहर नारा में जुलाई 2022 में चुनाव प्रचार के दौरान भाषण दे रहे आबे की हत्या किए जाने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। नारा जिला अदालत ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजन पक्ष के अनुरोध के अनुसार यामागामी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

जापान के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल रहे आबे की 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान हत्या की गई थी। उस समय वह प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में काम कर रहे थे। कड़े बंदूक नियंत्रण वाले देश को इस घटना ने झकझोर दिया। यामागामी ने कहा कि उसने यूनिफिकेशन चर्च से संबद्ध एक समूह को भेजा गया आबे का वीडियो संदेश देखने के बाद उनकी हत्या की।

ऐसा हल निकालेंगे जिससे नाटो भी खुश और हम भी

- ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर पड़े नरम

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर मंगलवार को अपेक्षाकृत संयमित रुख अपनाया जो उनके एक दिन पहले दिए गए आक्रामक बयानों से अलग था। ट्रंप व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की पहली वर्षगांठ के अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियों से बात कर रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि डेनमार्क के अधीन आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने की उनकी कोशिश क्या विभाजन के जोखिम जैसी है, तो ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि हम ऐसा कोई समाधान निकाल लेंगे जिससे नाटो भी खुश होगा और हम भी खुश होंगे।

यह बयान सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री को भेजे गए ट्रंप के उस संदेश से अलग था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अब केवल शांति के दृष्टिकोण से सोचने के लिए बाध्य महसूस नहीं करते। हालांकि ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में ग्रीनलैंड पर नियंत्रण आवश्यक है। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस सप्ताह पेरिस में यूरोपीय नेताओं की एक आपात बैठक बुलाने का आह्वान किया है, जिसमें ग्रीनलैंड को हासिल करने की ट्रंप की कोशिशों और शुल्क को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव पर चर्चा की जानी है। ट्रंप ने कहा कि वह इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। इसका एक कारण यह बताया कि मैक्रों अधिक समय तक अपने देश का नेतृत्व नहीं करेंगे। इस सप्ताह ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मैक्रों और नाटो महासचिव मार्क रुटे के निजी संदेश भी साझा किए थे।

डब्ल्यूईएफ के लिए दावोस रवाना हुए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड तनाव के बीच विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस रवाना हो गए हैं। इससे पहले उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एयरफोर्स वन विमान में मामूली खराबी का पता चलने के बाद दूसरे विमान से एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज पर वापस लौटना पड़ा। व्हाइट हाउस रैपिड रिस्पांस टीम ने एक्स पर बताया कि उड़ान भरने के बाद एयर फ़ोर्स वन के चालक दल ने एक मामूली बिजली संबंधी समस्या की पहचान की। सावधानी बरतते हुए एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज वापस लौटना पड़ा। राष्ट्रपति और उनकी टीम दूसरे विमान से स्विट्जरलैंड की यात्रा जारी रखेंगे।

नेपाल चुनाव में चार पूर्व पीएम भी आजमाएंगे अपनी किस्मत

- पड़ोसी देश में इस साल पांच मार्च को होने वाले हैं आम चुनाव

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के महीनों बाद पांच मार्च को कराए जा रहे आम चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और जेन-जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर हुए के पी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव के लिए झापा-5 सीट से नामांकन दाखिल किया है।

वहीं, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' रुकुम पूर्व से किस्मत आजमा रहे हैं। दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल और प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनाल इस दौड़ में शामिल नहीं हैं।

नेपाल में जेन-जी युवाओं के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद ओली ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद देश में आम चुनाव आवश्यक हो गए थे।

चार मंत्रियों ने चुनाव लड़ने को पद त्यागा

नेपाल में सुशीला कार्की सरकार के चार मंत्रियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा देकर पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। विज्ञान एवं शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को पद छोड़ने के बाद म्याग्दी जिले से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। इससे पहले संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने मंत्री पदों से इस्तीफा दे दिया था। खरेल ने ललितपुर-2 क्षेत्र से जबकि गुप्ता ने सिराहा-1 निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा भरा है। कुछ सप्ताह पहले ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्री कुलमान घीसिंग ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने का फैसला किया था।

द. कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री हान को 23 वर्ष की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लागू किया गया मार्शल लॉ विद्रोह की श्रेणी में आता है। अदालत ने इस मामले में संलिप्तता के लिए यून के समय देश के प्रधानमंत्री रहे हान डक-सू को 23 साल की कारावास की सजा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू, यून सरकार के पहले अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति यून द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े विद्रोह के आरोपों में दोषी ठहराया गया। इस फैसले से राष्ट्रपति यून और उनके अन्य सहयोगियों के खिलाफ आने वाले फैसलों की दिशा तय होने की उम्मीद है।

अमेरिका को ईरान ने दी चेतावनी हमला हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

- बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेशमंत्री अराघची ने चेताया

दुबई, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका के खिलाफ अब तक की सबसे सीधी और कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि इस्लामिक गणराज्य पर दोबारा हमला हुआ तो वह अपने पास मौजूद हर ताकत से जवाब देगा। तेहरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के निर्ममतापूर्वक दमन के बाद बढ़ते तनाव के बीच अराघची ने यह बात कही है।

इस दमन के चलते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में उन्हें दिया गया निमंत्रण रद्द कर दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका के लड़ाकू विमान उपकरणों के साथ एशिया से पश्चिम एशिया की दिशा में बढ़ रहे हैं। वहीं, कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका की एक बड़ी सैन्य तैनाती के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बीच, पश्चिम एशिया में अमेरिकी लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों की गतिविधियां भी बढ़ती दिख रही हैं।

अराघची ने यह चेतावनी द वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक लेख में दी। लेख में उन्होंने दावा किया कि अशांति का हिंसक चरण 72 घंटे से भी कम समय तक चला। उन्होंने हिंसा के लिए सशस्त्र प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

...तो ईरान का नामो निशान मिटा देंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। ट्रंप ने न्यूजनेशन के कार्यक्रम केटी पॉवलिच टुनाइट को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेरे बहुत सख्त निर्देश हैं कि अगर कुछ होता है, तो वे उन्हें नक्शे से मिटा देंगे। इससे पहले ईरान ने ट्रंप को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई करने पर चेतावनी दी थी। ट्रंप ने खामेनेई के लगभग 40 वर्षों के शासन को समाप्त करने का आह्वान किया था जिसके कुछ दिनों बाद ईरान ने ट्रंप को यह चेतावनी दी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 23 जनवरी 02.28 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- शतभिषा 14.27 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपने मित्रों पर अविश्वास न करें। नींद पूरी न लेने के कारण अपच की समस्या हो सकती है। मन की बातें दूसरों से शेयर न करें।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में उत्तम धन-लाभ होगा। परिवार के सदस्यों से राय लेना आपके लिए हितकर रहेगा। आय के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — आज मार्केटिंग संबंधी गतिविधियों से धन लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको लाभ प्राप्त होगा।

कर्क — आज सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कोई रुकी हुई डील आपके सामने आ सकती है, लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। धन की कमी के कारण जरूरी काम रुक सकते हैं। अधिकारियों के साथ तनाव दूर होगा।

सिंह — आज अपनी बातों को दूसरों पर न थोपें। व्यापार में नए साथी जुड़ सकते हैं। सिर्फ अपने काम पर ही फोकस बनाए रखें। दूसरे कार्यों में दिमाग न लगाएं। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। वरिष्ठों का भरोसा जीतेंगे।

कन्या — आज आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। किसी मांगलिक उत्सव की योजना बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। दांपत्य संबंधों में ताजगी आएगी। परिवार का बेहतरीन सहयोग मिलेगा। घर में मित्रों का आगमन हो सकता है।

तुला — आज उच्च अधिकारी आपसे संतुष्ट रहेंगे। अपने काम को लेकर फोकस करेंगे। संतान की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वृश्चिक — आज का काम कल पर न टालें। निवेश में सोच-समझकर कदम उठाएं। मित्रों के साथ खास विषय पर चर्चा कर सकते हैं। आपको नई-नई बातें जानने को मिलेंगी। संतान को लेकर तनाव दूर होगा। खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

धनु — आज करियर को लेकर दिन काफी अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। घर की आवश्यकताओं के बोझ में दबे रहेंगे। लोग आपके साथ होने का दिखावा कर सकते हैं। इसीलिए अपना मत प्रकट करने में सावधानी रखें।

मकर — आज कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाई-बंधुओं के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पलों का आनंद लेंगे।

कुंभ — आज का दिन थोड़ा तनावग्रस्त होगा। कुछ जरूरी कार्य अटक सकते हैं। कारोबार में अनुबंध होने की संभावना है। दांपत्य संबंधों में खर्चों के कारण थोड़ी खिट-पिट हो सकती है। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपका अपमान हो।

मीन — आज चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। आपकी जीवनशैली अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

सुडोकू -39

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3	2			6			9
7				2				
	1		9				5	
8					2		1	
4			7			9		
	2			5			6	
		8		6				1
2					3		8	
	4			7				5

सुडोकू - 38 का हल

6	1	3	5	4	8	2	7	9
5	9	7	6	1	2	3	4	8
2	4	8	9	3	7	6	5	1
3	7	2	4	9	5	8	1	6
9	6	4	8	7	1	5	3	2
1	8	5	3	2	6	7	9	4
4	5	9	2	8	3	1	6	7
7	2	6	1	5	9	4	8	3
8	3	1	7	6	4	9	2	5

"हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी है। वह बल्ले और गेंद से जो कर दिखाते हैं, वह कोई नहीं कर सकता। भारत अंतिम एकादश में वरुण या कुलदीप जैसे स्पिनर को शामिल करे, लेकिन नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

आकाश चोपड़ा, पूर्व बल्लेबाज

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मुबंई इंडियंस की ली पर लगा जुर्माना

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स की विकेटकीपर लिजेले ली पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए बुधवार को मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि ली ने आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के अनादर को लेकर है। इसके लिए मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। यह घटना दिल्ली की पारी के 11वें ओवर की थी जब ली को तीसरे अंपायर के रिव्यू के बाद 46 के स्कोर पर स्टम्प आउट करार दिया गया। फैसले से नाखुश ली ने बाद में पुरस्कार समारोह में कहा कि विकेटकीपर ने अच्छा काम किया लेकिन मुझे इसके बारे में इतना ही कहना है। दिल्ली ने मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया।

केकेआर ने दिशांत को फील्डिंग कोच बनाया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 के सत्र से पहले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिशांत याग्निक को बुधवार को टीम का फील्डिंग कोच बनाया है। केकेआर ने कहा कि याग्निक अपने साथ भरपूर अनुभव और फील्डिंग में उत्कृष्टता की गहरी समझ लेकर केकेआर में शामिल होंगे। फ्रेंचाइजी आईपीएल में नए सहायक स्टाफ के साथ उतरेगी, जिसमें अभिषेक नायर (मुख्य कोच) के अलावा डेरेन ब्रावो (मेंटोर-मार्गदर्शक), शेन वॉटसन (सहायक कोच), टिम साउदी (गेंदबाजी कोच) और आंद्रे रसेल (पावर कोच) शामिल हैं। आईपीएल से पहले याग्निक का केकेआर में शामिल होना पूर्व क्रिकेटर के कोचिंग करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

निशानेबाजी में सेन शीर्ष पर, मनु-ऐश्वर्य भी जीते

नई दिल्ली। तिलोत्तमा सेन ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) में दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के टी1 फाइनल में दमदार जीत दर्ज की। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में टी1 में तीसरे स्थान पर रहने वाले ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित टी2 में पहला स्थान हासिल किया। तिलोत्तमा ने बुधवार को फाइनल में फिर संयमित प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3पी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आयुषी दूसरे स्थान पर रहीं। सुरभि भारद्वाज रापोले 348.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 ग्वालियर में

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) शुक्रवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रशासक, कोच और शिक्षाविद् भारत में खेल शिक्षा और ट्रेनिंग के भविष्य पर मंथन करने के लिए एकत्र होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार, यह कॉन्क्लेव देशभर के नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, खेल प्रशासकों, कोच, खेल वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक मंच पर लाने को आयोजित हो रहा है।

अभिषेक का विस्फोटक पचासा भारत ने दिया 239 रनों का लक्ष्य

सूर्यकुमार यादव ने 20 और रिंकू सिंह ने भी खेली 44 रनों की पारी

अभिषेक शर्मा

नागपुर, एजेंसी

भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 35 गेंदों पर 84 रनों की धमाकेदार पारी से बुधवार को यहां पांच मैच की श्रृंखला के पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 238 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं दिखाया और उनकी खूब धुनाई करते हुए अपनी पारी में आठ छक्के और पांच चौके लगाए। उन्होंने और कप्तान सूर्यकुमार यादव (32 रन, 22 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 99 रन की साझेदारी की। हालांकि सूर्यकुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। लेकिन इस युवा बल्लेबाज की बेफिक्र बल्लेबाजी से कप्तान को भी कुछ देर क्रीज पर जमने का मौका दिया।

अंत में रिंकू सिंह को भी लंबे समय बाद अच्छी पारी खेलने का मौका मिला। उन्होंने 20 गेंद में चार चौके और तीन छक्के से नाबाद 44 रन की तेज पारी खेली। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने संजू सैमसन (10 रन) और ईशान किशन (08) के तौर पर जल्दी विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने जैकब डफी (चार ओवर में 27 रन देकर दो विकेट) पर अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा जो यह साइट स्क्रीन पर गया था। पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दो विकेट गिरने का असर खुद पर नहीं पड़ने दिया और उनकी बल्लेबाजी की खासियत उनकी बल्ले की तेज स्पीड है। न्यूजीलैंड का कोई भी गेंदबाज उन्हें चुनौती नहीं दे सका।

रिंकू सिंह

क्रिस्टियन क्लार्क और काइल जैमीसन की गेंदें सपाट पिच पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थीं और बाउंड्री के पार जा रही थीं। अभिषेक ने अपनी पारी के चार छक्के जड़ने के बाद पहले तीन चौके स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंदबाजी पर लगाए।

वहीं दूसरे छोर पर सूर्यकुमार थोड़े संघर्ष करते दिखे। लेकिन डफी की गेंद पर बैक-फुट पर चौका और क्लार्क की गेंद पर स्क्वायर के पीछे एक जोरदार छक्का लगाने के दौरान भारतीय कप्तान में पुरानी झलक दिखाई दी। लेकिन वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर है। कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) ने लगाम लगाने की कोशिश की और उन्हें सफलता जब मिली तब सूर्यकुमार लॉग-ऑन पर कैच आउट हो गए। अभिषेक ने अपना कहर जारी रखा। हालांकि वह अगले ही ओवर में आउट हो गए जब लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी ने अपनी लेग-ब्रेक की लेंथ थोड़ी कम की और जैमीसन ने उनका कैच लपक लिया।

आखिर में रिंकू को प्रभाव डालने के लिए काफी गेंदें मिलीं और उन्होंने डेरिल मिचेल के पहले और पारी के अंतिम ओवर में 21 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

शीर्ष से फिसले कोहली मिचेल ने बनाई जगह

दुबई, एजेंसी

आईसीसी वनडे रैंकिंग

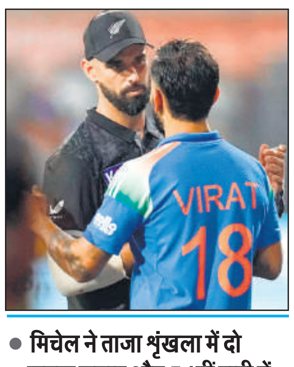

- मिचेल ने ताजा श्रृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में तेज नौ वनडे शतक पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने

न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने हाल में संपन्न श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यह श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे श्रृंखला जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था।

मिचेल ने श्रृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। केवल इमाम-उल-हक (48), हाशिम अमला (52) और क्विंटन डिकॉक (53) ही उनसे आगे हैं। हैमिल्टन में जन्मे मिचेल अपने करियर की शीर्ष फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैच की श्रृंखला में 352 रन बनाए। किसी तीन मैच की वनडे श्रृंखला में यह न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाए सर्वाधिक रन हैं और यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं।

आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं। यह दूसरी बार है जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था।

भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (पांच शतक) के बाद मिचेल (चार शतक) दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। मिचेल वनडे में 54 पारियों में अब तक एक भी बार शून्य पर आउट नहीं हुए हैं।

टी20 विश्व कप : बीसीबी को झटका बांग्लादेश के मैच भारत में ही होंगे

- आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया निर्णय
- मैचों को बांग्लादेश ने श्रीलंका में कराने का किया था अनुरोध

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के टी20 विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे क्योंकि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है।

यह निर्णय आईसीसी बोर्ड की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित बैठक में लिया गया, जो बीसीबी द्वारा भारत में खेलने को लेकर चिंता जताने और आयोजन स्थलों में बदलाव की मांग के बाद स्थिति पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। आईसीसी के अनुसार, बोर्ड ने स्वतंत्र मूल्यांकनों सहित कई सुरक्षा आकलन की समीक्षा की, जिनमें से सभी ने निष्कर्ष निकाला कि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडियाकर्मियों या प्रशंसकों की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं था। आईसीसी ने कहा कि अब इतने कम समय में कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं है और सुरक्षा जोखिम की पुष्टि न होने पर मैचों में बदलाव करना भविष्य के वैश्विक आयोजनों के लिए एक अवांछनीय मिसाल कायम कर सकता है।

आईसीसी ने कहा कि बोर्ड ने गौर किया कि मौजूदा परिस्थितियों में मैचों को स्थानांतरित करने से आईसीसी प्रतियोगिताओं की पवित्रता खतरे में पड़ सकती है और वैश्विक शासी निकाय के रूप में संगठन की निष्पक्षता कमजोर हो सकती है। उसके प्रबंधन ने कुछ सप्ताह में बीसीबी के साथ कई बैठकें और पत्राचार किए हैं, जिसमें टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। इनमें आयोजन स्थल से जुड़ी विशिष्ट योजनाएं और संघीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करते हुए स्तरीय सुरक्षा का आश्वासन शामिल था।

पीसीबी ने किया बांग्लादेश का समर्थन

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप खेलने से बांग्लादेश के इन्कार का समर्थन किया है और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेजे पत्र में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी की पेशकश की। बांग्लादेश को ग्रुप चरण के चारों मैच भारत में खेलने हैं, जिनमें से पहले तीन कोलकाता में और एक मुंबई में होना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी सरकार के समर्थन से भारत जाने से इन्कार किया और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने ईमेल में कहा है कि बीसीबी की मांग जायज है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए और अगर बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में करने में समस्या है तो पाकिस्तान उसके सभी मैचों की मेजबानी को तैयार है। पीसीबी ने इस मसले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आईसीसी में सहयोग के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया था। पाकिस्तान के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में होंगे।

खेल मंत्रालय ने साई से एसओपी तैयार करने के लिए कहा

नई दिल्ली। ओलंपिक की मेजबानी की चाहत रखने वाले भारत पर बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय निगरानी को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय ने साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) से मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहा है ताकि हाल में यहां हुए बैडमिंटन इंडिया ओपन में हुई चूक दोबारा नहीं हों। इंडियन ओपन में कोर्ट पर पक्षियों की बीट, दर्शक दीर्घा में बंदर और ट्रेनिंग सुविधाओं में अस्वच्छता ने टूर्नामेंट की छवि को नुकसान पहुंचाया।

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश ने प्रज्ञानानंद से ड्रॉ खेला

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड), एजेंसी

- अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके, अरविंद चिदंबरम को भी मिली हार

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञानानंद के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली जबकि अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके।

प्रज्ञानानंद का इस टूर्नामेंट में सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजी ड्रॉ खेली। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन के हाथों अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी दाई वान गुयेन को पराजित किया। अब्दुसत्तोरोव और नीमन चार में से तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि अर्जुन एरिगैसी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव और नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट उनके ठीक पीछे हैं। सिंदारोव ने जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम को हराया।

गुजरात के खिलाफ मैच में यूपी का पलड़ा भारी

वडोदरा, एजेंसी

- सीनियर बल्लेबाजों के खराब फॉर्म ने गुजरात की मुश्किलें बढ़ाई

खराब फॉर्म से जूझ रही गुजरात जाइंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग के मैच में गुरुवार को यूपी वारियर्स का पलड़ा भारी होगा जबकि प्लेआफ के बाकी दो स्थानों के लिए मुकाबला कड़ा हो गया है। पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पांचों मैच जीतकर क्वालीफाई कर चुकी है जबकि दिल्ली ने मंगलवार को मुंबई को 7 विकेट से हराकर सभी के लिए रास्ते खुले रखे हैं।

मुंबई, यूपी, दिल्ली और गुजरात के चार अंक हैं लेकिन नेट रनरेट के आधार पर यूपी गुजरात से ऊपर हैं। गुजरात तीन हार के बाद सबसे नीचे है लेकिन पहले चरण में उसने यूपी को हराया था। इसके बाद दिल्ली को चार रन से हराया। मुंबई के खिलाफ पांच विकेट पर 192 रन बनाने के बावजूद गुजरात को हार मिली। आरसीबी के खिलाफ 183 रन के लक्ष्य के जवाब में टीम 150 रन ही बना सकी और पिछले मैच में इसी टीम के खिलाफ 179 रन के लक्ष्य के जवाब में आठ विकेट पर 117 रन ही बना पाई।

रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में शुभमन गिल पर होगी नजर

राजकोट, एजेंसी

- सिराज भी हैदराबाद के कप्तान के रूप में पहला मैच खेलने को तैयार

भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल गुरुवार से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे चरण में आकर्षण का केंद्र होंगे। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम लेने के बजाय पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ होने वाले ग्रुप बी के मैच में खेलने का फैसला किया।

न्यूजीलैंड के हाथों वनडे श्रृंखला में भारत की 1-2 से हार के बाद गिल सीधे राजकोट पहुंच गए थे जहां उनका राष्ट्रीय टीम के साथी और सौराष्ट्र के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से मुकाबला हो सकती है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण है। सौराष्ट्र 13 अंकों के साथ चौथे जबकि पंजाब छठे स्थान पर है। इस ग्रुप में कर्नाटक 21 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि महाराष्ट्र उससे तीन अंक पीछे है। वहीं, मोहम्मद सिराज पर भी सबकी निगाहें होंगी जो अपने घरेलू मैदान पर हैदराबाद के कप्तान के रूप में पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

सबालेंका ने चीन की झोउशुआन को और गॉफ ने डानिलोविच को दी मात

एरिना सबालेंका और कोको गॉफ तीसरे दौर में पहुंचीं

- अल्काराज ने हंफमैन को हराकर तीसरे दौर में जगह की पक्की

मेलबर्न, एजेंसी

दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। वहीं पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की विजेता सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गाफ ने ओल्गा डानिलोविच को 6-2, 6-2 से मात दी। अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को 7-6, 6-3, 6-2 से हराया। सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा, जिन्होंने 28वीं वरीयता प्राप्त और पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू को 7-6, 6-2 से हराया। महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को 7-5, 6-1 से मात दी। तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को 6-2, 6-4 से हराया। पुरूष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेटिन हालिस को 6-7, 6-3, 6-4, 6-2 से हराया जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से मात दी। 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया।

भांबरी और गोरानसन पुरुष युगल के दूसरे दौर में

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरानसन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और गोरानसन की दसवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कोर्ट नंबर 13 पर चले मुकाबले में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट को 6-3 6-4 से हराया। अगर प्रतिशत के आंकड़ों पर गौर करें तो भांबरी और गोरानसन ने पहली सर्विस पर 97 प्रतिशत अंक जीते। दूसरी पर उन्होंने 91 प्रतिशत अंक जीते। भांबरी और गोरानसन ने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस को दो बार तोड़ा और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया, जिससे वे पूरे समय नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहे। निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार से सीधे सेटों में हारकर पुरुष युगल से बाहर हो गए थे।

पीवी सिंधु व श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

जकार्ता, एजेंसी

- किरण जार्ज और आकर्षि कश्यप को पहले ही दौर में हार का करना पड़ा सामना, मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती समाप्त

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत अपने अपने मुकाबले जीतकर इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने जापान की मनामी सुइज़ू को 53 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। वहीं विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने एक घंटे 12 मिनट तक चले मैच में दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे को 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी।

श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगा, जिन्होंने आयरलैंड के एन एंगुयेन को 21-14, 21-15 से हराया। किरण जार्ज को पहले दौर में इंडोनेशिया के एक जाकी उबेदिल्लाह के हाथों 17-21, 14-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। महिला एकल में आकर्षि कश्यप भी पहले दौर में जूली डावाल जाकोबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से हार गई।

मिश्रित युगल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब रोहन कपूर और रूत्विका गाडे के अलावा ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी पहले दौर में हार गई। कपूर और गाड्डे को चौथी वरीयता प्राप्त फ्रांस के थॉम गिकुल और डेल्फाइन डेलरू ने 21-9, 22-20 से हराया जबकि कपिला और क्रास्टो को फ्रांस के ही जूलियन मेइयो और ली पालेरमो ने 21-23, 22-20, 21-6 से मात दी।